बालाघाट
गुरुवार 12 नवम्बर 2026
कार्तिक शुक्ल 03 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 50
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

वंदे भारत स्लीपर में वेटिंग, आरएसी या तत्काल का कोई प्रावधान नहीं

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस में टिकट बुकिंग और यात्रा को लेकर नए नियम स्पष्ट कर दिए हैं। इन प्रीमियम ट्रेनों में अब यात्रियों को तत्काल कोटे से टिकट बुक कराने की सुविधा नहीं मिलेगी। इसके अलावा आरएसी और वेटिंग लिस्ट के टिकट भी जारी नहीं किए जाएंगे। रेलवे के फैसले के मुताबिक, केवल पूरी तरह कन्फर्म टिकट वाले यात्रियों को ही ट्रेन में सफर करने की अनुमति होगी। रेलवे ने इन ट्रेनों में एडवांस रिजर्वेशन पीरियड (एआरपी) के तहत सामान्य आरक्षण की व्यवस्था रखी है। सभी उपलब्ध अर्थ सामान्य आरक्षण के लिए खुली रहेंगी, ताकि यात्री पहले से अपनी यात्रा की योजना बनाकर टिकट बुक करा सकें। नॉर्थ सेंट्रल रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. शिवम शर्मा ने भी तत्काल कोटा नहीं होने की पुष्टि की है।

पूर्व उपराष्ट्रपति दिल्ली एम्स में भर्ती

नई दिल्ली। देश के पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की तबीयत बुधवार सुबह अचानक बिगड़ गई। मॉर्निंग वॉक के दौरान वह बेहोश होकर गिर पड़े। इसके बाद उन्हें दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के मुताबिक, 75 वर्षीय धनखड़ को अस्पताल के कार्डियो-न्यूरो सेंटर में भर्ती किया गया है, जहां कार्डियोलॉजी विभाग के डॉक्टर उनकी जांच और इलाज कर रहे हैं। सामने आया है कि बुधवार सुबह टहलने के दौरान जगदीप धनखड़ अचानक बेहोश होकर गिर पड़े और कुछ मिनट तक बेहोश रहे। उनके साथ मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें पीसीआर वाहन से पास पहुंचाया। इसके बाद ईस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज की मेडिकल टीम और एम्स के डॉक्टर संदीप सेठ ने उनकी जांच की और जरूरी चिकित्सा सहायता दी।

मदर डेयरी दूध 4 रूपए तक महंगा

नई दिल्ली। मदर डेयरी ने दूध की कीमतें 2 से 4 रूपए प्रति लीटर तक बढ़ा दी हैं। नई कीमतें गुरुवार से लागू होंगी। कंपनी ने दूध की खरीद लागत बढ़ने के कारण यह फैसला लिया। दिल्ली-एनसीआर में कंपनी के टोंड, फुल क्रीम, डबल टोंड और गाय के दूध समेत सभी प्रमुख वैरिएंट के दाम बढ़ाए गए हैं। कंपनी ने पिछली बार 14 मई 2026 को दूध की कीमतें बढ़ाई थीं। इससे पहले अप्रैल 2025 में कीमतों में बदलाव किया गया था। कंपनी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि किसानों से दूध खरीदने की लागत काफी बढ़ गई है। दूध की खरीद और बाकी खर्चों में आई इस तेजी के चलते कंपनी पर आर्थिक दबाव बढ़ रहा था।

कुछ ना कहना



स्वच्छता सर्वेक्षण-2025 :सुपर स्वच्छ लीग में नवी मुंबई नंबर वन,सूरत दूसरे नंबर पर रहा; राजस्थान में जयपुर, मप्र में ग्वालियर सबसे साफ, इंदौर-देपालपुर देश में दूसरे नंबर पर, उज्जैन ने तीन से दस लाख आबादी वाले शहरों में मारी बाजी, देवास को भी पहला स्थान; जबलपुर दूसरे नंबर पर, भोपाल पुरस्कारों की दौड़ से बाहर

'स्वच्छता' में मध्यप्रदेश का दबदबा

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को स्वच्छता सर्वेक्षण-2025 के पुरस्कार दिए। इस बार सुपर स्वच्छ लीग में नवी मुंबई पहले, सूरत दूसरे और आंध्र प्रदेश का विजयवाड़ा तीसरे स्थान पर रहा है। पिछले सर्वेक्षण में सुपर स्वच्छ लीग में इंदौर पहले, सूरत दूसरे और नवी मुंबई तीसरे स्थान पर थे। इसके अलावा राजस्थान में जयपुर और मध्य प्रदेश में ग्वालियर को सबसे स्वच्छ शहर बताया गया है। अहमदाबाद को मेंटर सिटी कैटेगरी में पहला, इंदौर को दूसरा और तिरुपति को तीसरा स्थान मिला। स्वच्छ शहर जोड़ी पहल के तहत इनके साथ क्रमशः सागंद, देपालपुर और कुप्पम को मेंटी सिटी बनाया गया था। स्वच्छता के मामले में मध्यप्रदेश ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। इस बार के परिणामों में एक तरफ प्रदेश के छोटे और मध्यम शहरों की उपलब्धियां चर्चा में रहीं, तो दूसरी तरफ राजधानी भोपाल का पुरस्कारों की दौड़ से बाहर होना सवाल खड़े कर गया।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में बुधवार को आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विजेता शहरों को राष्ट्रीय स्वच्छता पुरस्कार प्रदान किए। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के नतीजों में प्रदेश के कई शहरों ने अलग-अलग श्रेणियों में शानदार प्रदर्शन किया है। इंदौर और देपालपुर को संयुक्त रूप से दूसरा स्थान मिला है, जबकि उज्जैन ने तीन से दस लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी में देश में पहला स्थान हासिल किया है। देवास भी 50 हजार से तीन लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी में अव्वल रहा। वहीं, दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में जबलपुर ने दूसरा स्थान हासिल कर प्रदेश का मान बढ़ाया है।

किन शहरों को मिला स्वच्छता का पुरस्कार



10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले सबसे स्वच्छ शहर
- विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश
- जबलपुर, मध्य प्रदेश
- लखनऊ, उत्तर प्रदेश

50 हजार-तीन लाख जनसंख्या वाले सबसे स्वच्छ शहर
- देवास, मध्य प्रदेश
- दिल्ली
- सागर, मध्य प्रदेश

3 लाख से 10 लाख जनसंख्या वाले सबसे स्वच्छ शहर
- उज्जैन, मध्य प्रदेश
- चंडीगढ़
- गुंटूर, आंध्र प्रदेश

20 हजार से कम जनसंख्या वाले सबसे स्वच्छ शहर
- बिल्हा, छत्तीसगढ़
- पंचगनी, महाराष्ट्र
- वृंदनी, मध्य प्रदेश

20 हजार से 50,000 जनसंख्या वाले सबसे स्वच्छ शहर
- वीता, महाराष्ट्र
- आस्का, ओडिशा
- पणजी, गोवा

देवास भी बना अपनी श्रेणी का नंबर-1 शहर

प्रदेश के देवास ने भी स्वच्छता के मोर्चे पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 50 हजार से तीन लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी में देवास को देश में पहला स्थान मिला है। यह उपलब्धि प्रदेश के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस बार छोटे और मध्यम शहरों ने बड़े शहरों के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता साबित की है।

जबलपुर ने बड़े शहरों की श्रेणी में जमाई धाक

दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में जबलपुर ने दूसरा स्थान हासिल किया है। बड़े शहरों में स्वच्छता व्यवस्था को बनाए रखना अपेक्षाकृत चुनौतीपूर्ण होता है। आबादी का दबाव, कचरे की बढ़ती मात्रा और शहरी विस्तार के बीच जबलपुर की उपलब्धि प्रदेश के लिए अहम मानी जा रही है।

भोपाल की सात साल की मेहनत पर लगा झटका

इस बार के स्वच्छता सर्वेक्षण का सबसे चौंकाने वाला पहलू राजधानी भोपाल का पुरस्कारों की दौड़ से बाहर होना है। पिछले सर्वेक्षण में भोपाल ने सात साल की मेहनत के बाद देश के दूसरे सबसे स्वच्छ शहर का मुकाम हासिल किया था। लेकिन इस बार शहर राष्ट्रीय पुरस्कारों में जगह नहीं बना पाया। इसके पीछे आदमपुर छावनी में जमा करीब पांच लाख टन पुराने कचरे का निष्पादन नहीं होना एक बड़ी वजह माना जा रहा है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में भी प्रकरण चल रहा है। कचरे के इस पहाड़ ने शहर की स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। मूल्यांकन प्रक्रिया को लेकर भी सवाल सामने आए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, स्वच्छ सर्वेक्षण के दौरान शहरों की मैदानी स्थिति जांचने के लिए तीन टीमें आती थीं। जून-जुलाई में पहली टीम भोपाल पहुंची, लेकिन दूसरी टीम के आने का इंतजार होता रहा। अधिकारियों का मानना है कि मूल्यांकन प्रक्रिया में इसका असर रैंकिंग पर पड़ा होगा। हालांकि, भोपाल को पुरस्कार समारोह में आमंत्रित नहीं किए जाने की आधिकारिक वजह स्पष्ट नहीं है।

इंदौर की स्वच्छता मॉडल ने देपालपुर को भी दिलाई पहचान

देश में लगातार स्वच्छता का मानक स्थापित करने वाले इंदौर ने इस बार अपनी उपलब्धि का दायरा बढ़ाते हुए देपालपुर को भी राष्ट्रीय पहचान दिलाई है। दोनों को स्वच्छता सर्वेक्षण में दूसरा स्थान मिला है। खास बात यह है कि कभी प्रदेश के सबसे पिछड़े स्वच्छता शहरों में शामिल देपालपुर ने महज दो साल में लंबी छलांग लगाई है। करीब दो साल पहले देपालपुर मध्यप्रदेश के 380 शहरों में 378वें स्थान पर था। पिछले सर्वेक्षण में देश के 2030 शहरों में उसे 1710वीं रैंक मिली थी। इसके बाद इंदौर ने उसे जोड़ीदार शहर बनाकर अपनी स्वच्छता व्यवस्था, तकनीक और संसाधन साझा किए। 30 सितंबर 2025 को शुरू हुई स्वच्छ शहर जोड़ी पहल के तहत इंदौर को देपालपुर का मेंटर बनाया गया था। इस पहल का असर अब राष्ट्रीय परिणामों में दिखाई दिया है। करीब 20 हजार की आबादी वाले देपालपुर ने अपनी श्रेणी में दूसरा स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि बताती है कि बेहतर निगरानी, संसाधनों के इस्तेमाल और स्थानीय निकायों की सक्रियता से छोटे शहर भी स्वच्छता की राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में आगे आ सकते हैं।

उज्जैन ने कचरे से कमाई का मॉडल बनाया

तीन से दस लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी में उज्जैन ने पहला स्थान हासिल किया है। शहर को यह उपलब्धि केवल सफाई व्यवस्था के लिए नहीं, बल्कि कचरे के बेहतर प्रबंधन और उससे उपयोगी उत्पाद तैयार करने की पहल के लिए मिली है। उज्जैन ने धार्मिक नगरी की पहचान को स्वच्छता के नए मॉडल से जोड़ने की कोशिश की है। महाकाल, मंगलनाथ और कालभैरव मंदिरों में चढ़ाए जाने वाले फूलों से अगरबत्ती, धूपबत्ती और गुलाल तैयार किया जा रहा है। पाटों पर छोड़े गए पुराने कपड़ों से पेपर बैग बनाए जा रहे हैं, जबकि निर्माण कार्यों से निकलने वाले मलबे को उपयोग में लाकर पेवर ब्लॉक तैयार किए जा रहे हैं। गीले कचरे से बिजली बनाने की व्यवस्था भी की गई है। नगर निगम के अनुसार, शहर के 54 वार्डों में 96 वाहनों से घर-घर कचरा संग्रहण किया जा रहा है। गीले और सूखे कचरे सहित चार श्रेणियों में कचरे का अलग-अलग संकलन होता है। दिन में तीन बार सफाई की व्यवस्था है और 95 प्रतिशत से अधिक कचरा पृथक रूप में मिल रहा है। महापौर मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष कलावती यादव और आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने राष्ट्रपति से पुरस्कार प्राप्त किया।

4751 शहरों के बीच हुई प्रतिस्पर्धा

स्वच्छ सर्वेक्षण का यह दसवां संस्करण था। इसमें देशभर के 4751 से अधिक शहरों का मूल्यांकन किया गया। इस बार सर्वेक्षण की थीम स्वच्छता की नई पहल- बढ़ाएं हाथ, करें सफाई साथ रखी गई थी। शहरी निकायों का दस प्रमुख क्षेत्रों के 43 संकेतकों पर आकलन किया गया। इनमें घर-घर कचरा संग्रहण, कचरे का पृथक्करण, परिवहन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सार्वजनिक स्थानों की सफाई, स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंच, सीवेज प्रबंधन, नागरिकों की भागीदारी और सफाई कर्मचारियों का कल्याण शामिल था। देशभर में तीन हजार से अधिक प्रशिक्षित मूल्यांकनकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर शहरों की स्थिति जांची। पूरी प्रक्रिया डिजिटल और जीपीएस आधारित निगरानी के जरिए संपन्न कराई गई। इस बार के नतीजों ने प्रदेश के सामने दो तस्वीरें रखी हैं। एक तरफ इंदौर के स्वच्छता मॉडल से देपालपुर जैसे छोटे शहर राष्ट्रीय पहचान बना रहे हैं, तो दूसरी तरफ सात साल तक देश के शीर्ष शहरों में शामिल रहा भोपाल अपनी जगह बचाने में नाकाम रहा।

गुवाहाटी के पास रेल हादसा : इंजन समेत कई डिब्बे पटरी से उतरे

गुवाहाटी। दिगारू के पास एक बड़ा रेल हादसा हो गया। कोलकाता से सैरंग जा रही कोलकाता-सैरंग एक्सप्रेस (13125) का इंजन समेत कई डिब्बे पटरी से उतर गए। यह घटना सुबह करीब 6:54 बजे हुई, जब ट्रेन के इंजन के साथ लगभग 6 से 7 डिब्बे एक-दूसरे से टकराकर बिखर गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई, हालांकि अच्छी खबर यह है कि इस घटना में किसी भी यात्री के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। हादसे की जानकारी मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। राहत और बचाव कार्य तेजी से शुरू कर दिया गया है और रेलवे ने एक रिलीफ ट्रेन भी दुर्घटनास्थल पर भेजी है। पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल और स्थानीय प्रशासन की टीमें भी घटनास्थल पर मौजूद हैं। यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था कर दूसरी ट्रेन से आगे भेजा जा रहा है। रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने पुष्टि की कि अभी तक किसी हताहत की खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि इस ट्रेन हादसे के कारण रेल खातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया है, जिसके चलते कई ट्रेनें अपने निर्धारित समय से लेट चल रही हैं और कुछ ट्रेनों को दूसरे मार्गों पर डायवर्ट किया गया है।



दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का असर, पांचवीं तक के स्कूलों में हाइब्रिड पढ़ाई अनिवार्य

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में लगातार बिगड़ती वायु गुणवत्ता को देखते हुए स्कूलों में पढ़ाई के तरीके में बदलाव किया गया है। अब पांचवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए हाइब्रिड मोड में कक्षाएं संचालित की जाएंगी। इसके तहत बच्चों को स्कूल जाकर ऑफलाइन पढ़ाई करने या घर पर रहकर ऑनलाइन कक्षाओं में शामिल होने का विकल्प मिलेगा।

वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति को देखते हुए, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) के तीसरे चरण के तहत सख्त प्रतिबंध लागू किए हैं। इसके बाद दिल्ली के साथ गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर में भी पांचवीं तक की कक्षाओं को हाइब्रिड मोड में संचालित करना अनिवार्य किया गया है। गौतमबुद्ध नगर के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से जारी निर्देश के मुताबिक, नोएडा और ग्रेटर नोएडा के स्कूलों में तत्काल प्रभाव से यह व्यवस्था लागू होगी। सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को इसका पालन करना होगा। हालांकि, स्कूल पूरी तरह बंद नहीं किए गए हैं। जहां ऑनलाइन पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध है, वहां अभिभावक अपने बच्चों को घर से पढ़ाने का विकल्प चुन सकते हैं। बुधवार को नोएडा का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 283 दर्ज किया गया, जबकि दिल्ली का 24 घंटे का औसत एक्यूआई 313 रहा, जो बेहद खराब श्रेणी में आता है।



प्रशासन का यह कदम बच्चों को प्रदूषित हवा के सीधे संपर्क से बचाने और उनकी पढ़ाई जारी रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।

कुलगाम में आतंकी हमला
सीआरपीएफ दल पर बाइक सवार हमलावरों ने की फायरिंग

श्रीनगर। कश्मीर घाटी के कुलगाम जिले में आतंकवादियों ने सीआरपीएफ दल पर गोलीबारी की है। गोलीबारी में सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए हैं। घायल जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आतंकी हमला गश्त के दौरान किया गया। हमले के बाद आतंकियों ने भागने की कोशिश की। कुलगाम क्विक रिवेक्शन टीम हमले की जगह पहुंच गई है। टीम ने पूरे इलाके को घेर लिया है।

सीआरपीएफ के अनुसार, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो जवान बुधवार को दोपहर जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में एक नाके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों पर अज्ञात मोटरसाइकिल सवार हमलावरों द्वारा की गई गोलीबारी में घायल हो गए। यह घटना दोपहर करीब 2.15 बजे हुई जब हमलावरों ने मौके से भागने से पहले सीआरपीएफ कर्मियों पर गोलियां चलाईं। घायल जवानों की पहचान हेड कॉन्स्टेबल सोमवीर और कॉन्स्टेबल संतोनी और राकेश दास के तौर पर हुई है। तीनों सीआरपीएफ की 46वीं बटालियन में तैनात हैं। एक जवान के पैर, दूसरे के हाथ और तीसरे की पीठ में गोली लगी है। फायरिंग के बाद हमलावर फरार हो गए। सुरक्षाबलों ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है घायल जवानों को इलाज के लिए अनंतनाग जिले के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर में 2024 से अब तक 548 आतंकी घटनाएं हुई हैं। इन घटनाओं में 45 जवान शहीद हुए हैं और 138 आतंकी मारे गए हैं।

सरकारी कर्मचारियों को झटका, 48 घंटे से अधिक समय तक न्यायिक हिरासत में रहने पर निलंबित

नई दिल्ली। देश की शीर्ष अदालत ने सरकारी कर्मचारियों की गिरफ्तारी और निलंबन को लेकर एक बेहद महत्वपूर्ण और साफ फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में साफ किया है कि यदि कोई सरकारी कर्मचारी गिरफ्तार होता है और 48 घंटे से अधिक समय तक न्यायिक हिरासत में रहता है, तब उस कर्मचारी को तत्काल निलंबित यानी डीम्ड सस्पेंडेड मान लिया जाएगा। इसके लिए संबंधित विभाग द्वारा किसी अलग या नए आदेश की कोई आवश्यकता नहीं होगी, निलंबन स्वतः प्रभावी होगा। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने साफ किया कि जैसे ही हिरासत की अवधि 48 घंटे की सीमा को पार करती है, निलंबन का प्रावधान अपने आप सक्रिय होगा। कानूनी रूप से, यह डीम्ड सस्पेंशन तब तक प्रभावी रहेगा जब तक कि सक्षम प्राधिकारी समीक्षा प्रक्रिया के बाद इस औपचारिक रूप से रद्द या संशोधित नहीं कर देता। यह निर्णय उन प्रशासनिक खामियों को दूर करने के लिए लिया गया है जहां निलंबन आदेशों में जानबूझकर देरी की जाती थी। यह पूरा कानूनी मामला बिहार के समस्तीपुर सदर अस्पताल के प्रशासक विश्वजीत सिंह से जुड़ा है। उन पर एक संविदा कर्मचारी का वेतन जारी करने के एवज में 4,000 की रिश्वत मांगने का गंभीर आरोप लगा था। पटना हाईकोर्ट ने सिंह को जमानत मिलने के करीब एक साल बाद, रिश्वत की राशि को तुच्छ या मामूली बताकर उनकी जमानत रद्द कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट के फैसले को निरस्त कर सिंह की जमानत को बहाल कर दिया। अदालत ने इस बात पर गहरी चिंता जाहिर की और आश्चर्य व्यक्त किया कि आरोपी कर्मचारी लगभग 15 दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहने के बावजूद, निलंबन वापस लेकर उसी अस्पताल में और उसी पद पर फिर तैनात किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कड़े शब्दों में कहा कि कई बार वरिष्ठ अधिकारी अपने प्रिय कर्मचारियों को बचाने के लिए जानबूझकर निलंबन आदेश जारी करने में देरी करते हैं। इस नए रुख से इसरतह के किसी भी प्रशासनिक लूपहोल को गुंजाइश पूरी तरह समाप्त हो गई है, जिससे भ्रष्टाचार पर लगाम कसी जा सकेगी। कानूनी दृष्टिकोण से, यदि भ्रष्टाचार या रिश्वतखोरी के आरोपी अधिकारी को उसी पद पर वापस बैठा दिया जाए, तब वह जांच को प्रभावित कर सकता है, गवाहों (जो अक्सर उसी विभाग के कर्मचारी होते हैं) को डरा सकता है और सबूतों के साथ छेड़छाड़ कर सकता है। यह ध्यान में रखकर अदालत ने राज्य सरकार को इस प्रशासनिक अनियमितता को तुरंत सुधारने का निर्देश दिया।

क्रिप्टो करेंसी से सरकार ने कमाए 585 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। देश में क्रिप्टो करेंसी में निवेश और कारोबार का दायरा लगातार बढ़ रहा है। इसका फायदा अब सरकार को भी टैक्स के रूप में मिल रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में क्रिप्टो करेंसी से जुड़े लेन-देन पर सरकार को 585 करोड़ रुपये से अधिक का कर प्राप्त हुआ है। वहीं, वित्त वर्ष 2025-26 के आंकड़े अभी पूरी तरह उपलब्ध नहीं हैं, क्योंकि कई कर रिटर्न दाखिल होने की प्रक्रिया में हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, क्रिप्टो निवेश के मामले में बड़े महानगरों के साथ छोटे शहरों में भी लोगों की भागीदारी बढ़ रही है।

दक्षिण और उत्तर भारत के राज्यों में निवेश अधिक

क्रिप्टो कारोबार से जुड़े आंकड़ों में कर्नाटक, उत्तरप्रदेश और महाराष्ट्र सबसे आगे रहे हैं। वित्त वर्ष 2023 से 2026 के बीच इन राज्यों में क्रिप्टो निवेशकों की संख्या और लेन-देन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और राजस्थान में भी निवेशकों की सक्रियता बढ़ी है। बेंगलुरु, मुंबई और दिल्ली जैसे महानगरों में निवेशकों की संख्या अधिक है, लेकिन छोटे जिलों में भी क्रिप्टो का चलन तेजी से फैल रहा है।



क्रिप्टो की कमाई पर 30 फीसदी टैक्स

नियमों के मुताबिक, क्रिप्टो संपत्ति बेचने से होने वाली आय पर 30 प्रतिशत आयकर लगाया जाता है। इसके अलावा लागू उपकर और अधिभार भी देना होता है। वहीं, क्रिप्टो लेन-देन पर एक प्रतिशत टीडीएस का प्रावधान है। व्यक्तिगत निवेशकों के लिए 50 हजार रुपये से अधिक और अन्य मामलों में 10 हजार रुपये से अधिक के लेन-देन पर टीडीएस लागू होता है। सरकार का उद्देश्य क्रिप्टो कारोबार में पारदर्शिता लाना और कर चोरी पर नियंत्रण करना है।

27 लाख करोड़ की संपत्ति के लिए चार उत्तराधिकारी

नई दिल्ली। देश के प्रमुख उद्योगपति और अदाणी समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष गौतम अदाणी ने अपनी करीब 27 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के उत्तराधिकार की योजना तैयार की है। इसके तहत उन्होंने अपने सामान्य की जिम्मेदारी अगली पीढ़ी के चार सदस्यों को सौंपने का फैसला किया है। इनमें उनके दो बेटे करण अदाणी और जीत अदाणी के साथ दो भतीजे प्रणव अदाणी और सागर अदाणी शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह उत्तराधिकार योजना परिवार के भीतर कारोबारी जिम्मेदारियों के बंटवारे को ध्यान में रखकर बनाई गई है। अदाणी समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण करीब 17 लाख करोड़ रुपये बताया गया है, जबकि गौतम अदाणी की व्यक्तिगत संपत्ति लगभग 10 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है। इस तरह समूह और व्यक्तिगत संपत्ति को मिलाकर यह साम्राज्य करीब 27 लाख करोड़ रुपये का है।

चारों उत्तराधिकारियों की अलग-अलग जिम्मेदारियां

करण अदाणी (39) समूह के बड़े बेटे हैं और अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन से जुड़े हैं। जीत अदाणी (29) छोटे बेटे हैं और समूह के हवाई अड्डा कारोबार की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वहीं, प्रणव अदाणी (48) भतीजे हैं और अदाणी एंटरप्राइजेज तथा अन्य कारोबारी गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दूसरे भतीजे सागर अदाणी (32) अदाणी ग्रीन एनर्जी से जुड़े हैं और नवीकरणीय ऊर्जा कारोबार संभाल रहे हैं।

गौतम अदाणी का मानना है कि अगली पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपने से समूह की कारोबारी विरासत मजबूत होगी। चारों उत्तराधिकारियों को अलग-अलग क्षेत्रों का अनुभव और जिम्मेदारी दी गई है।

जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भाई दूज का पर्व

बहनों ने भाई के माथे पर तिलक लगाकर उतारी आरती, तो भाइयों ने बहनों को दिए विभिन्न उपहार





पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भाई बहन के प्यार का प्रतीक भाई दूज का पर्व जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलो में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।बुधवार को उत्साह के साथ मनाए गए। इस पर्व के दौरान बहनों ने अपने भाइयों के माथे को टीके से सजाया।वही मिठाई से मुह मीठा कराकर नारियल,रुमाल सहित अन्य सामग्रियां भेट की,वही भाइयो ने भी अपनी बहनों को स्नेह स्वरूप विभिन्न पुरस्कार दिए।इस विशेष पर्व पर भाइयो के माथे टीको से सजे दिखाई दिए। वही दिन भर बहनों का अपने भाइयों के यहां और भाइयों का बहनों के घर जाकर उनसे मिलने का सिलसिला जारी रहा।माथे पर टीका लगाते हुए बहनों ने अपने भाइयों की सलामती दीर्घायु की दुआए मांगी।वहीं इस पर्व विशेष पर सुबह से ही नगर की दुकानों पर खरीदारी करने के लिए महिलाओं और युवतियों का तांता लगा रहा। जहा मिठाइयों से लेकर आकर्षक तोहफों की जमकर खरीददारी की गई। बहन भाई के प्रेम को दर्शाता भैया दूज का त्योहार शहर के साथ-साथ जिले भर में धूमधाम से मनाया गया।

मंदिरों में की गई पूजा अर्चना

भाईबहन के अटूट प्रेम की सूत्र में पिरोते इस त्योहार पर जितना उत्साह बहनों में दिखा, उतने ही उत्साहित भाई भी नजर आए । भाइयों ने भी अपनी बहनों को खेह स्वरूप उपहार दिए। बाजार में महिलाओं और युवतियों ने जमकर खरीदारी की। वही मंदिरों में इस मौके पर सुबह से ही पूजा-अर्चना के लिए तांता लगा रहा।ठशर धनतेरस, छोटी दीपावली, लक्ष्मी पूजन, गोवर्धन पूजा और भैया दूज के साथ ही दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो गया।

मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती पर किया नमन, शिक्षा के क्षेत्र में योगदान को किया याद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री एवं महान स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के अवसर पर मंसूरी वेलफेयर एवं मुस्लिम वेलफेयर शिक्षा सोसाइटी के कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों, समाजसेवियों एवं शिक्षकों ने सहभागिता करते हुए मौलाना आजाद के छायाचित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण किया।इस अवसर पर वक्ताओं ने मौलाना अबुल कलाम आजाद के देश की आजादी में योगदान तथा स्वतंत्र भारत में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मौलाना आजाद ने शिक्षा को समाज के विकास और राष्ट्र निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण आधार माना। उनका मानना था कि शिक्षा प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए, ताकि समाज में ज्ञान, जागरूकता और समान अवसरों का विस्तार हो सके।वक्ताओं ने कहा कि मौलाना आजाद का शिक्षा के प्रति समर्पण, दूरदर्शी सोच और राष्ट्र निर्माण में योगदान आज भी सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने तथा समाज में शैक्षणिक विकास के लिए निरंतर प्रयास करने की आवश्यकता है।कार्यक्रम में जनाब रिजवान खान, जनाब हाजी खालिद साहब, जनाब हाजी रशीद जमा खान, अविनाश सैंडल सहित समाज के वरिष्ठजन, समाजसेवी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। सभी ने मौलाना आजाद के बताए मार्ग पर चलने और शिक्षा के प्रसार में अपनी सहभागिता निभाने का संकल्प लिया।



विकास के दावों की खुली पोल, केंद्र सरकार की 25 बड़ी परियोजनाओं में रू 2.11 लाख करोड़ का अतिरिक्त बोझ-जीतू पटवारी

जनता के पैसे की बर्बादी का जवाब कौन देगा ?

भोपाल। केंद्र की मोदी सरकार पर विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन में गंभीर लापरवाही, बढ़ती लागत और जवाबदेही के अभाव को लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के ब्लूरुब्रू पोर्टल की रिपोर्ट ने मोदी सरकार के विकास मॉडल की असल तस्वीर देश के सामने रख दी है। सरकार एक तरफ बड़े-बड़े विकास के दावे करती है, लेकिन दूसरी तरफ हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाएं वर्षों की देरी और लागत में भारी वृद्धि का शिकार हो रही हैं।

श्री पटवारी ने कहा कि देश की 1,853 केंद्रीय परियोजनाओं की लागत में लगभग रू3.22 लाख करोड़ की वृद्धि दर्ज होना सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। इनमें से 25 बड़ी परियोजनाओं में ही रू 2.11 लाख करोड़ की अतिरिक्त लागत बढ़ी है। कुल लागत वृद्धि का लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा इन 25 परियोजनाओं से जुड़ा है। यह जनता की मेहनत की कमाई और टैक्स के पैसे के साथ खुली लापरवाही है। उन्होंने कहा कि यदि रू2.11 लाख करोड़ की अतिरिक्त राशि का इस्तेमाल शिक्षा के क्षेत्र में किया जाता, तो लगभग 50 करोड़ रुपये प्रति स्कूल की लागत के हिसाब से 4,200 स्कूलों का निर्माण किया जा सकता था। लेकिन दुर्भाग्य है कि देश में विकास के नाम पर घोषणाएं और शिलान्यास तो खूब होते हैं, जबकि समय पर परियोजनाएं पूरी करने की जवाबदेही कहीं दिखाई नहीं देती।

श्री पटवारी ने कहा कि पोलावरम सिंचाई परियोजना की मूल स्वीकृत लागत रू10,151 करोड़ थी, जो बढ़कर रू55,549 करोड़ तक पहुंच गई। एक ही परियोजना की लागत में इतनी बड़ी वृद्धि आखिर किसकी जवाबदेही तय करती है? क्या सरकार बताएगी कि इस आर्थिक बोझ के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और निर्णयकर्ताओं पर क्या कार्रवाई हुई ? उन्होंने कहा कि सुबनसिरी परियोजना की मूल लागत 76,285 करोड़ थी, जो बढ़कर रू26,076 करोड़ हो गई। आखिर परियोजनाओं की समयबद्ध निगरानी और वित्तीय अनुशासन के सरकार के दावे कहां चले गए?

श्री पटवारी ने कहा कि सरदार सरोवर परियोजना की मूल लागत रू20,718 करोड़ थी, जो बढ़कर रू33,413 करोड़ तक पहुंच गई। बड़ी परियोजनाओं के नाम पर लगातार बजट बढ़ाया जा रहा है, लेकिन जनता को यह बताने वाला कोई नहीं है कि आखिर इस देरी और अतिरिक्त खर्च की जिम्मेदारी किसकी है। उन्होंने कहा कि हुबली-अंकोला रेल लाइन को मार्च 2005 तक पूरा किया जाना था, लेकिन अब इसके पूरा होने का लक्ष्य मार्च 2030 कर दिया गया है। यानी एक परियोजना को पूरा करने में लगभग 25 साल से अधिक की देरी हो रही है। यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि देश के विकास और जनता की उम्मीदों के साथ अन्याय है।

जीतू पटवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया कि क्या विकास का अर्थ केवल शिलान्यास, उद्घाटन और प्रचार की तस्वीरें हैं? क्या जनता के टैक्स के पैसे की कोई जवाबदेही नहीं है? आखिर इन परियोजनाओं की लागत लगातार क्यों बढ़ रही है और समय-सीमा बार-बार क्यों बदली जा रही है?

श्री पटवारी ने मांग की कि केंद्र सरकार सभी विलंबित परियोजनाओं की लागत वृद्धि, देरी के कारणों और जिम्मेदार अधिकारियों का पूरा ब्यौरा सार्वजनिक करे। साथ ही, परियोजनाओं में हुई अनियमितताओं और वित्तीय लापरवाही की स्वतंत्र जांच कराई जाए तथा जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि देश को केवल शिलान्यास और उद्घाटन की तस्वीरें नहीं, बल्कि समय पर पूरी होने वाली परियोजनाएं, जनता के पैसे का पारदर्शी हिसाब और विकास की वास्तविक गारंटी चाहिए।

कारोबारियों को निशाना बना रहा लॉरेंस बिश्नोई गैंग

एमपी में 31 गिरफ्तार; विदेशी नंबरों से करोड़ों की रंगदारी का खेल

भोपाल। कारोबारियों की रेकी, विदेशी नंबरों से धमकी और रकम नहीं मिलने पर घरों पर फायरिंग। मध्य प्रदेश में लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े मामलों की जांच में पुलिस के सामने रंगदारी वसूलने के कथित नेटवर्क की कई परतें सामने आई हैं। भोपाल, इंदौर, खरगोन और अशोकनगर सहित अलग-अलग जिलों में सामने आए मामलों में एसआईटी की कार्रवाई के दौरान 31 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, जांच से जुड़े विवरणों के मुताबिक, हैरी बॉक्सर और हरप्रीत सिंह सैनी उर्फ टाइसन बिश्नोई अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। पुलिस की जांच का फोकस अब केवल वारदातों को अंजाम देने वाले स्थानीय आरोपियों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन लोगों की भूमिका का पता लगाने पर भी है जो कथित तौर पर विदेश से नेटवर्क संचालित कर रहे हैं। साथ ही, दूसरे राज्यों से शूटर बुलाने, कारोबारियों की जानकारी जुटाने और डिजिटल माध्यमों से धमकियां देने के तरीकों की भी पड़ताल की जा रही है।

पहले रेकी, फिर धमकी और रकम नहीं मिलने पर फायरिंग

जांच में सामने आए कथित तौर-तरीकों के अनुसार, गैंग से जुड़े आरोपी कारोबारियों और बिल्डरों को निशाना बनाने के लिए पहले उनकी आर्थिक स्थिति और कारोबार की जानकारी जुटाते थे। इसके बाद विदेशी नंबरों, इंटरनेट कॉलिंग और व्हाटसऐप के जरिए करोड़ों रुपये की रंगदारी मांगे जाने के आरोप हैं। कुछ मामलों में कारोबारियों के घर या प्रतिष्ठान के वीडियो भेजकर दहशत पैदा करने की बात भी सामने आई है। आरोप है कि मांग पूरी नहीं होने पर फायरिंग या हमले की धमकी दी जाती थी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि अलग-अलग जिलों में सामने आए मामलों के बीच संपर्क और संचालन का कितना सक्षम नेटवर्क था।

भोपाल में 10 करोड़ की मांग, घर पर कराई गई फायरिंग

राजधानी के कोलार रोड स्थित पार्वती नगर में रियल एस्टेट और सराफा कारोबारी गौरव जैन से कथित तौर पर 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई थी। मामले में विदेशी नंबरों और इंटरनेट कॉलिंग के इस्तेमाल की बात सामने आई। शिकायत के मुताबिक, रकम नहीं मिलने पर कारोबारी के घर पर फायरिंग कराई गई। इस मामले में उत्तर प्रदेश के बांदा से जुड़े शूटर आनंद मिश्रा सहित अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच की गई। वीडियो बनाने और धमकी भरे संदेश भेजने के आरोप में निर्मल तिवारी तथा राजस्थान के जेपी डाग के नाम भी सामने आए। पुलिस ने इस मामले में कथित नेटवर्क से जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई की। हरप्रीत सिंह सैनी उर्फ टाइसन बिश्नोई के खिलाफ 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किए जाने की जानकारी भी सामने आई है।

खरगोन से अशोकनगर तक सामने आए मामले

खरगोन में कारोबारी दिलीप राठौर के घर पर फायरिंग और 10 करोड़ रुपये की कथित मांग का मामला सामने आया। सोशल मीडिया पर घटना की जिम्मेदारी लेने का दावा भी किया गया। इस मामले में 15 आरोपियों की गिरफ्तारी की जानकारी दी गई है। अशोकनगर में एक कारोबारी से कथित तौर पर 10 करोड़ रुपये मांगे गए। मामले में मनीष जांगिड़ को पेट्रोल बमों के साथ पकड़े जाने और राजपाल सिंह चंद्रावत की गिरफ्तारी की जानकारी सामने आई। जांच एजेंसियां कथित नेटवर्क में उनकी भूमिका की पड़ताल कर रही हैं। इंदौर और महू में कारोबारियों और बिल्डरों को धमकियां देकर पांच से 15 करोड़ रुपये तक की मांग किए जाने के मामले सामने आए। पुलिस ने प्रदीप शुक्ला को गिरफ्तार किया, जिस पर हैरी बॉक्सर से संपर्क रखने का आरोप है। इन मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी के बावजूद पुलिस के सामने यह चुनौती बनी हुई है कि अलग-अलग घटनाओं के बीच विशीव लेनदेन, डिजिटल संपर्क और निर्देश देने वालों की कड़ियों को कैसे जोड़ा जाए।

हैरी बॉक्सर और टाइसन की तलाश

जांच से जुड़े विवरणों के मुताबिक, हैरी बॉक्सर और टाइसन बिश्नोई की भूमिका कई मामलों में संदिग्ध बताई गई है। खुफिया सूचनाओं के आधार पर दोनों के विदेश से नेटवर्क संचालित करने की आशंका जताई गई है, हालांकि उनके मौजूदा ठिकाने और प्रत्येक मामले में उनकी भूमिका की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। पुलिस इन आरोपियों तक पहुंचने के लिए लुकआउट सर्कुलर और केंद्रीय एजेंसियों की मदद से कानूनी विकल्पों पर काम कर रही है। विदेश में मौजूद संदिग्धों के खिलाफ कार्रवाई के लिए उनकी पहचान, लोकेशन और संबंधित मामलों में उपलब्ध साक्ष्य महत्वपूर्ण होंगे।

मुंबई की घटना से कनेक्शन की भी पड़ताल

फिल्मी सितारे टाइगर श्रॉफ से जुड़ी कथित फायरिंग की घटना के बाद पुलिस इस संभावना की भी जांच कर रही है कि मुंबई और मध्य प्रदेश में सामने आए मामलों के बीच कोई संबंध है या नहीं। बताया गया है कि घटना के बाद गैंग के नाम से जिम्मेदारी लेने के दावे और अन्य संदर्भों की जांच की जा रही है। हालांकि, केवल किसी गैंग के नाम से जिम्मेदारी लेने या वारदात के तरीके में समानता होने से दोनों घटनाओं के बीच सीधा संबंध साबित नहीं होता। इसके लिए कॉल रिकॉर्ड, डिजिटल साक्ष्य, आरोपियों के संपर्क और अन्य जांच निष्कर्षों का मिलान जरूरी होगा।

डिजिटल धमकी से अंतरराज्यीय नेटवर्क तक जांच

मध्य प्रदेश में सामने आए मामलों ने पुलिस के सामने कई स्तरों पर जांच की जरूरत पैदा की है। इसमें कारोबारियों की जानकारी जुटाने वाले लोगों की पहचान, दूसरे राज्यों से शूटरों की कथित भर्ती, डिजिटल माध्यमों से धमकी देने वालों का पता लगाना और विदेश में बैठे संदिग्धों तक पहुंचना शामिल है। 31 आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद अब जांच का अहम सवाल यह है कि कथित नेटवर्क का संचालन कौन कर रहा था, अलग-अलग वारदातों के बीच क्या संबंध था और रंगदारी की रकम किस माध्यम से वसूली या हस्तांतरित की जाती थी। फिलहाल पुलिस की कार्रवाई और जांच के निष्कर्ष ही इस कथित नेटवर्क की वास्तविक सीमा स्पष्ट कर सकेंगे। विदेश में मौजूद बताए जा रहे संदिग्धों की गिरफ्तारी और मुंबई की घटना से संभावित संबंध की पुष्टि आगे की जांच पर निर्भर करेगी।

ई-फाइलिंग बढ़ी, ऑनलाइन फीस 88.78 करोड़ पहुंची

फिर भी हाई कोर्ट में 19,834 मामले और बढ़े

भोपाल। अदालतों में फाइलों की जगह डिजिटल दस्तावेज ले रहे हैं, फीस जमा करने के लिए ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध है और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई का रास्ता भी खुला है। इसके बावजूद मुकदमों के निपटारे की रफ्तार लंबित मामलों के बोझ को कम नहीं कर पा रही। मध्य प्रदेश में न्यायिक व्यवस्था के डिजिटल बदलाव की तस्वीर यही सवाल खड़ा करती है कि तकनीक से प्रक्रिया तो आसान हो रही है, लेकिन क्या आम आदमी को समय पर न्याय भी मिल रहा है? मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की जनवरी से जून 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, इस अवधि में हाई कोर्ट में 63,376 प्रकरण ई-फाइलिंग के माध्यम से दाखिल हुए। प्रदेश के हाई कोर्ट, जिला, तहसील और परिवार न्यायालयों में ऑनलाइन कोर्ट फीस के रूप में 88.78 करोड़ रुपये जमा किए गए। इसके बावजूद छह महीने में हाई कोर्ट और जिला अदालतों, दोनों में लंबित मामलों की संख्या बढ़ गई।

हाई कोर्ट में छह महीने में 19,834 केस का इजाफा

रिपोर्ट के मुताबिक, एक जनवरी 2025 को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में 4,64,092 मामले लंबित थे। जनवरी से जून के बीच 87,475 नए प्रकरण दर्ज हुए, जबकि 67,641 मामलों का निराकरण किया गया। नए मामलों की संख्या निपटाए गए मामलों से 19,834 अधिक रही। नतीजतन, 30 जून 2025 तक लंबित मामलों की संख्या बढ़कर 4,83,926 हो गई। इस अवधि में निस्तारण अनुपात 77.32 प्रतिशत रहा। यानी नए मामलों के मुकाबले कम प्रकरणों का निराकरण हुआ और लंबित मामलों का आंकड़ा बढ़ गया। इससे साफ है कि ई-फाइलिंग से दाखिला आसान होने के बावजूद मामलों के अंतिम निपटारे की चुनौती बनी हुई है।

जिला अदालतों में भी नहीं घटा लंबित मामलों का बोझ

अधीनस्थ न्यायपालिका के आंकड़े भी इसी स्थिति की ओर इशारा करते हैं। जनवरी से जून 2025 के दौरान जिला अदालतों में 9,61,734 नए प्रकरण दर्ज किए गए, जबकि 9,38,393 मामलों का निराकरण हुआ। इस तरह नए मामलों की तुलना में 23,341 कम प्रकरण निपटाए गए। एक जनवरी 2025 को जिला अदालतों में 20,52,363 मामले लंबित थे। छह महीने बाद यह संख्या बढ़कर 20,75,704 हो गई। यहां निस्तारण अनुपात 97.57 प्रतिशत रहा, फिर भी नए मामलों की संख्या निपटाए गए प्रकरणों से अधिक होने के कारण लंबित मामलों में कमी नहीं आई। ये आंकड़े बताते हैं कि निस्तारण की बड़ी संख्या भी तब पर्याप्त साबित नहीं होती, जब नए मुकदमे उससे अधिक गति से न्यायिक व्यवस्था में प्रवेश कर रहे हों। लंबित मामलों को घटाने के लिए दाखिले और निस्तारण के बीच संतुलन बनाना जरूरी है।

63 हजार ई-फाइलिंग, लेकिन असली कसौटी अलग

हाई कोर्ट में ई-फाइलिंग शुरू होने से 30 जून 2025 तक कुल 1,88,130 प्रकरण ऑनलाइन दाखिल किए जा चुके थे। इनमें 63,376 मामले जनवरी से जून 2025 के बीच दर्ज हुए। इसी अवधि में जिला अदालतों में ई-फाइलिंग 3.0 के माध्यम से 3,159 प्रकरण दाखिल किए गए। ऑनलाइन फीस भुगतान और डिजिटल दस्तावेजों से कागजी प्रक्रिया, भौतिक आवागमन तथा भुगतान में लगने वाला समय कम करने की संभावना है। प्रकरण की स्थिति ऑनलाइन उपलब्ध होने से पक्षकारों और वकीलों को जानकारी जुटाने में भी सुविधा मिल सकती है। लेकिन ई-फाइलिंग केवल मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया को डिजिटल बनाती है। इससे सुनवाई के लिए उपलब्ध न्यायिक समय, गवाहों की उपस्थिति, बार-बार होने वाले स्थगन और अंतिम फैसले तक पहुंचने में लगने वाला समय अपने आप नहीं घटता। इसलिए डिजिटल सुविधाओं के आंकड़ों के साथ उनके वास्तविक परिणामों का आकलन भी जरूरी है।

तकनीक का लाभ हर पक्षकार तक पहुंचाना चुनौती

डिजिटल न्याय व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए यह भी देखना होगा कि ग्रामीण क्षेत्रों, बुजुर्गों, दिव्यांगों और तकनीकी संसाधनों से वंचित लोगों को इन सुविधाओं का कितना लाभ मिल रहा है। इंटरनेट की उपलब्धता, दस्तावेजों को डिजिटल रूप में तैयार करने की जानकारी और ऑनलाइन प्रक्रिया समझने में कठिनाई कुछ पक्षकारों के लिए बाधा बन सकती है। ऐसे में डिजिटल सुविधाओं के साथ सहायता केंद्र, तकनीकी मार्गदर्शन और जरूरतमंद पक्षकारों के लिए वैकल्पिक सहायता की व्यवस्था भी महत्वपूर्ण है। तकनीक का उद्देश्य केवल अदालतों का कामकाज ऑनलाइन करना नहीं, बल्कि न्याय तक पहुंच को आसान बनाना होना चाहिए।

मुकदमे की अवधि और खर्च का भी हो आकलन

न्यायिक व्यवस्था में डिजिटल बदलाव का वास्तविक असर जानने के लिए यह देखना उपयोगी होगा कि किसी मुकदमे में दाखिले से अंतिम फैसले तक कितना समय लगा, कितनी बार सुनवाई स्थगित हुई और पक्षकारों को कितनी बार अदालत पहुंचना पड़ा। इसके साथ यात्रा, दस्तावेज तैयार करने और अन्य जरूरी प्रक्रियाओं पर हुए खर्च का आकलन भी किया जा सकता है। ऐसे विश्लेषण से पता चलेगा कि किन चरणों में डिजिटल सुविधाओं ने समय और संसाधनों की बचत की और कहां प्रक्रिया अब भी धीमी है। इससे तकनीक के विस्तार और न्यायिक संसाधनों के बेहतर उपयोग की दिशा तय करने में मदद मिल सकती है। डिजिटल न्याय की असली सफलता लंबित मामलों के आंकड़ों और आम आदमी के अनुभव, दोनों में दिखनी चाहिए। ऑनलाइन फाइलिंग और फीस भुगतान जरूरी बदलाव हैं, लेकिन न्याय व्यवस्था की अंतिम कसौटी समय पर सुनवाई, मुकदमों का प्रभावी निपटारा और पक्षकारों के समय व खर्च में वास्तविक कमी ही है।

विधानसभा में अब छोटे और सटीक होंगे प्रश्न

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा की कार्यवाही अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए ज्यादा स्मार्ट और तकनीक आधारित बनाने की तैयारी है। विधायकों के लंबे और उलझे हुए सवालों को एआई की मदद से छोटा, स्पष्ट और व्यवस्थित किया जा सकेगा। इसके लिए विधानसभा में एआई तकनीक का डेमो भी दिया गया। इसमें बताया गया कि प्रश्नावली में आने वाले बड़े सवालों को किस तरह मूल आशय बरकरार रखते हुए संक्षिप्त किया जा सकता है। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने बुधवार को विधानसभा परिसर में नेचा और एनआईसीएसआई के अधिकारियों के साथ बैठक कर सदन की कार्यप्रणाली में तकनीक के इस्तेमाल की संभावनाओं पर चर्चा की। बैठक का मुख्य फोकस विधानसभा की विभिन्न प्रक्रियाओं को डिजिटल, सरल और प्रभावी बनाना रहा। विधानसभा में विधायकों की ओर से पूछे जाने वाले कई सवाल काफी लंबे और विस्तृत होते हैं। इनमें कई बार एक ही प्रश्न में अलग-अलग जानकारियां मांगी जाती हैं। ऐसे सवालों को पढ़ने, समझने और संबंधित विभागों तक भेजने में समय लगता है। एआई के इस्तेमाल से इन प्रश्नों को संक्षिप्त और व्यवस्थित करने में मदद मिल सकती है। अधिकारियों के सामने इसका व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया। हालांकि, प्रश्नों का मूल आशय और विधायक द्वारा मांगी गई जानकारी बरकरार रखना इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण होगा। एआई के उपयोग से प्रश्नों की भाषा और प्रस्तुति बेहतर बनाने के साथ विधानसभा सचिवालय के कामकाज का बोझ भी कम हो सकता है। बैठक में नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) के संचालन के दौरान सामने आ रही व्यावहारिक समस्याओं और तकनीकी चुनौतियों को भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने इनके समाधान के संभावित विकल्पों पर चर्चा की। नेवा के माध्यम से विधानसभा की कार्यवाही और दस्तावेजों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था विकसित की जा रही है।

आंचलिक छत्तीसगढ़ी प्रोग्राम
चुनमुनिया
आकर्षक झाँकियों के साथ
गायक - दामाद बाबू
राजनांदगांव के द्वारा प्रस्तुत
7440787959
8085493332

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट एक्सप्रेस सिटी न्यूज

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

ग्राम गर्रा में राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन का भव्य नागरिक अभिनंदन, प्रतिभाओं को किया सम्मानित

एमपीपीएससी में चयनित अभ्यर्थियों को राज्यपाल ने प्रदान किए प्रशस्ति पत्र, पंवार समाज सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का भी हुआ सम्मान



पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्राम पंचायत गर्रा में नागरिक अभिनंदन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में उत्तराखंड के राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। गर्रा पहुंचे राज्यपाल का विशाल बिसेन एवं सामाजिक बंधुओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। राज्यपाल डॉ. बिसेन लगभग दोपहर 1 बजे गर्रा पहुंचे, जहां उनके आगमन को लेकर पहले से ही व्यापक तैयारियां की गई थीं। स्वागत के बाद उन्होंने ग्राम पंचायत परिसर में हाल ही में लोकार्पित भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी ई-लाइब्रेरी का निरीक्षण एवं अवलोकन किया। इसके बाद उन्हें एनसीसी कैडेट्स द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और वे समारोह स्थल पर पहुंचे। दोपहर करीब 1:30 बजे मंचीय कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान के गायन के साथ की गई। इसके बाद राज्यपाल का नागरिक अभिनंदन किया गया। समारोह में पंवार समाज के सामाजिक बंधुओं के साथ शिक्षा और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। वहीं मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) में हाल ही में चयनित अभ्यर्थियों को राज्यपाल डॉ. बिसेन के हाथों प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान चयनित युवाओं की उपलब्धियों को सराहते हुए उनकी प्रतिभा और मेहनत को सम्मान दिया गया। इस पूरे आयोजन की रूपरेखा पंवार समाज के जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन द्वारा तैयार की गई थी। उन्होंने बताया कि समाज के गौरव डॉ. ढाल सिंह बिसेन के उत्तराखंड का राज्यपाल बनने के बाद गर्रा में उनका नागरिक अभिनंदन करने का विचार पहले से ही था। इसी उद्देश्य से सामाजिक बंधुओं के सहयोग से समारोह आयोजित किया गया। साथ ही एमपीपीएससी में चयनित युवाओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन करना भी कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य रहा, ताकि समाज के अन्य युवाओं को भी शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल सके। समारोह में ग्राम पंचायत गर्रा सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि, स्वयंसेवी संस्थाओं के सदस्य और राज्यपाल के परिचितजन पहुंचे। राज्यपाल से मुलाकात और उनके साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए भी लोगों में उत्सुकता दिखाई दी। कार्यक्रम के दौरान फोटो सेशन के समय एक व्यक्ति ने राज्यपाल से सीधे मिलने के लिए आगे बढ़ने का प्रयास किया, लेकिन सुरक्षा में तैनात कर्मियों ने प्रोटोकॉल के तहत उसे रोक दिया। अचानक हुई इस स्थिति को लेकर कुछ देर चर्चा रही। बताया गया कि व्यक्ति के अचानक आगे बढ़ने पर सुरक्षा कर्मियों ने एहतियातन उसे रोका, ताकि राज्यपाल की सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित न हो। राज्यपाल के आगमन को देखते हुए पुलिस विभाग ने भी सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए थे। गर्रा मार्ग सहित कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा। यातायात पुलिस ने भी आवागमन को व्यवस्थित बनाए रखने के लिए मोर्चा संभाला। पूरे कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल के निर्धारित प्रोटोकॉल और सुरक्षा मानकों का पालन कराया गया। गृहग्राम में आयोजित इस समारोह के माध्यम से जहां डॉ. बिसेन का नागरिक अभिनंदन किया गया, वहीं विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाली प्रतिभाओं को मंच देकर सम्मानित किया गया।

बंगाली समाज ने किया मां काली प्रतिमा का विसर्जन

नगर में निकाली शोभायात्रा, बैंड बाजे की धुन पर थिरके श्राद्धालू
दीपावली में विराजित की गई थी प्रतिमा, 63 वर्षो से चली आ रही परम्परा का किया निर्वाह



पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्षों से चली आ रही परंपरा का निर्वहन करते हुए प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी दीपावली पर्व पर बंगाली समाज द्वारा मां काली की मनोहर प्रतिमा की स्थापना की गई थी नगर मुख्यालय में स्थापित की गई इस प्रतिमा का बुधवार शाम को भक्ति भाव के साथ विसर्जन किया गया जहा प्रतिमा स्थापना के तीसरे दिन 11 नवंबर बुधवार को देर शाम विसर्जन शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में बंगाली समाज के बच्चे, युवा, महिलाएं, पुरूष और बुजुर्ग मौजूद रहे। नगर के अग्रणी महाविद्यालय पीजी कॉलेज के बाजू से मां काली प्रतिमा की विसर्जन शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान मां को भक्तों ने विदाई दी।

नगर में 63 वर्षों से चली आ रही यह परंपरा

आपको बताएं कि बंगाली संस्कृति और परंपरानुसार, विगत 63 वर्षों से मुख्यालय में निवासरत बंगाली समाज हर वर्ष दीपावली पर मां काली की प्रतिमा की स्थापना करता है और तीन दिनों तक उसकी भक्तिभाव से पूजा अर्चना करने के बाद उसका विसर्जन, भक्तिभाव के साथ किया जाता है। जिले में मां दुर्गा पूजा के बाद बंगाली समाज द्वारा मां काली की स्थापना की जाती है। मुख्यालय में निवासरत बंगाली समाज अपनी संस्कृति और परंपरा का निर्वहन करते हुए साल में दो बार, दुर्गा पूजा और दीपावली पर मां काली की पूजा करते हैं। दीपावली पर बंगाल में खूबद रूप से मां की प्रतिमा स्थापना की जाती है और उसका पूजन किया जाता है। उसी तर्ज पर बंगाली समाज द्वारा दीपावली पर्व पर मां काली की प्रतिमा की स्थापना कर विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। जिसके उपरांत बुधवार को सिंदूर खेला के बाद भक्ति भाव के साथ नगर में विसर्जन शोभा यात्रा निकाली गई। जहां बैंड बाजे की धुन पर श्रद्धालु भक्त भक्ति गानों में झूमते नाचते नजर आए। और उन्होंने मां काली की प्रतिमा का भक्ति भाव के साथ विसर्जन किया।

पत्नी से नाराजगी में पानी की टंकी पर चढ़ा युवक

हाथ में बीयर की बोतल लेकर करता रहा हाईवोल्टेज ड्रामा, नया बस स्टैंड बिरसा में युवक की हरकत ने दिलाई फिल्म शोले की याद, टंकी पर चढ़े युवक को देखने उमड़ी भीड़, पुलिस की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। फिल्म शोले का वह चर्चित दृश्य शायद शायद आपको याद ही होंगा, जिसमें बस्ती को पाने के लिए वीरू पानी की टंकी पर चढ़कर हंगामा मचाता है। कुछ ऐसा ही नजारा बुधवार को बिरसा के नया बस स्टैंड में देखने को मिला। यहां एक युवक पत्नी से नाराजगी के चलते पानी की टंकी पर चढ़ गया। युवक के हाथ में बीयर की बोतल थी और वह टंकी के ऊपर से आवाज लगाकर लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा था। अचानक सार्वजनिक स्थान पर हुए इस घटनाक्रम को देखकर लोगों को फिल्म शोले के वीरू की याद आ गई। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और बस स्टैंड में अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। युवक की ऊंचाई पर मौजूदगी और उसकी हरकतों को देखते हुए लोगों को किसी अनहोनी का डर सताने लगा। हालांकि, बिरसा पुलिस ने समय रहते मोर्चा संभालते हुए सूझबूझ और सतर्कता के साथ युवक का सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। पुलिस की तत्परता से एक संभावित बड़ा हादसा टल गया।

बीयर की बोतल लेकर टंकी पर चढ़ा, लोगों की लगी भीड़

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को बिरसा थाना क्षेत्र के नया बस स्टैंड में उस समय अपनी संस्कृति और परंपरा का निर्वहन करते हुए साल में दो बार, दुर्गा पूजा और दीपावली पर मां काली की पूजा करते हैं। दीपावली पर बंगाल में खूबद रूप से मां की प्रतिमा स्थापना की जाती है और उसका पूजन किया जाता है। उसी तर्ज पर बंगाली समाज द्वारा दीपावली पर्व पर मां काली की प्रतिमा की स्थापना कर विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। जिसके उपरांत बुधवार को सिंदूर खेला के बाद भक्ति भाव के साथ नगर में विसर्जन शोभा यात्रा निकाली गई। जहां बैंड बाजे की धुन पर श्रद्धालु भक्त भक्ति गानों में झूमते नाचते नजर आए। और उन्होंने मां काली की प्रतिमा का भक्ति भाव के साथ विसर्जन किया।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची बिरसा पुलिस

घटना की जानकारी स्थानीय लोगों और सहयोगी दस्ता के सदस्यों ने तत्काल बिरसा थाना प्रभारी विजय केन को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी के मार्गदर्शन में पुलिस टीम बिना देर किए नया बस स्टैंड पहुंची। पुलिस जवानों ने मौके की गंभीरता को समझते हुए जल्दबाजी के बजाय धैर्य और सूझबूझ से युवक को सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पुलिस ने उसे समझाने और सुरक्षित नीचे उतारने की रणनीति अपनाई। काफी सतर्कता के बाद पुलिस टीम युवक को पानी की टंकी से सुरक्षित नीचे उतारने में सफल रही। इसके साथ ही मौके पर मौजूद लोगों ने भी राहत की सांस ली। यदि पुलिस समय पर नहीं पहुंचती तो युवक के साथ कोई गंभीर दुर्घटना घटित हो सकती थी।



पूछताछ में पत्नी से नाराजगी की बताई बात

उधर युवक को सुरक्षित नीचे उतारने के बाद पुलिस उसे बिरसा थाना लेकर पहुंची, जहां उससे घटनाक्रम के संबंध में पूछताछ की गई। थाना से मिली जानकारी के अनुसार युवक ने अपनी पत्नी से नाराजगी के चलते पानी की टंकी पर चढ़ने की बात बताई। प्रारंभिक तौर पर इस पूरे घटनाक्रम के पीछे पारिवारिक विवाद सामने आया है। पुलिस ने युवक के परिजनों को थाने बुलाया और उन्हें स्थिति से अवगत कराया। इसके बाद युवक को समझाइश दी गई वही आवश्यक कार्रवाई के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

पुलिस की तत्परता से टला बड़ा हादसा

इस पूरे घटनाक्रम में बिरसा थाना प्रभारी विजय केन के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने जिम्मेदारी और सूझबूझ का परिचय दिया। रेस्क्यू अभियान में आरक्षक सूरज गुर्जर, आरक्षक राजकुमार पटले, एसएसबू राजेंद्र उइके, हेड कांस्टेबल चन्द्र कुमार ठाकरिया एवं सेवकराम धुर्वे की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिसकर्मियों ने समय रहते मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और युवक को सुरक्षित नीचे उतारकर उसके परिजनों के सुपुर्द किया। नया बस स्टैंड जैसे सार्वजनिक स्थान पर हुई इस घटना ने कुछ समय के लिए लोगों की सांसें अटका दी थीं। एक ओर टंकी पर चढ़ा युवक अपनी हरकतों से लोगों का ध्यान खींच रहा था, वहीं दूसरी ओर नीचे खड़े लोग उसकी सुरक्षा को लेकर चिंतित थे। फिल्म शोले के वीरू की याद दिलाने वाला यह घटनाक्रम भले ही लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया, लेकिन इसके पीछे संभावित खतरा काफी गंभीर था। स्थानीय लोगों की जागरूकता और बिरसा पुलिस की त्वरित कार्रवाई से युवक को सुरक्षित बचा लिया गया। इस कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

तिथियों के फेर में दो दिन मनाई गई गाय खिलावन की रस्म, गांव-गांव शुरू हुई मंडई की धूम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बीते वर्ष की तरह इस वर्ष भी जिले में परंपरागत गाय खिलावन की रस्म दो दिनों तक अलग-अलग तिथियों में अदा की गई। इस बार तिथियों में बदलाव के चलते बालाघाट मुख्यालय सहित आसपास के गांवों में 10 नवंबर को गोवर्धन पूजा के साथ गाय खिलावन की रस्म निभाई गई, वहीं लालबर्रा, चांगोटोला सहित कुछ अन्य ग्रामीण क्षेत्रों के अलग अलग गाँव में 11 नवंबर को गोवर्धन पूजा के साथ इस परंपरा का निर्वहन किया गया। तिथियों के अंतर का असर मंडई आयोजनों पर भी दिखाई दिया और जिले के अलग-अलग स्थानों पर 10 एवं 11 नवंबर को मंडई का आयोजन किया गया। ग्रामीण अंचलों में गाय खिलावन की रस्म को परंपरा और आस्था के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर गोवर्धन पूजा के बाद ग्रामीण परिवार अपनी परंपराओं के अनुसार गाय खिलावन की रस्म अदा करते हैं। इस वर्ष भी बालाघाट मुख्यालय और आसपास के गांवों में 10 नवंबर को आयोजन हुए, जबकि कुछ क्षेत्रों में स्थानीय तिथि के अनुसार 11 नवंबर को पूजा और रस्म पूरी की गई। इस कारण जिले में पर्व का उत्साह लगातार दो दिनों तक बना रहा। वहीं 10 नवंबर को कई स्थानों पर गाय खिलावन की रस्म के साथ प्रथम मंडई का भी आयोजन किया गया। तिथियों में बदलाव के चलते इस बार अलग-अलग गांवों में मंडई की तारीखें भी अलग रहीं। 10 और 11 नवंबर को विभिन्न स्थानों पर मंडई आयोजित होने से ग्रामीण क्षेत्रों में उत्सव का माहौल देखने को मिला। इन आयोजनों में आसपास के गांवों से भी लोगों की भागीदारी रही। गाय खिलावन की रस्म पूरी होने के साथ ही अब जिले के अलग-अलग ग्रामीण क्षेत्रों में मंडई का सिलसिला शुरू हो गया है। मंडई के दौरान रात्रि जागरण के कार्यक्रम भी धूमधाम से आयोजित किए जा रहे हैं। ग्रामीण अंचलों में रातभर चलने वाले इन आयोजनों के माध्यम से पारंपरिक धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों की रौनक लौट आई है। आने वाले दिनों में भी जिले के विभिन्न गांवों में मंडई और रात्रि जागरण के आयोजन जारी रहेंगे।



नक्सल प्रभावित रहे सात गांवों में बनेंगे उप स्वास्थ्य केंद्रों के नए भवन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नक्सलवाद से मुक्त होने के बाद बालाघाट जिले के पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की नई इबारत लिखने के प्रयास तेज हो गए हैं। इन क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा जिले के सात गांवों में उप स्वास्थ्य केंद्रों के भवन निर्माण के लिए 4 करोड़ 55 लाख रुपये की राशि स्वीकृत कर प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत राशि से बिरसा विकासखंड के ग्राम कुंडेकसा, अढोरी, लालपुर, कोरका एवं कोदापार तथा बैहर विकासखंड के ग्राम नक्टी (लातरी) एवं बम्हनी में उप स्वास्थ्य केंद्रों के नए भवन बनाए जाएंगे। प्रत्येक भवन के निर्माण के लिए 65 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इन उप स्वास्थ्य केंद्रों के भवनों में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आवश्यक सुविधाओं के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) के लिए आवास भी बनाया जाएगा। इसके अलावा सेनेटरी फिटिंग, विद्युतीकरण, नलकूप तथा बाउंड्रीवॉल का निर्माण भी किया जाएगा, ताकि स्वास्थ्य केंद्रों में बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। इन सात गांवों में उप स्वास्थ्य केंद्रों के नए भवन बनने से स्थानीय ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतर लाभ मिल सकेगा। विशेष रूप से दूरस्थ वनांचल और आदिवासी बहुल क्षेत्रों के लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। स्वास्थ्य केंद्रों की आधारभूत संरचना मजबूत होने से नियमित स्वास्थ्य जांच, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, टीकाकरण तथा अन्य प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि नक्सलवाद से मुक्ति के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर बालाघाट जिले के पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इन क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका से जुड़ी सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सात गांवों में उप स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण की स्वीकृति भी इसी विकास अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी है। इन प्रयासों से उम्मीद है कि कभी नक्सलवाद की चुनौतियों से प्रभावित रहे वनांचल के गांवों में अब बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध होंगी और ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार आएगा।

आस-पास की खबरें

मोहगांव (बोरी) में विशाल ओपन डांस प्रतियोगिता आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत मोहगांव (बोरी) में दीपोत्सव के पावन अवसर पर 12 नवंबर को दिन-रात की मंडई का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए सार्वजनिक मंडई उत्सव समिति द्वारा नील गगन स्टेडियम में रात 8 बजे से विशाल एकल, युगल एवं ग्रुप ओपन डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के अध्यक्ष रामहर्षित सोलंकी ने बताया कि 12 नवंबर को दिन-रात की मंडई के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए, विशाल ओपन डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें ग्रुप डांस के लिए प्रवेश शुल्क 501 रूपये निर्धारित किया गया है। साथ ही प्रथम पुरस्कार 21,001 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 11,001 रूपये, तृतीय पुरस्कार 7001 रूपये प्रदान किया जायेगा। वही एकल एवं युगल डांस प्रतियोगिता के लिए प्रवेश शुल्क 201 रूपये रखा गया है और प्रथम पुरस्कार 6001 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 3001 रूपये एवं तृतीय पुरस्कार 1501 रूपये निर्धारित किया गया है। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा एवं कला का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। आगे बताया कि उक्त कार्यक्रम पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, समाजसेवी अनुराग चतुर्मोहता, जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे के मुख्य आतिथ्य, क्षेत्रीय जनपद सदस्या श्रीमती पूजा दीपक चौधरी की अध्यक्षता एवं वारासिवनी नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज दांदरे, समाजसेवी संकेत सिंह चौधरी, जनपद सदस्य देवेश गौतम, युवा नेता श्रेजल सोनी, स्वाप्निल बिसेन, रंजीत गोयल, पूर्व जनपद सदस्य दीपक चौधरी, मोहगांव उपसरपंच विनोद पटले, बोरी सरपंच प्रतिनिधि प्रेमसुंदर बारमाटे एवं विजय बोपचे के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील समिति अध्यक्ष रामहर्षित सोलंकी, उपाध्यक्ष ओमकार मेश्राम, सचिव इंकुल गोयल, सहसचिव सावन सोनवानी, कोषाध्यक्ष विनय कुराहा, संरक्षक मोहन ब्रम्हे, स्थाई पटेल, पूर्व सरपंच मोहन मानवटकर, गणेश कावरे, डॉ. स्वेलमन बाहेश्वर, बलराम बाहेश्वर, मोहन कनौजे, कस्तूर बारेकर, लक्केश बाहेश्वर, दशरथ काथरे सहित अन्य सदस्य एवं ग्रामीणजनों ने की है।

आज खमरिया में सजेगी शायरी की महफिल

पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खमरिया के देवी मोहल्ला में 12 नवंबर को दिन-रात की मंडई का आयोजन किया गया है। चर्चा में मंडई-मेला समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 12 नवंबर को दिन-रात की मंडई का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से महिला-पुरूष शायरी का आयोजन किया गया है। जिसमें श्यामलाल बिसेन ग्राम कुकड़ा (गुड़क) परसवाड़ा एवं श्रीमती जयंति भास्कर लिंगा (परसवाड़ा) के गायक-गायिका अपने साथी कलाकारों के साथ मिलकर सुमधुर स्वरों में शायरी की प्रस्तुती देगें। इस तरह से आज खमरिया में सजेगी शायरी की महफिल। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील मंडई-मेला समिति के पदाधिकारियों ने की है।

लालबर्रा में दूसरे दिन पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई गाय खिलावन की रस्म





नौनिहालों को सुपे में लिटाकर भगवान गोवर्धन का दिलवाया गया आशीर्वाद

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय लालबर्रा में दीपावली पर्व के उल्लास के बीच परंपरा और आस्था का अनूठा नजारा देखने को मिला। पर्व के छठवें दिन 11 नवंबर को दोपहर 1 बजे शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा के सामने स्थित आखर चौक में पारंपरिक 'गाय खिलावन' की रस्म पूरी श्रध्दा और उत्साह के साथ अदा की गई। इस दौरान पूरा क्षेत्र पारंपरिक गीतों, नगाड़ों की थाप और गोवर्धन महाराज के जयकारों से गूंज उठा। इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन के तहत अहीर एवं गोवारी समाज के द्वारा स्थानीय पटेल, वृहत्लाकार सेवा सहकारी समिति लालबर्रा के पूर्व अध्यक्ष अनिल 'बब्बी' शर्मा, पांडरवानी सरपंच अनीस खान, शिवचरण माले सहित क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों को उनके निवास से आदरपूर्वक गाजे-बाजे के साथ आखर चौक तक लाया गया। जिसके पश्चात चौक पर समस्त ग्रामीण एवं कृषक अपने-अपने चौपाए पशुओं के साथ एकत्रित हुए। यहां विधि-विधान से 'खिल्या मुठिया देव' का पूजन-अर्चन किया गया और पारंपरिक नियमों के अनुसार आखर बांधा गया। इस दौरान अहीर और गोवारी समाज के बंधुओं ने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत करते हुए विभिन्न व्यंजनों से तैयार भोग गौमाता को अर्पित किया। जिसके पश्चात गाय के बछड़े को खिचड़ी खिलाई गई और उसे सूपे में लिटाकर 'गाय खिलावन' की रस्म निभाई गई।

नौनिहालों को सूपे में लिटाकर लिया आशीर्वाद

गाय खिलावन की रस्म पूरी होने के बाद परंपरा का निर्वहन करते हुए ग्राम के छोटे-छोटे नौनिहालों (बच्चों) को उसी सूपे में लिटाया गया और उनके माथे पर गोबर का तिलक लगाकर भगवान गोवर्धन का आशीर्वाद दिलाया गया। वहीं उपस्थितजनों ने भी एक-दूसरे को गोबर का तिलक लगाकर दीपावली की बधाइयां दीं। इसके बाद मवेशियों को सूपे के ऊपर से दौड़ाने की पारंपरिक रस्म पूरी की गई। इस दौरान अहीर और गोवारा बंधुओं द्वारा रूंझा व नगाड़े की धुन पर जमकर नृत्य भी किया गया। चर्चा में यादव समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दीपोत्सव के लक्ष्मी पूजन के दिन से ही देव जगाने और डार बांधने जैसे कार्यक्रम प्रारंभ हो जाते हैं। दीपावली के छठवें दिन आखर चौक लालबर्रा में गाय खिलावन की रस्म अहीर, गोवारा और बिंझवार समाज के स्वजातीय बंधु-बांधुओं के सहयोग से संपन्न होती है। इस अवसर पर ग्राम के कृषक बंधु अपने-अपने पशुओं को लेकर आखर चौक पहुंचे जहां अहीर, गोवारा, बिंझवार समाज के स्वजातीय बंधु द्वारा खिल्या मुठिया देव की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर गाय के बछड़े को खिचड़ी खिलाकर सूपे में लिटाकर गाय खिलावन की रस्म अदा की गई तत्पश्चात नौनिहाल बच्चों को सूपे में लिटाकर गोवर्धन भगवान का आशीर्वाद दिलवाया गया। वहीं वृहत्लाकार सेवा सहकारी समिति लालबर्रा के पूर्व अध्यक्ष, स्थाई पटेल अनिल शर्मा ने गोवर्धन पूजा और इस परंपरा के पौराणिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इंद्रदेव के कोप से रक्षा करने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर उठाया था। तभी से हिंदू धर्मावलंबी गोवर्धन पूजा और गाय खिलाने की रस्म निभाते आ रहे हैं। इसी कड़ी में लालबर्रा के आखर चौक में यादव समाज द्वारा यह परंपरा श्रध्दापूर्वक निभाई गई। पांडरवानी सरपंच अनीस खान ने सभी क्षेत्रवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मंडई के अवसर पर लालबर्रा में यह प्राचीन रस्म श्रध्दा के साथ संपन्न हुई, जिसमें सभी ग्रामीणों ने अपने मवेशियों के साथ भाग लिया। उन्होंने ईश्वर से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृध्दि की कामना की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, अहिर, बिंझवार, गोवारे समाज के स्वजातीय सहित ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बघोली में 'लोक स्वरांजलि' पारम्परिक लोक कला मंच (छत्तीसगढ़ी) कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत बघोली में तीसरी मंडई उत्सव के अवसर पर 12 नवंबर को रात 9 बजे से छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की सुप्रसिध्द लोक



कला मंच 'स्वरांजलि' सिहावा नगरी, धमतरी का छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस तीसरे मंडई उत्सव में छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की अद्भुत छटा देखने को मिलेगी, जिसके तहत सुप्रसिध्द लोक कला मंच 'स्वरांजलि' (सिहावा नगरी, धमतरी) का विशेष कार्यक्रम प्रस्तुत किया जायेगा। आपकों बता दे कि ग्राम बघोली में विगत 30 वर्षों से छत्तीसगढ़ अंचल के सुप्रसिध्द और पारंपरिक अनेकानेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां निरंतर आयोजित की जाती रही हैं। ग्रामीण संस्कृति और लोक कलाओं के संरक्षण की यह परंपरा इस क्षेत्र की एक खास पहचान बन चुकी है, जिसे देखने के लिए दूर-दूर से दर्शक पहुंचते हैं। चर्चा में आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी कमलेश खरोले ने बताया कि बघोली में दिन-रात की मंडई के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए 12 नवंबर को रात 9 बजे से छत्तीसगढ़ी पारंपरिक लोकनृत्य और संस्कृति के सुप्रसिध्द लोक कला मंच 'स्वरांजलि' सिहावा नगरी, धमतरी का छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। आयोजित कार्यक्रम के संचालक एवं कलाकार अपने पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कर्मा गीत, जस, सुवा, गौरा-गौरी, राउत नाचा, पंथी गीत और छत्तीसगढ़ी लोक नाटक की प्रस्तुति देंगे। वहीं कार्यक्रम के संचालक एवं कलाकार इसका निर्देशन हरीश सरकाम द्वारा किया जाता है। इसके प्रमुख गायकों और कलाकारों में राजेश पटेल, विजय साहू, यमुना बघ्घी, रिया दुबे, लोकेश्वरी यादव और मनोहर नेताम शामिल हैं जो अपने सुमधुर गीतों से पुरी रात समां बांधेंगे। इस अवसर पर जिलेवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील आयोजन समिति अध्यक्ष कन्हैयालाल धानेश्वर, उपाध्यक्ष जागेश्वर चौधरी, रूपचंद रहांगडाले, सचिव चैनलाल चौधरी, डॉ. दीपक पटले, कोषाध्यक्ष देवराम साहू (उपसरपंच), संरक्षक अरशद पापा पटेल (सरपंच) एवं समस्त पंचगण एवं ग्रामीणजनों ने की है।

बकोड़ा में दिन-रात की मंडई 13 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बकोड़ा में सार्वजनिक मंडई समिति के तत्वाधान में 13 नवंबर को दिन-रात की मंडई का आयोजन किया गया है। चर्चा में सार्वजनिक मंडई समिति अध्यक्ष श्रीनिवास कावरे ने बताया कि 13 नवंबर को दिन-रात की मंडई के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से जिला खैरागढ़ छुईखदान का सुमधे मया छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें गायक गौकरण नेताम, गायिका सुरेखा धुर्वे अपने साथी कलाकारों के साथ मिलकर सुमधुर स्वरों में छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुती देगें। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील समिति अध्यक्ष श्रीनिवास कावरे, सरपंच प्रतिनिधि श्रीराम कावरे ने की है।

बहनों ने उतारी भाइयों की आरती, दीर्घायु की कामना कर मांगा रक्षा का वचन





पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भाई-बहन के अटूट स्नेह का प्रतीक पावन पर्व 'भाई दूज' बुधवार को धार्मिक आस्था और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने विधि-विधान से भाइयों की आरती उतारकर उनका तिलक वंदन किया। वहीं भाइयों ने भी अपनी बहनों की रक्षा का संकल्प लिया। इस भाई-बहन के स्नेह का पर्व को लेकर सुबह से ही हिंदू धर्मावलंबियों में खासा उत्साह देखा गया। शुभ मुहूर्त में यमराज और यमुना की पूजा-अर्चना के बाद बहनों ने थाल सजाकर भाइयों का रोली और अक्षत से तिलक किया। इसके बाद भाइयों का मुंह मीठा करवाकर उनकी लंबी उम्र और उज्जवल भविष्य की कामना की गई। वहीं भाइयों ने भी अपनी बहनों को आकर्षक उपहार भेंट किये और अपनी बहनों की खुशी के लिए भगवान से प्रार्थना की। भाई-बहन के इस पावन और आत्मीय पर्व पर चारों ओर उल्लास का वातावरण देखने को मिला।

गोबर से बेरी बनाकर की गई पूजा

आपकों बता दे कि हिन्दू धर्मालिंबियों में भाई-बहन के स्नेह का पर्व भाईदूज की अलग ही महत्ता रहती है और इस दिन बहने भाई के माथे पर तिलक लगाकर सदैव खुश रहने का आशीर्वाद देती है। साथ ही मुंह मीठा करवाकर उसके दीर्घायु की कामना भी करती है। व्रतधारी महिला एवं बहनों ने बताया कि कार्तिक मास में दीपावली पर्व के तीसरे दिन भाई दूज का पर्व मनाया जाता है किन्तु इस वर्ष दीपावली पर्व के चौथे दिन बुधवार को हर्षोल्लास एवं धार्मिक आस्थाओं के साथ भाईदूज का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर बहनें भाइयों को तिलक लगाकर आरती उतार कर मिठाई खिलाकर भगवान से उनके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है। साथ ही यह भी मान्यता है कि जिसकी बहनों की शादी हो चुकी है ऐसे भाई अपनी बहनों के यहां जाकर यह त्यौहार मनाते हैं जिससे उनकी आयु लंबी होती है और यह एक बहुत पुरातन परंपरा है जो चली आ रही है। इस पर्व पर लोग गोबर से गाय, बैल, बेरी बनाकर पूजा अर्चना करते हैं। बेरी बनाकर उसे कुचला जाता है ऐसा करने से यहां मान्यता है कि भाइयों के ऊपर जो भी संकट होता है वह दूर हो जाता है। साथ ही भाई हमेशा खुश रहे, दुश्मनों से उनकी रक्षा हो इसलिए बहने भाईदूज के दिन व्रत रखती है एवं उनकी पूजा करने के बाद व्रत तोड़ती है और भगवान से अपने भाईयों की दीर्घायु की कामना करती हैं। साथ ही भाई भी अपने बहनों को उपहार भेंट कर उनकी हमेशा रक्षा करने का वचन देते है और यह भाईदूज का पर्व भाई-बहन के स्नेह का पर्व है जिसे सभी बहने हर्षोल्लास के साथ मनाती है।

माँ चंडी माई के दरबार में अर्पित की गई नई धान की बाली

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के सराफा बाजार स्थित माँ चंडी माई के दरबार में दीपावली के छठवें दिन आयोजित होने वाली पारंपरिक मंडई के पावन अवसर पर यादव समाज संगठन के तत्वाधान में 11 नवंबर को भव्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। इस दौरान समाज के बंधुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर माँ चंडी के चरणों में नई धान की बाली अर्पित की और क्षेत्र की खुशहाली, सुख, शांति एवं समृध्दि की कामना की। आपकों बता दे कि दीपावली पर्व के छठवें दिन 11 नवंबर को यादव समाज संगठन के द्वारा ग्राम रामजीटोला के स्थाई पटेल डॉ. रामप्रसाद पंचेश्वर, पुंजारी वसंत इट्टेवार एवं ग्राम के महाजनों के घर पहुंचकर उनका आदर-सत्कार किया गया। इसके बाद पारंपरिक ढोल-नगाड़ों की थाप और नाचते-गाते हुए उन्हें मुख्यालय के सराफा बाजार स्थित माँ चंडी माई के दरबार लेकर आये। इस आयोजन में लालबर्रा, पांडरवानी, रामजीटोला, पनबिहरी सहित आसपास के विभिन्न ग्रामों से आये यादव समाज के स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित हुए और माँ चंडी माई की विधि-विधान से पूजा अर्चन कर धरती माता की कोख से उपजी नई धान की पहली बाली माँ चंडी माई को समर्पित की गई, ताकि क्षेत्र में अन्न-धन के भंडार भरे रहें और किसानों की फसलें हमेशा लहलहाती रहें। जिसके बाद यादवों की टोली नृत्य गान करते हुए ग्राम के पटेल एवं महाजनों के साथ क्षेत्रीय पटेल वृहत्लाकार सेवा सहकारी समिति लालबर्रा के पूर्व अध्यक्ष अनिल (बब्बी) शर्मा के निवास पहुंचे जहां टोली के द्वारा दोहा, शैला, नृत्यगान किया। जिसके बाद यादवों की टोली मंडई विहावन का कार्य संपन्न कर अपनी-अपनी टोली के साथ ग्राम के पटेल, महानगों को लेकर वापस अपने ग्राम पहुंचे। इस दौरान पारंपरिक गीतों और नृत्यों ने मंडई पर्व के उल्लास को और अधिक बढ़ा दिया। यादव समाज संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि लालबर्रा मंडई के उपलक्ष्य में यादव समाज के द्वारा लालबर्रा, पांडरवानी, रामजीटोला, पनबिहरी सहित अन्य ग्राम के पटेल एवं महाजनों को लेकर माँ चंडी माई के दरबार में लेकर आये जहां विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई और धरती माता के कोख से जन्म धान की बाली को माँ चंडी माई को अर्पित कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की है। चर्चा में स्थाई पटेल, वृहत्लाकार सेवा सहकारी समिति लालबर्रा पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा ने बताया कि पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए आज माँ चंडी माई के दरबार में यादव समाज के द्वारा धान की बाली चढ़ाकर पूजा अर्चना की गई है। जिसके बाद ग्रामों के महाजन एवं स्थाई पटेल हमारे निवास पहुंचे और सभी ने एक दूसरे से मिलकर दीपावली पर्व की शुभकामनाएं देने के साथ ही लालबर्रा मंडई के विहावन के लिए चले गये। यादव समाज लालबर्रा अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि लालबर्रा मंडई के अवसर पर यादव समाज के द्वारा लालबर्रा, पांडरवानी, रामजीटोला, मानपुर, पनबिहरी, औल्पाकलां सहित अन्य ग्राम के स्थाई पटेल एवं महाजनों को लेकर माँ चंडी माई के दरबार में लेकर आये जहां विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई और धरती माता के कोख से जन्म धान की बाली को माँ चंडी माई को अर्पित कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की गई एवं धरती माता से प्रार्थना करते है कि धान की फसल की पैदावार अच्छी करवाये ताकि सभी को भोजन मिल सके। जिसके बाद सभी यादव समाज की टोली, स्थाई पटेल व महाजन वृहत्लाकार सेवा सहकारी समिति लालबर्रा पूर्व अध्यक्ष, क्षेत्रीय स्थाई पटेल अनिल (बब्बी) शर्मा के निवास पहुंचे जहां पूर्वजों से चली आ रही प्रथा का निर्वहन किया गया। अवसर पर यादव समाज के स्वजातीय बंधु, स्थाई पटेल एवं महाजन उपस्थित रहे।







मुरझड़ का तालाब बना परेशानी का सबब, गंदगी और बदबू से ग्रामीण हलाकान

पदमेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मुरझड़ के वार्ड क्रमांक ३ में स्थित छोटा तालाब अब आसपास निवासरत ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बनता जा रहा है। तालाब में लंबे समय से पानी की निकासी और स्वच्छ पानी के आवागमन की व्यवस्था बंद होने के कारण यहां गंदगी और बदबू का आलम बना हुआ है। स्थिति यह है कि तालाब का पानी उपयोग के लायक नहीं रह गया है। वहीं तालाब के आसपास फैली गंदगी और खुले स्थान पर जमा पानी होने के कारण दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। इस समस्या को लेकर ग्रामीण पिछले दो वर्षों से ग्राम पंचायत से तालाब के सौंदर्यीकरण साफ सफाई और पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी व्याप्त है।



पानी की निकासी बंद होने से बिगड़ी तालाब की स्थिति

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम में सौंदर्यीकरण और जल उपलब्धता के उद्देश्य से वार्ड क्रमांक ३ में इस छोटे तालाब का निर्माण कराया गया था। पूर्व में तालाब में नहर के माध्यम से पानी पहुंचता था और पानी की निकासी की भी उचित व्यवस्था थी। इसके चलते तालाब में जमा पानी खेतों की ओर निकल जाता था तथा प्रत्येक वर्ष नहर के पानी से तालाब में नया पानी भरता रहता था। इससे तालाब का पानी अपेक्षाकृत स्वच्छ बना रहता था और इसका उपयोग भी ग्रामीणों के लिए उपयोगी साबित होता था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से पानी की निकासी का रास्ता बंद होने के साथ ही नहर से स्वच्छ पानी आने की व्यवस्था भी बाधित हो गई है। वर्तमान में बारिश का पानी हो तालाब में जमा होता है जो ओवरफ्लो होने पर बाहर निकल जाता है ,जबकि शेष पानी लंबे समय तक तालाब में ही ठहरा रहता है। पानी के ठहराव के कारण धीरे धीरे तालाब में गंदगी बढ़ती जा रही है और उससे निकलने वाली दुर्गंध आसपास के रहवासियों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। तालाब में आसपास के लोगों द्वारा कचरा भी डाला जा रहा है जिससे इसकी स्थिति और खराब होती जा रही है। पानी दूषित होने के कारण मछलियाँ भी मरकर पानी की सतह पर आ जाती हैं और लंबे समय तक वहीं पड़ी रहने से दुर्गंध फैलती है। गर्मी के दिनों में जब तालाब का पानी सूखने लगता है तब स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। कीचड़, गंदगी और सड़न के कारण आसपास रहने वाले परिवारों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वर्तमान में तालाब में जमा पानी इतना दूषित हो चुका है कि इसका किसी भी प्रकार के घरेलू उपयोग में इस्तेमाल करना संभव नहीं रह गया है। यहां तक कि तालाब के आसपास रहने वाले लोगों को कपड़े धोने जैसे सामान्य कार्यों के लिए भी हैंडपंप के पानी पर निर्भर रहना पड़ रहा है। यदि तालाब की नियमित साफ सफ ई कराकर पानी के आवागमन और निकासी की व्यवस्था दोबारा शुरू कर दी जाए तो इसकी स्थिति में सुधार हो सकता है। इससे तालाब का उपयोग जल संरक्षण और भूजल स्तर बढ़ाने के साथ ही सिंचाई के स्रोत के रूप में भी किया जा सकेगा। ग्रामीणों ने पंचायत से मांग की है कि तालाब की वर्तमान स्थिति को देखते हुए इसका समुचित सौंदर्यीकरण कराया जाए।

तालाब का पानी गंदा होने से ग्रामीणों में आक्रोश है- रणजीत भलावी

ग्रामीण रणजीत भलावी ने बताया कि तालाब का पानी निकलने का पाइप यहां पर लगा हुआ है पर उसे बंद कर दिया गया है। आगे खेत वालों ने जिस कारण से तालाब में पूरा गंदा पानी है तीन चार वर्ष पहले या बंद हुआ था तब से समस्या है। पानी यहां पर जमा रहता है सड़कर बदबू करता है किसी काम का यह रह नहीं गया है कपड़े भी इसमें धुल नहीं सकते हैं। पंचायत को कहा गया है पर कोई ध्यान नहीं देता है हमारे यहां परेशानी बहुत है शादी के समय जब बारात आती है तो नाचने वालों का डर लगा रहता है। इसे साफ सुथरा कर नाली खुलवाना चाहिए और सफाई करना चाहिए ताकि पहले जैसा शुद्ध पानी इसमें आ सके और निकल सके।

तालाब में सबसे बड़ी समस्या गंदे पानी की है बारिश का पानी जमा होने से हो रही परेशानी-अमन पटले

ग्रामीण अमन पटले ने बताया कि तालाब में सबसे बड़ी समस्या गंदा पानी है इसमें बाहर का पानी नहीं आता है बारिश का जमा होता है ओवरफ्लो से जितना निकलता है बाकी यहीं पर एकत्रित रहता है। जिससे गंदगी और बढ़ती जा रही है उपयोग कुछ नहीं है आसपास के निवासरत लोग इसमें कचरा भी डालते हैं लड़के बच्चों का डर बना रहता है। गंदगी यहां सबसे बड़ी समस्या है २ वर्ष पहले साफ सफाई के नाम पर इसे खाली किया गया था फिर कुछ नहीं हुआ जैसा का वैसा फिर पानी जमा हो गया है। इस कारण से जल स्रोत प्रभावित हो रहे हैं हमारे यहां दो बोर हैं वह उपयोग लायक नहीं है। इसमें तो पहले कचरा यहां से साफ सफ ई करें और पानी निकासी की व्यवस्था बनाए तो ही कुछ हो सकता है।

भेंडारा में बिरसा मुण्डा जयंती समारोह का आयोजन १७ नवंबर को

पदमेश न्यूज। वारासिवनी। ग्राम भेण्डारा में अमर शहीद महान क्रांतिकारी धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा जयंती समारोह का आयोजन १७ नवबंर दिन मंगलवार को किया जा रहा है। बिरसा मुंडा उत्सव कार्यक्रम में १० बजे प्रभात फेरी, कलश यात्रा, बड़ा देव पूजा एवं ध्वजारोहण होगा। यहां रात्रि ८ बजे अतिथियों का उद्बोधन एवं विशेष प्रस्तुति, रात्रि १० बजे से प्रियांशी भलावी जबलपुर गोंडी आर्केष्ट्रा जन जागरण के द्वारा दीं जाएगी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि संजय सिंह उइके विधायक बैहर, विवेक पटेल विधायक वारासिवनी, बोधसिंह भगत पूर्व सांसद बालाघाट ,अजीत एक्का जिला आबकारी अधिकारी बालाघाट, प्रफुल नगपुरे ग्राम सरपंच,अनिल उईके जनपद सदस्य,ईश्वर उमरे राष्ट्रीय अध्यक्ष नशामुक्ति अभियान की उपस्थिति में आयोजित किया जा रहा है। आयोजन समिति के सदस्य ईश्वरी पुसाम ने जानकारी देते हुए बताया कि बिरसा मुंडा उत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत दिन सोमवार को एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन प्रात: १० बजे से किया जा रहा है। वहीं १७ नवंबर को आयोजित उत्सव में सुबह १० बजे प्रभात फेरी, कलश यात्रा, बड़ा देव पूजा एवं ध्वजारोहण होगा। शाम ४ बजे से रात्रि ८ बजे तक भोजन एवं रात्रि ८ बजे से १० बजे तक अतिथियों का स्वागत एवं बिरसा मुंडा के जीवन दर्शन पर उदबोधन होगा। आयोजित कार्यक्रम में बिरसा मुण्डा समिति एंव समस्त ग्रामवासी ग्राम भेण्डारा ने अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

मंड़ई मेला हमारी ग्रामीण संस्कृति का प्रतीक है-प्रदीप जायसवाल





पदमेश न्यूज। वारासिवनी। भगवान श्रीरामचंद्र ,माता सीता एवं लक्ष्मण के १४ वर्ष के वनवास के पश्चात अयोध्या लौटने की खुशी में दीपावली का पावन पर्व मनाया जाता है। इसी परंपरा और धार्मिक आस्था के साथ ग्रामीण अंचलों में दीपावली पर्व के बाद मंडई मेले का आयोजन किया जाता हैं। जिससे ग्रामों में उत्साह,उमंग और हर्षोल्लास का वातावरण बना रहता है। इसी अवसर पर नगर के वार्ड नं. ८ के चंदोरी,ग्राम थानेगांव, करूहगांव, खुर्सीपार, मेंहदीवाड़ा की मंडई मेले के अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल शामिल हुये। ग्रामीणजनों से आत्मीय मुलाकात को कर सभी को दीपावली एवं मंडई मेले की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मंडई मेला हमारी ग्रामीण संस्कृति, परंपरा और आपसी भाईचारे का प्रतीक है,ऐसे आयोजनों के लिए हमारे ही देश प्रदेश के सैकड़ों ग्रामों में लोग इंतजार करते है। मान्यता यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोग किसानी कार्य से विरक्त होने के उपरांत दीपावली व बाद में मंडई मेले के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में आपसी संबंध एवं भाईचारे को मजबूत बनाने में विश्वास करते हैं। यह आयोजन अनेक प्रकार से होते हैं हमारे क्षेत्र में ड्रामा, डंडार,दुय्यम शायरी, छत्तीगढी नृत्य,देवी जागरण के कार्यक्रम के चलते ग्रामीण परिवेश में लोग मनोरंजन करते हैं। और बड़ चढकर लोग हिस्सा लेते हैं,यहां तक बहुत से ग्रामों में लोग ऐसे कार्यक्रमों में अभिनय भी करते हैं। इस प्रकार से ग्रामीणजन आपसी वैमनस्यता को खत्म करने दूर करने का प्रयास करते है। इस दौरान राजेश बाँबी परिहार, धानु लांजेवार,धरमु जोशी,प्रवीण डोंगरे, दिनेश परिहार,शैलेश पारधी,अजय पारधी, भोजराम डहरवाल, रमेश लांजेवार, प्रफुल्ल गजभिए, गजराज आडे,ओमकार बिसेन, नागेश डायरे, मेहतर मोहतूरे,पारेश बाते, केवलराम कटरे, धनराज करकाडे, दयानंद दमाहे, विनोद लिल्हारे,द्रोण डोहरे, वेदप्रकाश कटरे, गणेश सोनवाने, कार्तिक लिल्हारे, सुरेश मोरे, भोजराम लिल्हारे, मुन्ना सुलखिया, योगेंद्र लिल्हारे,नरेन्द्र सुलखिया, पंडा सुलखिया, अरुण नगपुरे, कुंवरलाल नगपुरे, नंदकिशोर पिछोडे, अजबलाल मस्करे, सुरेंद्र सुलखिया, प्रकाश बोपचे, काशीराम नगपुरे, सुरेश ठाकरे, सुरेश मस्करे, भुवनलाल सुलखिया ,किशोर तामेश्वर, सुरेश पंचेश्वर, जयराम राजुरकर, परसराम पंचेश्वर, नरेन्द्र गढपाले,मनीराम देशमुख मौजूद रहे।

खड़खड़ी में अखंड रामायण पाठ एवं संगीतमय सुंदर कांड का हुआ आयोजन

पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन ,विधायक गौरव पारधी,प्रदीप जायसवाल सहित अन्य रहे उपस्थित





पदमेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाले ग्राम खड़खड़ी में अखंड रामायण पाठ और संगीतमय सुंदर कांड पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन,कटंगी खैरलांजी विधायक गौरव सिंह पारधी,पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, नरेन्द्र शुक्ला,वीरेंद्र भंडारकर,पलाश बिसेन, शुभम तितरमारे ,अभिषेक सेलोकर, थानसिंग नगपुरे ,गोलू मेश्राम,आर्यन दाहिकर,धर्मेंद्र शेंडे,तुकाराम भगत,मोहन बिसेन ,कृष्ण भगत,विलाश चौधरी,गणेश भगत,अजय तुरकर सहित अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे। इस दौरान पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन,विधायक गौरव सिंह पारधी,पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की इस तरह के धार्मिक आयोजनों से धर्म के प्रति लोगों में आस्था पैदा होती है और धर्म के प्रति झुकाव बढ़ता है। इस तरह के आयोजन करना चाहिए ताकि धर्म का माहौल बना रहे।

भाईयों की आरती उतारकर बहनों ने मनाया भाईदूज

पदमेश न्यूज। वारासिवनी। पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व का अंतिम दिन भाईदूज के रूप में हर्षोल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। भाई बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक इस पर्व पर नगर सहित ग्रामीण अंचलों में विशेष उत्साह का माहौल देखने को मिला। सुबह से ही घरों में भाईदूज की तैयारियां शुरू हो गई थीं। बहनों ने विधि विधान से पूजा अर्चना कर अपने भाइयों की आरती उतारी और उनके माथे पर तिलक लगाकर सुख समृद्धि एवं दीर्घायु की कामना की। वहीं भाइयों ने भी अपनी बहनों की सदैव रक्षा करने का संकल्प लिया और उन्हें उपहार भेंट कर पर्व की खुशियां साझा कीं। भाईदूज के अवसर पर घरों में पारंपरिक रीति रिवाजों के अनुसार पूजा अर्चना की गई। विशेष मुहूर्त में यमराज एवं यमुना की पूजा कर परिवार की सुख,शांति और भाई की लंबी उम्र की कामना की गई। इसके पश्चात बहनों ने अपने भाइयों को तिलक लगाकर आरती उतारी और मिठाई खिलाकर उनका मुंह मीठा कराया। भाइयों ने भी बहनों को स्नेहपूर्वक उपहार भेंट किए तथा उनके सुखी एवं खुशहाल जीवन की कामना की। हिंदू धर्म में भाईदूज पर्व का विशेष धार्मिक एवं पारिवारिक महत्व माना गया है। यह पर्व भाई बहन के बीच प्रेम, विश्वास और समर्पण के रिश्ते को और मजबूत बनाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भाईदूज का संबंध भगवान सूर्य के पुत्र यमराज और उनकी बहन यमुना से जुड़ा हुआ है। मान्यता है कि इस दिन यमुना ने अपने भाई यमराज का आतिथ्य सत्कार कर उनका तिलक किया था। इसी परंपरा के चलते भाईदूज पर बहनें अपने भाइयों को तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र और मंगलमय जीवन की कामना करती हैं। इस अवसर पर भाइयों के द्वारा भी बहनों को उपहार देकर उनके प्रति अपने स्नेह का इजहार किया जाता है। साथ ही बहनों की सुख समृद्धि, खुशहाली और अच्छे भविष्य की कामना की जाती है। भाईदूज के पर्व ने एक बार फिर पारिवारिक रिश्तों की अहमियत और भारतीय संस्कृति में भाई बहन के पवित्र संबंधों की महत्ता को उजागर किया। भाईदूज पर्व के साथ ही पांच दिवसीय दीपावली उत्सव का विधिवत समापन हो गया। दीपावली के दौरान धनतेरस, रूप चतुर्दशी, लक्ष्मी पूजन, गोवर्धन पूजा एवं भाईदूज के विभिन्न पर्वों को नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में परंपरागत उत्साह के साथ मनाया गया।



शंकर तालाब के पास सट्टा पट्टी लिखते युवक को पुलिस ने पकड़ा



पदमेश न्यूज। वारासिवनी। नगर थड़ले से चल रहे अवैध जुआ सट्टा गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस के द्वारा कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में वारासिवनी पुलिस ने १० नवंबर की शाम शंकर तालाब के पास वार्ड क्रमांक १४ में सट्टा पट्टी लिखते एक युवक को पकड़कर उसके कब्जे से सट्टा पट्टी एक डॉट पेन और ४७० रुपये नकद जब्त किए हैं। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार १० नवंबर को वारासिवनी थाने में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक हेमलता शुक्ला पुलिस बल के साथ क्षेत्र में भ्रमण कर रही थीं। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि शंकर तालाब के पास वार्ड क्रमांक १४ में एक व्यक्ति अवैध रूप से सट्टा पट्टी लिख रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखकर संबंधित व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगा जिसे पुलिस ने पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम परवेज खान पिता जुम्मन कुरैशी उम्र ३२ वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक १० गांधी चौक वारासिवनी बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक सट्टा पट्टी मिली जिस पर श्रीदेवी एवं पहला अंक ४.५५ तथा अंतिम अंक ९.११० लिखा हुआ था। इसके अलावा एक डॉट पेन और ४७० रुपये नकद बरामद किए गए। पुलिस ने अवैध सट्टा गतिविधियों पर आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा ४ क के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। वहीं पुलिस ने मौके पर पंचनामा तैयार कर आरोपी को न्यायालय में उपस्थित होने संबंधी नोटिस तामील कराया तथा जमानत मुचलके पर रिहा किया।

कैंसर की दवाओं पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती से मरीजों को मिली बड़ी राहत

कैंसर का नाम सुनते ही किसी भी परिवार के सामने सबसे पहले जिंदगी और मौत का सवाल खड़ा हो जाता है। यह ऐसी बीमारी है, जिसका इलाज न केवल मरीज को शारीरिक और मानसिक रूप से तोड़ता है, बल्कि पूरे परिवार की आर्थिक कमर भी तोड़ देता है। इलाज की लंबी प्रक्रिया, महंगी जांच, अस्पतालों का खर्च और जीवनरक्षक दवाओं की कीमतें पहले से परेशान परिवारों के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होतीं। ऐसे में कैंसर की 137 दवाओं की कीमतों में भारी कटौती होना निश्चित रूप से लाखों मरीजों और उनके परिजनों के लिए राहत भरी खबर है। लेकिन इस फैसले के पीछे छिपी सच्चाई देश की स्वास्थ्य व्यवस्था और दवा कारोबार पर गंभीर सवाल भी खड़े करती है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कैंसर की 137 दवाओं की कीमतें कम की गई हैं। दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के 1,364 फॉर्मूलेशन की नई कीमतें जारी की हैं। इनमें 679 ब्रांड की दवाओं के दाम 50 प्रतिशत से अधिक घटाए गए हैं। कुछ दवाओं की कीमतों में तो 96.45 प्रतिशत तक की कमी की गई है। अनुमान है कि इस कदम से मरीजों को सालाना करीब 3,540.38 करोड़ रुपये की बचत होगी। यह आंकड़ा अपने आप में बताता है कि अब तक कैंसर के इलाज के नाम पर आम आदमी की जेब पर कितना बड़ा आर्थिक बोझ पड़ रहा था। इस पूरे मामले में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। 22 सितंबर को सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कैंसर की दवाओं की रिटेल कीमत और अधिकतम खुदरा मूल्य के बीच भारी अंतर पर गंभीर सवाल उठाए थे। अदालत की टिप्पणी थी कि 2,700 रुपये की दवा मरीज को 27,000 रुपये में मिलना दिनदहाड़े डकैती और नरसंहार जैसा है। न्यायालय की यह नाराजगी केवल दवाओं की कीमतों को लेकर नहीं थी, बल्कि उस व्यवस्था पर भी सवाल था, जिसमें गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों की मजबूरी को कारोबार और मुनाफे का अवसर बना लिया जाता है। सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद 17 अक्टूबर को नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने 137 गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर कंपनियों का ट्रेड मार्जिन 30 प्रतिशत निर्धारित किया। इसी निर्णय के बाद कीमतों में कमी का रास्ता साफ हुआ। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज के तहत गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों ने भी इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। समिति में देश के प्रमुख कैंसर विशेषज्ञों, चिकित्सकों, अस्पतालों के प्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों को शामिल किया गया था। इसका उद्देश्य दवाओं की कीमतों और व्यापारिक मार्जिन को तर्कसंगत बनाना था। यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर जीवन बचाने वाली दवाओं के कारोबार में इतना अधिक मुनाफा कैसे संभव हुआ? क्या किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज की विवशता का फायदा उठाना उचित है? दवा उद्योग का अपना आर्थिक पक्ष है। कंपनियों को अनुसंधान, उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण, वितरण और नई दवाओं के विकास पर खर्च करना पड़ता है। लेकिन इन सभी खर्चों के नाम पर ऐसी कीमतें वसूलना, जिन्हें आम आदमी वहन ही न कर सके, किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। दवा कोई सामान्य उपभोक्ता वस्तु नहीं है। यह किसी व्यक्ति के जीवन, उसके परिवार की उम्मीद और उसके भविष्य से जुड़ी होती है। भारत जैसे देश में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच आज भी आर्थिक स्थिति से प्रभावित होती है। संपन्न परिवार बेहतर अस्पतालों और महंगे उपचार का खर्च उठा सकते हैं, लेकिन मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के सामने अक्सर इलाज जारी रखने या घर की आर्थिक स्थिति बचाने के बीच कठिन चुनाव करने की नौबत आ जाती है। कई बार लोग जमीन, मकान और पुश्तैनी संपत्ति तक बेच देते हैं।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक 24-ऑवर अरेस्ट रूल -पुलिसिया मनमानी पर संवैधानिक लगाम, गिरफ्तारी व्यवस्था पर ऐतिहासिक प्रहार!

वैश्विक स्तरपर भारत में कानून का शासन केवल अपराधियों को सजा दिलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि निर्दोष व्यक्ति की स्वतंत्रता,सम्मान और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करना भी उसकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।इसी संवैधानिक भावना को नई मजबूती देते हुए 5 नवंबर 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी और हिरासत से जुड़े 24 घंटे के नियम की ऐसी व्याख्या की है, जिसका प्रभाव देश की पुलिस व्यवस्था जांच एजेंसियों, न्यायिक मजिस्ट्रेटों और आम नागरिकों पर दूरगामी हो सकता है।इस फैसले का सबसे बड़ा संदेश है कि किसी व्यक्ति की आजादी जिस वास्तविक क्षण छीनी जाती है,उसी क्षण से 24 घंटे की संवैधानिक घड़ी शुरू होगी,न कि उस समय से जब पुलिस अपनी गिरफ्तारी के कागजों में समय दर्ज करती है।अर्थात मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि पुलिस किसी व्यक्ति को पहले पूछताछ, जांच,तलाशी अथवा जब्ती के नाम पर अपने नियंत्रण में रखे और कई घंटे बाद औपचारिक गिरफ्तारी दिखाकर संवैधानिक समय-सीमा की नई गणना शुरू कर दे,ऐसी व्यवस्था को सुप्रीम कोर्ट ने अस्वीकार कर दिया है।यह फैसला केवल कानूनी प्रक्रिया की व्याख्या नहीं,बल्कि नागरिक स्वतंत्रता और पुलिस जवाबदेही के बीच संवैधानिक संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।इस ऐतिहासिक निर्णय का मुकदमा सुजित दास एंड ऑदर्स वर्सेस यूनियन ऑ? इंडिया है।उपलब्ध न्यायिक अभिलेखों और 5 नवंबर 2026 की प्रकाशित कानूनी रिपोर्टों के अनुसार 5 नवंबर 2026 केस नंबर एसएलपी (क्रल.) नंबर 12451-12453 ऑफ 2026 मुख्य पक्षकार सुजीत दास एवं अन्य बनाम भारत संघ पीठ न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां एवं न्यायमूर्ति अतुल एस.चांदुरकर संबंधित उच्च न्यायालय त्रिपुरा उच्चन्यायालय साथियों बात अगर हम इस केस को समझने की करें तो मूल मामला एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत मादक पदार्थों की बरामदगी बरामदगी 11.03 किलोग्राम मेथामफेटामाइन (याबा) गोलियां संबंधित संवैधानिक प्रावधान अनुच्छेद 21 एवं अनुच्छेद 22(2)संबंधित वैधानिक प्रावधान बीएन एसएस की धारा 57 एवं 58 और एनडीपीएस अधिनियम की धारा 37 इस मामले में चार याचिकाकर्ता सुजीतदास, सुमनदास,रूपक सरकार और राजूदास थे।आरोपियों को 29 सितंबर 2025 को लगभग दोपहर 2:30 बजे तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के दौरान रोका गया था,जबकि उनकी औपचारिक गिरफ्तारी 30 सितंबर 2025 को सुबह लगभग 11:15 बजे दर्ज की गई। इस प्रकार तलाशी और जब्ती की कार्रवाई समाप्त होने तथा औपचारिक गिरफ्तारी के बीच लगभग 18 घंटे का अंतर था। आरोपियों ने इसे संविधान के अनुच्छेद 22 (2) के उल्लंघन का आधार बनाया था। सुप्रीम कोर्ट ने त्रिपुरा हाईकोर्ट के 29 अप्रैल 2026 के जमानत अस्वीकार करने वाले आदेश को निरस्त करते हुए चारों आरोपियों की रिहाई का निर्देश दिया।यहां एक महत्वपूर्ण कानूनी अंतर समझना आवश्यक है।भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 56 गिरफ्तार व्यक्ति के स्वास्थ्य और सुरक्षा से संबंधित है, धारा 57 बिना अनावश्यक देरी गिरफ्तार व्यक्ति को मजिस्ट्रेट अथवा संबंधित पुलिस अधिकारी के समक्ष ले जाने की बात करती है और धारा 58 बिना मजिस्ट्रेट के विशेष आदेश के 24 घंटे से अधिक हिरासत में रखने पर रोक लगाती है। इसलिए इस फैसले के संदर्भ में मुख्य वैधानिक प्रावधान धारा 57 और 58 हैं, जबकि धारा 56 हिरासत में व्यक्ति की सुरक्षा से सटीकता से संबंधित है। साथियों बात अगर हम संविधान की 24 घंटे की घड़ी -अब गिरफ्तारी के कागज नहीं, वास्तविक हिरासत होगी निर्णायक को समझने की करें तो,संविधान का अनुच्छेद 22(2) प्रत्येक गिरफ्तार और हिरासत में रखे गए व्यक्ति को निकटतम मजिस्ट्रेट के सामने 24 घंटे के भीतर पेश किए जाने की संवैधानिक गारंटी देता है। इस अवधि की गणना में केवल गिरफ्तारी के स्थान से मजिस्ट्रेट की अदालत तक पहुंचने के लिए आवश्यक यात्रा का समय बाहर रखा जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने 5 नवंबर 2026 के फैसले में स्पष्ट कर दिया कि पुलिस किसी व्यक्ति को अपनी स्वतंत्रता से वंचित करने के बाद उसे औपचारिक गिरफ्तारी से पहले पूछताछ, तलाशी, जांच अथवा जब्ती के नाम पर घंटों अपने नियंत्रण में नहीं रख सकती और फिर कागजोंमें गिरफ्तारी का नया समय दर्ज करके 24 घंटे की अवधि आगे नहीं बढ़ा सकती।अदालत के अनुसार हिरासत और गिरफ्तारी के बीच कृत्रिम अंतर पैदा करके संवैधानिक सुरक्षा को निष्प्रभावी करना स्वीकार्य नहीं है। उदाहरण के लिए यदि किसी व्यक्ति को सुबह 8 बजे पुलिस ने इस स्थिति में अपने नियंत्रण में ले लिया कि वह अपनी इच्छा से वहां से जा नहीं सकता, लेकिन उसकी गिरफ्तारी दोपहर 2 बजे दिखाई गई, तो 24 घंटे की गणना सुबह 8 बजे से होगी। इस व्याख्या से जांच एजेंसियों के लिए गिरफ्तारी के समय को मनमाने ढंग से निर्धारित करने की गुंजाइश सीमित हुई है।

साथियों बात अगर हम पुलिस की मनमानी अवैध हिरासत और भ्रष्टाचार पर कितना प्रभाव पड़ेगा? इसको समझने की करें तो,भारत में आम नागरिक के मन में पुलिस थाने, अपराध शाखा, विशेष जांच एजेंसियों और अन्य प्रवर्तन संस्थाओं को लेकर एक स्वाभाविक आशंका रहती है। किसी व्यक्ति को पूछताछ के लिए बुलाया जाना और किसी व्यक्ति को उसकी इच्छा के विरुद्ध पुलिस के नियंत्रण में रख लेना,दोनों अलग-अलग परिस्थितियां हैं। समस्या तब पैदा होती है जब किसी व्यक्ति को पुलिस अपने साथ ले जाती है, उसे कई घंटे पूछताछ के नाम पर रोकती है, परिवार को उसकी वास्तविक स्थिति की जानकारी नहीं मिलती और गिरफ्तारी का औपचारिक दस्तावेज बाद में तैयार किया जाता है। ऐसी परिस्थितियों में व्यक्ति के परिवार को यह तक पता नहीं होता कि वह कहां है, किस स्थिति में है और उसे कब छोड़ा जाएगा। इस अनिश्चितता के कारण परिवार मानसिक तनाव, सामाजिक अपमान और आर्थिक परेशानियों का सामना करता है।कुछ परिस्थितियों में ऐसी अपारदर्शी प्रक्रिया का दुरुपयोग करके व्यक्ति और उसके परिवार पर दबाव बनाने, अनुचित लाभ मांगने अथवा मनमाने ढंग से पूछताछ करने की आशंका भी पैदा होती है। हालांकि प्रत्येक पुलिस अधिकारी को भ्रष्ट या प्रत्येक हिरासत को अवैध मानना उचित नहीं होगा,लेकिन यह भी वास्तविकता है कि जहां हिरासत का समय, स्थान और कानूनी आधार पारदर्शी नहीं होगा, वहां अधिकारों के दुरुपयोग की संभावना बढ़ेगी।सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी संभावित दुरुपयोग पर संवैधानिक नियंत्रण मजबूत करता है। अब पुलिस के लिए यह पर्याप्त नहीं होगा कि वह गिरफ्तारी मेमो में कोई समय लिख दे, बल्कि यह भी स्पष्ट करना होगा कि व्यक्ति की वास्तविक स्वतंत्रता कब समाप्त हुई थी।इससे पुलिस अधिकारियों की जवाबदेही बढ़ेगी और अवैध हिरासत, हिरासत में हिंसा तथाअनुचित दबाव की शिकायतों की न्यायिक जांच को अधिक प्रभावी आधार मिल सकेगा। अदालत ने स्वयं कस्टोडियल हिंसा को देश की दुर्भाग्यपूर्ण वास्तविकता बताते हुए इस संवैधानिक सुरक्षा के महत्व को सटिका से रेखांकित किया है। साथियों बात अगर हम मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी बढ़ी - अब पुलिस के दस्तावेजों पर आंख बंद करके भरोसा नहीं इसको समझने की करें तो,इस निर्णय का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष न्यायिक मजिस्ट्रेटों की जिम्मेदारी से संबंधित है। सामान्यत: पुलिस जब किसी आरोपी को अदालत में पेश करती है तो गिरफ्तारी मेमो,केस डायरी और अन्य दस्तावेजों के आधार पर रिमांड की मांग करती है।लेकिन अब मजिस्ट्रेट को केवल गिरफ्तारी के कागजों में दर्ज समय देखकर संतुष्ट नहीं होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि मजिस्ट्रेट को उस वास्तविक तारीख और समय को दर्ज करना होगा, जब व्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रभावी रूप से रोक लगाई गई थी। उसे यह जांचना होगा कि पुलिस ने व्यक्ति को कब अपने नियंत्रण में लिया, तलाशी और जब्ती की कार्रवाई कितनी देर चली, औपचारिक गिरफ्तारी कब दिखाई गई और मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करने में कितना समय लगा। यदि वास्तविक हिरासत से 24 घंटे की संवैधानिक सीमा का उल्लंघन हुआ है तो तत्काल रिहाईका आदेश दिया जाना चाहिए। इतना ही नहीं, यदि व्यक्ति को 24 घंटे के भीतर पेश तो कर दिया गया,लेकिन परिस्थितियों के अनुसार अनावश्यक रूप से लंबी हिरासत में रखा गया, तो मजिस्ट्रेट रिमांड देने से भी इनकार कर सकता है। इसका मतलब है कि 24 घंटे पुलिस के लिए मनमानी करने का अधिकार नहीं, बल्कि अधिकतम संवैधानिक सीमा है।

साथियों बात अगर हम एनडीपीएस,यूएपीए और पीएमएलए जैसे कठोर कानूनों के मामलों में भी मौलिक अधिकार सर्वोपरि इसको समझने की करें तो,इस फैसले का एक और दूरगामी पहलू यह है कि गंभीर अपराधों और विशेष कानूनों के अंतर्गत जांच का सामना करने वाले व्यक्तियों के संवैधानिक अधिकार भी समाप्त नहीं हो जाते। वर्तमान मामले में एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत 11.03 किलोग्राम प्रतिबंधित मादक पदार्थ की बरामदगी का आरोप था। इस कानून की धारा 37 में जमानत के लिए कठोर शर्तें निर्धारित हैं। इसके बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी विशेष कानून की कठोर जमानत संबंधी शर्तें संविधान के अनुच्छेद 21 और 22 द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों को समाप्त नहीं कर सकतीं। यह सिद्धांत यूएपीए और पीएमएलए जैसे अन्य कठोर कानूनों के अंतर्गत होने वाली गिरफ्तारियों के लिए भी महत्वपूर्ण संवैधानिक मार्गदर्शन देता है। हालांकि इस निर्णय को इन सभी कानूनों के अंतर्गत जमानत स्वत: मिलने का आदेश नहीं समझना चाहिए। इसका वास्तविक अर्थ यह है कि गंभीर आरोप होने मात्र से पुलिस को संवैधानिक प्रक्रिया से छूट नहीं मिल सकती। अपराध कितना भी गंभीर क्यों न हो, जांच एजेंसी को कानून के दायरे में रहकर ही कार्रवाई करनी होगी। साथियों बात अगर हम आम जनता अपने अधिकारों की रक्षा कैसे करे? इसको समझने की करें तो,इस फैसले का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा जब आम नागरिक अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होंगे। यदि पुलिस किसी व्यक्ति को पूछताछ के लिए ले जाती है तो परिवार को यह जानने का प्रयास करना चाहिए कि उसे किस थाने या एजेंसी के कार्यालय में ले जाया गया है, किस अधिकारी ने उसे अपने नियंत्रण में लिया और किस समय ऐसा हुआ।घटनास्थल पर मौजूद गवाहों, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन, संदेशों और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों को सुरक्षित रखना महत्वपूर्ण हो सकता है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

सौ वर्षों की यात्रा में संघ की पहचान बना स्वयंसेवक का समर्पण

-कांतिलाल मांडोत

इब्राहिम के ऐतिहासिक प्रसंग से सामाजिक समरसता संवाद और वैचारिक सहिष्णुता का संदेश

भारत का सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन अनेक विचारधाराओं, परंपराओं और संगठनों के योगदान से निर्मित हुआ है। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक प्रगति, राजनीतिक व्यवस्था अथवा सैन्य क्षमता में नहीं होती, बल्कि उसके नागरिकों के चरित्र, सामाजिक एकता, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध में भी निहित होती है। इसी दृष्टिकोण के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के नेतृत्व में अपनी यात्रा प्रारंभ की थी। सौ वर्षों के बाद भी संघ की पहचान उसके स्वयंसेवकों के आचरण, संगठनात्मक अनुशासन और सेवा गतिविधियों से जुड़ी हुई है। नागपुर में संघ प्रमुख मोहन भागवत का यह कथन कि सौ साल बाद भी स्वयंसेवक ही संघ की सबसे बड़ी पहचान हैं, संगठन की कार्यपद्धति को समझने का महत्वपूर्ण आधार प्रस्तुत करता है।

संघ की स्थापना के पीछे मूल विचार व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का था। डॉ. हेडगेवार का मानना था कि समाज को संगठित और सशक्त बनाने के लिए ऐसे नागरिक तैयार होने चाहिए, जिनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना हो। इसी उद्देश्य से दैनिक शाखा की परंपरा विकसित हुई। शाखा में शारीरिक गतिविधियों के साथ सामूहिकता, बौद्धिक चिंतन और सामाजिक व्यवहार का अभ्यास कराया जाता है। संघ की संगठनात्मक विशेषता यह रही है कि यहां पद अथवा प्रतिष्ठा की अपेक्षा स्वयंसेवक के दायित्व और उसके व्यवहार को महत्व दिया जाता है।

मोहन भागवत ने नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड के नवीनीकृत मुख्यालय में नवनिर्मित सभागार के उद्घाटन समारोह में संघ के शुरुआती दिनों से जुड़ा इब्राहिम नामक व्यक्ति का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि 1930 के दशक में सेंट्रल प्रोविंस की विधानसभा में संघ पर प्रतिबंध लगाने की मांग उठी थी। उस समय संगठन को बहुत कम लोग जानते थे, लेकिन डॉ. हेडगेवार की व्यक्तिगत पहचान थी। ऐसे कठिन समय में इब्राहिम नाम के व्यक्ति ने संघ के पक्ष में आवाज उठाई थी। उनका तर्क था कि संघ को सांप्रदायिक संगठन मानकर बंद करना उचित नहीं है। वे डॉ. हेडगेवार को जानते थे और उन्हें अच्छा व्यक्ति मानते थे। इसलिए केवल वैचारिक धारणाओं के आधार पर संगठन को दोषी ठहराना उचित नहीं समझते थे।

इब्राहिम का यह प्रसंग आज के सामाजिक वातावरण में विशेष महत्व रखता है। भारतीय समाज की खूबसूरती यह है कि यहां विचारों की भिन्नता के बावजूद एक-दूसरे के प्रति सम्मान और संवाद की परंपरा रही है। किसी व्यक्ति की पहचान केवल उसके धर्म, जाति अथवा राजनीतिक विचारों से नहीं होनी चाहिए। उसके व्यवहार, कार्य और सामाजिक योगदान को भी महत्व मिलना चाहिए। इब्राहिम ने जिस समय संघ के पक्ष में अपनी बात रखी, उस समय उन्होंने यह संदेश दिया कि किसी संगठन के बारे में धारणा बनाने से पहले उसके वास्तविक स्वरूप और उसके लोगों को समझना आवश्यक है। यह प्रसंग वैचारिक सहिष्णुता और लोकतांत्रिक संवाद की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

संघ की गतिविधियां केवल शाखाओं तक सीमित नहीं रही हैं। प्राकृतिक आपदाओं, बाढ़, भूकंप और महामारी जैसी परिस्थितियों में स्वयंसेवकों ने राहत एवं सेवा कार्यों में भाग लिया है। शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में विद्या भारती तथा सेवा भारती जैसे संगठनों के माध्यम से विभिन्न गतिविधियां संचालित होती हैं। जनजातीय और दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा तथा स्वास्थ्य सुविधाओं को पहुंचाने के प्रयास भी किए जाते रहे हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से संगठन समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंच बनाने का प्रयास करता है।

संघ के सामने सामाजिक समरसता की चुनौती भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। भारतीय समाज में जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानता जैसी समस्याएं लंबे समय से मौजूद रही हैं। संघ सार्वजनिक रूप से जाति-पांत से ऊपर उठकर संगठित समाज की बात करता है। किसी भी सामाजिक संगठन की सार्थकता तभी सिद्ध होती है, जब उसके विचार व्यवहार में दिखाई दें और समाज के अंतिम व्यक्ति को सम्मान तथा समान अवसर प्राप्त हों। सामाजिक एकता का अर्थ केवल एक विचार को स्वीकार करना नहीं, बल्कि विविधताओं का सम्मान करते हुए साझा राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देना भी है।

दूसरी ओर संघ की विचारधारा को लेकर कांग्रेस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक समूहों की असहमति भी रही है। हिंदुत्व, धर्मनिरपेक्षता, संविधान, अल्पसंख्यकों के अधिकार और स्वतंत्रता आंदोलन में संघ की भूमिका जैसे विषयों पर लंबे समय से बहस होती रही है। कांग्रेस संघ की विचारधारा को लेकर सवाल उठाती है, जबकि संघ स्वयं को भारतीय सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक संगठन से जुड़ा हुआ बताता है। लोकतंत्र में इन मतभेदों का होना अस्वाभाविक नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि राजनीतिक असहमति संवाद और संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर रहे।

संघ की सौ वर्षों की यात्रा का मूल्यांकन करते समय उसके सेवा कार्यों, संगठनात्मक विस्तार, वैचारिक प्रभाव और आलोचनाओं सभी पर निष्पक्ष दृष्टि रखना आवश्यक है। किसी भी संस्था की वास्तविक परीक्षा उसके लंबे इतिहास से अधिक उसके वर्तमान आचरण और भविष्य की दिशा से होती है।

मोहन भागवत द्वारा इब्राहिम का प्रसंग याद करना केवल संघ के पुराने इतिहास का उल्लेख नहीं है, बल्कि यह भी बताता है कि सामाजिक जीवन में व्यक्तिगत विश्वास और पारस्परिक सम्मान कितने महत्वपूर्ण हैं। राष्ट्र निर्माण किसी एक संगठन, राजनीतिक दल अथवा समुदाय की जिम्मेदारी नहीं हो सकता। इसमें सभी नागरिकों की समान भागीदारी आवश्यक है। सौ वर्षों बाद स्वयंसेवक की पहचान को रेखांकित करने के साथ सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि व्यक्ति निर्माण की यह भावना समाज में सेवा, सद्भाव, समानता और राष्ट्रीय एकता को कितना मजबूत करती है। भारत की शक्ति उसकी विविधता में एकता है और इस भावना को मजबूत करना प्रत्येक नागरिक तथा प्रत्येक सामाजिक संगठन का साझा दायित्व है।

जलवायु संकट का असली चेहरा-किसकी जिंदगी, किसकी आजीविका?

जलवायु परिवर्तन की सबसे भयावह तस्वीर केवल पिघलते हिमखंडों, सूखती नदियों या जंगलों में लगी आग में नहीं दिखती। वह उस मजदूर के शरीर पर भी दर्ज होती है, जो दोपहर की झुलसाती धूप में काम करने को मजबूर है; उस किसान की चिंता में भी, जिसकी फसल मौसम की अनिश्चितता से जूझ रही है; और उस बुजुर्ग की सांसों में भी, जिसके लिए बढ़ती गर्मी अब महज असुविधा नहीं, जानलेवा खतरा बनती जा रही है। धरती का बढ़ता तापमान अब केवल पर्यावरण का सवाल नहीं है। यह स्वास्थ्य, रोजगार, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक न्याय का संकट है। असली सवाल है कि गर्म होती धरती पर सबसे पहले किसका जीवन और किसकी आजीविका संकट में पड़ रही है? तुर्किये के अंताल्या में 9 से 20 नवंबर 2026 तक आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन कॉप-31 इसी सवाल की कसौटी है। दुनिया के देश इस सम्मेलन में उत्सर्जन में कटौती, जलवायु अनुकूलन, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहयोग पर विचार कर रहे हैं। जलवायु अनुकूल शहर, खाद्य सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और आपदाओं का सामना करने में सक्षम स्वास्थ्य प्रणालियां भी इसकी प्राथमिकताओं में हैं। लेकिन इस वैश्विक विमर्श की सबसे बड़ी चुनौती है कि जलवायु परिवर्तन से प्रभावित आम लोगों की जिंदगी को नीतियों और समझौतों के केंद्र में कैसे लाया जाए। कॉप-31 में भारत का उद्घाटन वक्तव्य इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। भारत ने जलवायु बहुपक्षवाद और समानता तथा साझा लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारियों एवं संबंधित क्षमताओं यानी सीबीडीआर-आरसी के सिद्धांत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव नरेंद्र भूषण ने भारत का पक्ष रखते हुए निष्पक्ष, न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी परिणाम का आह्वान किया। भारत ने जी-77 और चीन, एलएमडीसी तथा बेसिक समूहों के वक्तव्यों के साथ अपनी सहमति जताई। उसने संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय और पेरिस समझौते को ऐसा समावेशी मंच बताया, जहां प्रत्येक देश की आवाज सुनी जा सकती है। भारत ने सम्मेलन की अध्यक्षता के लिए तुर्किये और ऑस्ट्रेलिया के प्रयासों की सराहना करते हुए संवाद, आम सहमति और कार्रवाई पर आधारित कार्यान्वयन-केंद्रित दृष्टिकोण का स्वागत किया। यह दृष्टिकोण इसलिए महत्वपूर्ण है कि जलवायु वार्ताओं में घोषणाओं और जमीन पर वास्तविक कार्रवाई के बीच अक्सर लंबी दूरी दिखाई देती है। संवाद से विश्वास पैदा होता है, आम सहमति से सामूहिक जिम्मेदारी तय होती है और कार्रवाई से वादे वास्तविक प्रगति में बदलते हैं। लेकिन इनकी सार्थकता तभी है, जब जलवायु संकट का सामना कर रहे कमजोर समुदायों तक उसका लाभ पहुंचे। वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य गंभीर दबाव में है। इसके पार जाने की आशंका केवल पर्यावरणीय असंतुलन का संकेत नहीं है। इससे गर्मी, सूखा, बाढ़ और चरम मौसमी घटनाओं का जोखिम बढ़ेगा। ऐसे में समानता का महत्व और बढ़ जाता है। जिन देशों का ऐतिहासिक उत्सर्जन में योगदान अपेक्षाकृत कम रहा है, वे अक्सर जलवायु परिवर्तन के गंभीर परिणाम झेल रहे हैं। इसलिए सभी देशों से समान प्रकार की जिम्मेदारी निभाने की अपेक्षा न्यायसंगत नहीं हो सकती। जलवायु न्याय का तकाजा है कि जिम्मेदारियों का निर्धारण ऐतिहासिक उत्सर्जन, आर्थिक क्षमता और विकास संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखकर हो। लैंसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज की रिपोर्ट संकट की मानवीय कीमत सामने रखती है। इसके अनुसार, 2016 से 2025 के दौरान गर्मी से संबंधित वार्षिक मौतों में लगभग 36 प्रतिशत वृद्धि हुई। वर्ष 2023 में दुनिया भर में गर्मी से जुड़ी करीब 7.1 लाख मौतों का अनुमान लगाया गया, जिनमें 70 प्रतिशत से अधिक मौतें मानवजनित जलवायु परिवर्तन से बढ़े तापमान से जुड़ी थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में दुनिया की 60.7 प्रतिशत भूमि पर कम-से-कम एक महीने तक अत्यधिक सूखे की स्थिति रही। यह 1951-1960 के औसत से 299 प्रतिशत अधिक थी। सूखा केवल पानी की कमी नहीं पैदा करता, बल्कि खेती, पेयजल, पोषण और ग्रामीण आजीविका को भी प्रभावित करता है। भारत में इस संकट की आर्थिक और सामाजिक कीमत विशेष रूप से गंभीर है। लैंसेट काउंटडाउन की 2025 की भारत-विशिष्ट रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में अत्यधिक गर्मी के कारण देश में 247 अरब संभावित श्रम घंटे नष्ट हुए। इनमें लगभग दो-तिहाई नुकसान कृषि क्षेत्र और करीब पांचवां हिस्सा निर्माण क्षेत्र से जुड़ा था। गर्मी के कारण काम करने की क्षमता में आई कमी से संभावित आय का नुकसान 194 अरब अमेरिकी डॉलर आंका गया। यह वास्तविक वेतन कटौती नहीं, बल्कि प्रभावित श्रम क्षमता की अनुमानित आर्थिक कीमत है। फिर भी यह आंकड़ा बताता है कि गर्मी का संकट अर्थव्यवस्था के सबसे कमजोर श्रम समूहों को किस हद तक प्रभावित कर रहा है। इन आंकड़ों के पीछे उन परिवारों की कहानी है, जिनकी आमदनी घटती है, बचत इलाज में खर्च होती है और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। दिहाड़ी मजदूर के लिए तेज गर्मी में काम रोकना आसान नहीं है। काम छोड़े तो कमाई बंद, जारी रखे तो निर्जलीकरण, लू और तापाघात का खतरा। उसके सामने कई बार स्वास्थ्य और भूख के बीच चुनाव करने की मजबूरी होती है। वातानुकूलित दफ्तर में काम करने वाले व्यक्ति और खुले आसमान के नीचे सड़क बनाने वाले मजदूर के लिए एक ही तापमान का अर्थ अलग-अलग है। रिक्शा चालक, रेहड़ी-पटरी विक्रेता, निर्माण मजदूर और खेतिहर श्रमिकों के पास गर्मी से बचने के पर्याप्त साधन नहीं होते। जलवायु संकट पहले से मौजूद आर्थिक असमानता को और गहरा करता है। बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और पहले से बीमार लोगों के लिए अत्यधिक गर्मी विशेष खतरा पैदा करती है। लैंसेट काउंटडाउन के अनुसार, 2021 से 2025 के दौरान भारत में 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों में गर्मी से संबंधित मौतों का वार्षिक आर्थिक मूल्य 33.8 अरब डॉलर आंका गया। यह 2000-2004 की तुलना में 205 प्रतिशत अधिक था। जीवन और मानवीय पीड़ा को आर्थिक मूल्य में पूरी तरह नहीं आंका जा सकता, लेकिन ये आंकड़े स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने खड़ी चुनौती का पैमाना जरूर बताते हैं। जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण का संबंध भी गंभीर है। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों के इस्तेमाल से हरितगृह गैसों का उत्सर्जन बढ़ता है और वायु प्रदूषण भी पैदा होता है। इसका असर सांस संबंधी बीमारियों और हृदय रोगों के रूप में सामने आता है। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव केवल जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने का उपाय नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की जरूरत भी है। हालांकि ऊर्जा परिवर्तन की कीमत गरीब और विकासशील देशों पर डालना उचित नहीं होगा। उन्हें आवश्यक वित्तीय और तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराना विकसित देशों की जिम्मेदारी है।भारत ने कॉप-31 में जलवायु वित्त के इसी पक्ष को प्रमुखता दी है। उसका कहना है कि विकासशील देशों में जलवायु कार्रवाई को बढ़ावा देने और उनकी कमजोरियों को दूर करने के लिए विकसित देशों से मिलने वाला सार्वजनिक वित्त केंद्रीय भूमिका निभाता है। पेरिस समझौते का अनुच्छेद 9.1 विकसित देशों पर यह दायित्व निर्धारित करता है कि वे विकासशील देशों को वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराएं। यह प्रावधान महज कूटनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि जलवायु न्याय की बुनियादी शर्त है। अनुकूलन, आपदा प्रबंधन, स्वच्छ ऊर्जा और स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने के लिए विकासशील देशों को पर्याप्त, सुलभ और पूर्वानुमेय वित्त की जरूरत है। भारत ने न्यायसंगत बदलाव और अनुकूलन की जरूरतों को भी रेखांकित किया है। ऊर्जा व्यवस्था को जीवाश्म ईंधन से स्वच्छ विकल्पों की ओर ले जाना जरूरी है, लेकिन इस प्रक्रिया में उन श्रमिकों और समुदायों की आजीविका की अनदेखी नहीं की जा सकती, जो मौजूदा ऊर्जा और औद्योगिक ढांचे पर निर्भर हैं। न्यायसंगत बदलाव का अर्थ केवल ऊर्जा स्रोत बदलना नहीं, बल्कि प्रभावित श्रमिकों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करना, कौशल प्रशिक्षण देना और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है। विकासशील देशों के सामने यह चुनौती अधिक जटिल है, क्योंकि उन्हें गरीबी, बेरोजगारी और बुनियादी सुविधाओं की कमी से भी एक साथ जूझना पड़ता है। भारत में जलवायु अनुकूलन को स्थानीय जरूरतों से जोड़ना होगा। मौसम का पूर्वानुमान जारी कर देना पर्याप्त नहीं है। चेतावनी तभी जीवन बचाती है, जब उसके साथ कार्रवाई हो। अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को गर्मी से जुड़ी बीमारियों के उपचार के लिए तैयार करना होगा। सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल और छाया की व्यवस्था, श्रमिकों के लिए सुरक्षित कार्य घंटे तथा निर्माण स्थलों और खेतों में काम करने वालों के लिए विश्राम की सुविधा जरूरी है। शहरों में पेड़ों और हरित क्षेत्रों का विस्तार करना होगा। गरीब बस्तियों में हवादार आवास और गर्मी से बचाव के साधन उपलब्ध कराना भी जलवायु अनुकूलन का हिस्सा होना चाहिए। ग्रामीण भारत में तापमान और वर्षा की अनिश्चितता खेती, पशुधन और पानी की उपलब्धता को प्रभावित करती है। इससे कृषि लागत बढ़ती है और ग्रामीण रोजगार पर दबाव पड़ता है। जल संरक्षण, स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल फसल योजना और मौसम की समय पर जानकारी को प्राथमिकता देनी होगी। जलवायु नीति को कृषि, ग्रामीण रोजगार और सार्वजनिक स्वास्थ्य से अलग करके नहीं देखा जा सकता। इसी तरह जलवायु संकट का समाधान केवल व्यक्तिगत सावधानी में तलाशना भी गलत होगा। जब मजदूर के पास काम छोड़ने पर आय का विकल्प नहीं हो, तब उसे केवल धूप से बचने और पानी पीने की सलाह देना पर्याप्त नहीं है। सरकारों और नियोक्ताओं को स्वास्थ्य सुरक्षा तथा आजीविका की रक्षा की जिम्मेदारी निभानी होगी। कॉप-31 की सफलता का मूल्यांकन इसी कसौटी पर होना चाहिए। क्या जलवायु वित्त के ऐसे प्रावधान बनेंगे, जिनसे गरीब और विकासशील देशों को वास्तविक सहायता मिलेगी?

-कुमार कृष्णन

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। बुधवार को भाईदूज के उपलक्ष्य में स्थानीय प्रमुख बाजारों में अवकाश रहा। खाद्य तेलों में बाजार कमोवेश बने रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में व्यापार सामान्य ही रहा। बाजार पूर्ववत बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

तेल- सींगदाना 1780-1800, मुम्बई 1800, राजकोट तेलिया 2800, सोया सालवेंट 1335-1340, सोया रिफाइंड 1385-1390, कपास्या 1400, धूलिया 1410, कड़ी 1410,

रात की धारणा- गुजरात लूज 1750, मुम्बई पाम 1345, मुम्बई सोया 1435,

इंदौर सर्राफा बाजार

इन्दौर। एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। सोने में बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 190000, चाँदी (99) 189800, टंच 189200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 144400,

मदर डेयरी के दूध की कीमतें बढ़ीं, उपभोक्ताओं पर महंगाई का बोझ

नई दिल्ली। एजेंसी। देश की राजधानी और उसके आसपास के क्षेत्रों में दूध की सबसे बड़ी आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी ने बढ़ती लागत का हवाला देकर अपने विभिन्न प्रकार के दूध की कीमतों में 2 से 4 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की घोषणा की है। ये नई दरें 12 नवंबर, गुरुवार से प्रभावी होंगी। कंपनी ने कदम किसानों से दूध की खरीद कीमतों में हुई वृद्धि के कारण उठाया है, जिसका कुछ बोझ उपभोक्ताओं पर डालना पड़ रहा है। सूत्रों ने जानकारी दी कि मदर डेयरी अपनी बिक्री आय का एक बड़ा हिस्सा, लगभग 75-80 प्रतिशत, दूध उत्पादक किसानों को देती है। यह बढ़ोतरी कंपनी द्वारा पहले मई 2026 और अप्रैल 2025 में की गई मूल्य वृद्धि के बाद हुई है। मदर डेयरी के प्रवक्ता ने हालांकि इस मामले पर टिप्पणी करने से इंकार किया है। ताजा संशोधन के बाद, प्रमुख किस्मों की कीमतें इस प्रकार होंगी: टोंड दूध (थोक वितरण) 58 रुपए से बढ़कर 60 रुपए प्रति लीटर, फुल क्रीम दूध (पाउच) 72 रुपए से बढ़कर 76 रुपए प्रति लीटर, टोंड दूध (पाउच) 60 रुपए से बढ़कर 62 रुपए प्रति लीटर, डबल टोंड दूध 54 से बढ़कर 56 रुपए प्रति लीटर और गाय का दूध 62 से बढ़कर 65 रुपए प्रति लीटर हो जाएगा। मदर डेयरी दिल्ली-एनसीआर में प्रतिदिन करीब 35 लाख लीटर दूध की आपूर्ति करती है, जबकि देश भर में इसकी कुल दैनिक बिक्री 50 लाख लीटर से अधिक है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी, मदर डेयरी की स्थापना 1974 में हुई थी। कंपनी ने पिछले वित्तीय वर्ष में 17 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 20,300 करोड़ रुपए का कारोबार किया था, जिसका श्रेय दूध उत्पादों और खाद्य तेलों की बढ़ती मांग को दिया गया।

होम लोन, पर्सनल लोन और अन्य प्रकार के ऋण अब हो जाएंगे महंगे

नई दिल्ली। एजेंसी। एचडीएफसी बैंक ने अपनी मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स-बेस्ड लेंडिंग रेट में बढ़ोतरी की घोषणा की है, जिससे बैंक से जुड़े होम लोन, पर्सनल लोन और अन्य प्रकार के ऋण अब महंगे हो जाएंगे। यह वृद्धि 7 नवंबर से प्रभावी हो चुकी है। बैंक ने अलग-अलग अवधियों के लिए एमसीएलआर में 5 से 15 बेसिस प्वाइंट तक की बढ़ोतरी की है। इस बदलाव के बाद, एचडीएफसी बैंक की नई एमसीएलआर दरें अब 7.85फीसदी से बढ़कर 8.70फीसदी के दायरे में आ गई हैं, जो पहले 7.75फीसदी से 8.55फीसदी के बीच थीं। उदाहरण के लिए ओवरनाइट दर में 5 बीपीएस की वृद्धि हुई है, जबकि 1 साल और 3 साल की अवधि के लिए दरें 15 बीपीएस तक बढ़ी हैं। एमसीएलआर वह न्यूनतम ब्याज दर होती है जिससे कम पर कोई भी बैंक किसी ग्राहक को ऋण नहीं दे सकता। यह बैंकों के लिए ऋण देने की एक आधार दर होती है। यदि आपका होम लोन, कार लोन या पर्सनल लोन एमसीएलआर से जुड़ा है, तो इसका सीधा असर ईएमआई पर पड़ता है। हालांकि फ्लोटिंग रेट वाले एमसीएलआर ऋणों में ब्याज दर रीसेट तारीख तय होती है, इसलिए आपकी अगली रीसेट तारीख आने पर ही आपकी ईएमआई बढ़ेगी। यदि आपका ऋण सीधे भारतीय रिजर्व बैंक के रेपो रेट से जुड़ा है, तो इस एमसीएलआर बढ़ोतरी का आप पर कोई असर नहीं पड़ेगा। एमसीएलआर पूरी तरह से बैंक के आंतरिक खर्चों पर आधारित होता है। अगर बैंक को फंड जुटाने की लागत बढ़ती है, तो वह इसकी भरपाई के लिए एमसीएलआर बढ़ा सकता है। वहीं, रेपो रेट वह दर होती है जिस पर आरबीआई देश के अन्य बैंकों को कर्ज देता है, और यह देश की मौद्रिक नीति का हिस्सा होता है।

जुलाई से सितंबर तक में भारत की बेरोजगारी दर घटकर 5.1फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत में बेरोजगारी की स्थिति में सुधार हो रहा है। हाल ही में जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक जुलाई से सितंबर 2026 की तिमाही में भारत की बेरोजगारी दर घटकर 5.1फीसदी रह गई है, जो पिछली अप्रैल-जून तिमाही में 5.4फीसदी थी। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी पीएलएफएस के आंकड़ों के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर में उल्लेखनीय कमी आई है, जो 4.8फीसदी से घटकर 4.3फीसदी हो गई है। यह दर्शाता है कि गांवों में रोजगार के अवसरों में वृद्धि हुई है। इसके विपरीत, शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो 6.7फीसदी से बढ़कर 6.8फीसदी पर पहुंच गई है। सर्वेक्षण के मुताबिक जुलाई-सितंबर 2026 के दौरान देश में 15 साल और उससे ज्यादा उम्र के करीब 57.9 करोड़ लोग रोजगार में थे। इनमें से करीब 40.5 करोड़ पुरुष और करीब 17.4 करोड़ महिलाएं शामिल थीं। एक सकारात्मक रुझान यह भी है कि महिलाओं की श्रम बल भागीदारी दर बढ़कर 34.7फीसदी हो गई है, जो अप्रैल-जून में 33.2फीसदी थी। महिलाओं की रोजगार दर में भी वृद्धि हुई है, जो 31.3फीसदी से बढ़कर 32.8फीसदी हो गई है, जो देश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अहम कदम है। बेरोजगारी में इस गिरावट के पीछे कई कारक जिम्मेदार हैं। सर्वेक्षण में यह सामने आया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेती से जुड़े काम करने वाले लोगों का अनुपात बढ़ा है। अप्रैल-जून 2026 में ग्रामीण कामगारों में कृषि से जुड़े लोगों का हिस्सा 52.9फीसदी था, जो जुलाई-सितंबर में बढ़कर 56.7फीसदी हो गया। साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार करने वाले लोगों का हिस्सा भी 61.4फीसदी से बढ़कर 62.7फीसदी हो गया है। यह दर्शाता है कि गांवों में बड़ी संख्या में लोग खेती और खुद का काम करके रोजगार हासिल कर रहे हैं, जिससे समग्र बेरोजगारी दर में कमी आई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 772.75 अंक उछलकर 81,879.40 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 210.40 अंक बढ़कर 25,255.05 पर बंद हुआ। आज बाजार में हर ओर तेजी रही, बैंकिंग शेयरों में सबसे अधिक बढ़त रही। सत्र में स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 496.55 अंक बढ़कर 519.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 304.30 अंक उछलकर मजबूती के साथ 19,489.35 पर बंद हुआ। स ं स ं क े स



निफ्टी हेल्थकेयर के शेयर गिरे हैं। आज लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 496.55 अंक बढ़कर 519.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 304.30 अंक उछलकर मजबूती के साथ 19,489.35 पर बंद हुआ। स ं स ं क े स

पैक में एमएंडएम, इंडिगो, ट्रेंट, टाटा स्टील, बीएसई, पावर ग्रिड, आईटीसी, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, एसबीआई, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर लाभ में रहे जबकि टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, एनटीपीसी, इटरनल, सन फार्मा, इन्फोसिस और टीसीएस के शेयर गिरे।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स 1,142.03 अंकों की बढ़त के साथ ही 82,248.68 पर कारोबार कर रहा था। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 293.15 अंक उछलकर 25,337.80 पर आ गया।

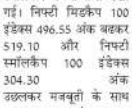
बढ़ती कीमतों के चलते सरकार ने खुले बाजार में चावल बेचने का लक्ष्य दोगुना किया

नई दिल्ली। एजेंसी। देश में खाने-पीने की चीजों की बढ़ती कीमतों से जूझ रही जनता को राहत देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। चीनी और तेल की कीमतों के बाद अब चावल की बढ़ती दरों को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने खुले बाजार में चावल बेचने का अपना लक्ष्य दोगुना कर दिया है। चित्र वर्ष 2026-27 के लिए सरकार अब 50 लाख टन चावल खुले बाजार में बेचेगी, जबकि पहले यह लक्ष्य 25 लाख टन था। सरकार का मुख्य उद्देश्य बाजार में चावल की उपलब्धता बढ़ाना और लोगों को राहत देना है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक ओपन मार्केट सेल स्कीम के तहत 31 अक्टूबर 2026 तक पहले ही 25 लाख टन चावल बेचा जा चुका है। सरकार अगले पांच महीनों में अतिरिक्त 25 लाख टन चावल बेचने की तैयारी में है। अगस्त से नवंबर के बीच कई राज्यों में चावल की खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। महाराष्ट्र में चावल की कीमतें 50 रुपए से बढ़कर 53 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई हैं, जबकि तमिलनाडु में यह 59 से 69 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। पश्चिम बंगाल में भी कीमतों में इजाफा हुआ है, जो 43 से 52 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई हैं। जानकारों के मुताबिक इस साल कम और असमान बारिश के कारण चावल के उत्पादन पर चुनौती असर पड़ा है। उद्योग से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि दक्षिण भारत के पांच प्रमुख राज्यों जैसे कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल में चावल का उत्पादन करीब 30फीसदी तक कम हो सकता है। पूरे देश में चावल का उत्पादन पिछले साल के मुकाबले करीब 10फीसदी कम रह है, खासकर धोबी और सोना मसूरी जैसी खास किस्मों की सप्लाई में ज्यादा कमी देखी जा रही है। राहत की बात यह है कि सरकार के पास चावल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। 1 अक्टूबर 2026 तक केंद्रीय भंडार में करीब 3.8 करोड़ टन चावल था, जबकि सरकार के लिए तय मिनिमम भंडार का मानक 1.025 करोड़ टन है।

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली। एजेंसी। सोने और चांदी दोनों की कीमतों में बुधवार को तेजी आई। इसी कारण मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर 2026 के वायदा अनुबंध में सोने का भाव 1,41,385 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया, जबकि चांदी की कीमतों में भी तेजी आई है। यह तेजी एक दिन पहले दर्ज की गई गिरावट के विपरीत है, और बाजार में नई हलचल पैदा कर रही है। आज एमसीएक्स पर, सोने के वायदा अनुबंध में 860 रुपये की जोरदार तेजी आई, जिससे इसका भाव 41,385 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसी तरह, चांदी ने भी निवेशकों को आकर्षित किया, जहां एक किलो चांदी का भाव 3,780 रुपये बढ़कर 1,86,356 रुपये पर पहुंच गया। यह वृद्धि घरेलू बाजार में कीमती धातुओं के प्रति मजबूत रुझान को दिखाती है, खासकर वायदा कारोबार में। दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में तेजी बरकरार है। वैश्विक स्तर पर, सोना 21.30 डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 4,051.50 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी भी 1.105 डॉलर की तेजी के साथ 52.33 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। वैश्विक स्तर पर बढ़ती कीमतें अक्सर घरेलू बाजार पर भी सकारात्मक प्रभाव डालती हैं। इसके विपरीत राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई थी। मंगलवार को सोने का भाव 500 रुपये फिसलकर 1,46,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया था। सोमवार को 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने का भाव 1,46,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस गिरावट से बाजार में थोड़ी चिंता पैदा की थी, जबकि चांदी की कीमत लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में 1,92,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रही थी। बाजार विशेषज्ञों और स्थानीय कारोबारियों ने मंगलवार की इस गिरावट के पीछे कई कारणों का हवाला दिया। कमजोर वैश्विक रुख और अमेरिकी डॉलर में मजबूती को मुख्य वजह बताया गया, जिसने निवेशकों की कारोबारी धारणा को नकारात्मक रुप से प्रभावित किया। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में कमजोरी के अनुरूप ही घरेलू बाजार में भी सोने के भाव में गिरावट आई। इसके अतिरिक्त, डॉलर में मजबूती ने भी सोने की कीमतों पर दबाव बनाया।

आज का राशिफल



मेष- आज आपको यह समझने का अवसर मिलेगा कि केवल कमाई करना ही काफी नहीं, बल्कि अपनी मेहनत से कमाए हुए धन को सही तरीके से संभालना भी उतना ही जरूरी है। खर्चों में अचानक बढ़ोतरी हो सकती है, इसलिए दिखावे या अनावश्यक सुख-सुविधाओं पर पैसा खर्च करने से बचें। बजट का ध्यान नहीं रखेंगे तो आपकी बचत प्रभावित हो सकती है। अच्छी बात यह है कि कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और प्रदर्शन की सराहना होगी।

वृषभ- आज आपकी कार्यकुशलता और समझदारी आपको दूसरों से अलग पहचान दिला सकती है। भाग्य का साथ मिलने से आप जिस काम में भी प्रयास करेंगे, उसमें सफलता मिलने की अच्छी संभावना है। लंबे समय से चल रहे किसी पुराने कर्ज को चुकाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं, जिससे आर्थिक बोझ कम करने में मदद मिलेगी। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई बड़ा निर्णय भी लिया जा सकता है।

मिथुन- आज अपनी बुद्धि, विवेक और निर्णय लेने की क्षमता का सही इस्तेमाल करने का दिन है। आपके कुछ फैसले आसपास के लोगों को चौंका सकते हैं, लेकिन उनके परिणाम सकारात्मक रहने की संभावना है। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आपकी पहचान मजबूत हो सकती है तथा लोगों का समर्थन भी बढ़ सकता है। परिवार के छोटे बच्चे आपसे किसी खास चीज की मांग कर सकते हैं। उनकी इच्छा पूरी करने से उन्हें खुशी मिलेगी और आपका मन भी प्रसन्न होगा।

कर्क- आज आय बढ़ाने के कुछ नए अवसर सामने आ सकते हैं, जिससे आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने की उम्मीद रहेगी। हालांकि, मन में किसी बात को लेकर हल्का तनाव या असमंजस बना रह सकता है। परिवार में किसी विवाद या उलझन को सुलझाने की जिम्मेदारी आपके ऊपर आ सकती है। ऐसे में हर मामले में अपनी राय देने या हस्तक्षेप करने के बजाय यह समझना जरूरी होगा कि कहां बोलना है और कहां शांत रहना बेहतर है।

सिंह- आज आपके सामने आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा साबित करने के कई अवसर आ सकते हैं। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं और आपकी मेहनत का अच्छा परिणाम भी प्राप्त हो सकता है। हालांकि, अचानक बढ़ने वाले खर्च आपकी आर्थिक योजनाओं को थोड़ा प्रभावित कर सकते हैं, इसलिए पैसों के मामले में सावधानी रखें।

कन्या- आज आपको अपनी वाणी और व्यवहार के प्रति विशेष रूप से सजग रहना होगा। आपकी कही हुई छोटी-सी बात भी किसी के मन पर गहरा प्रभाव छोड़ सकती है, इसलिए सोच-समझकर बोलें। माता-पिता का सहयोग और आशीर्वाद मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। वैवाहिक जीवन में यदि पिछले कुछ समय से कोई परेशानी या मनमुटाव चल रहा था, तो अब स्थितियां धीरे-धीरे बेहतर हो सकती हैं।

तुला- आज कोई सुखद समाचार मिलने से आपके चेहरे पर मुस्कान आ सकती है। लंबे समय से अटका हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है, जिससे आर्थिक मामलों में राहत महसूस होगी। कारोबार से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा रह सकता है। कोई बड़ी डील फाइनल होने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और भविष्य की योजनाओं को आगे बढ़ाने का रास्ता खुलेगा।

वृश्चिक- आज आपको अपनी वाणी और व्यवहार पर विशेष नियंत्रण रखने की जरूरत होगी। गलत समय पर कही गई कोई बात रिश्तों में अनावश्यक दूरी पैदा कर सकती है, इसलिए चातचीत के दौरान संयम बनाए रखें। किसी अनजान व्यक्ति की बातों में आकर कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। हर प्रस्ताव और सलाह को अपनी समझ से परखना जरूरी होगा।

धनु- आज अचानक कोई लाभ मिलने की संभावना है। कोई ऐसी वस्तु, अवसर या सुविधा प्राप्त हो सकती है, जिसकी आपने उम्मीद भी नहीं की थी। हालांकि, अपनी वाणी पर संयम रखना जरूरी होगा, क्योंकि उत्साह या गुस्से में कही गई बात किसी को आहत कर सकती है। घर में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होने से खुशियों और उत्साह का माहौल बनेगा।

मकर- आज आपको मेहनत और लगन ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी बनेगी। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाएंगे तो अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। प्रेम जीवन में मधुरता बनी रहेगी और साथी के साथ खूबसूरत पल बिताने का अवसर मिलेगा। आपसी बातचीत और समय देने से संबंधों में जबदीकी बढ़ेगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए कई मामलों में अनुकूल साबित हो सकता है। लंबे समय से अटका हुआ पैसा वापस मिलने की अच्छी संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी। किसी रिश्तेदार के घर शुभ या मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। परिवार और संबंधियों के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा।

मीन- आज परिवार के साथ समय बिताने से मन को शांति और संतोष मिलेगा। आपके मन में कई नए विचार आ सकते हैं और उनमें से किसी एक पर सही समय पर काम शुरू करने से अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। हालांकि, अपनी सेहत को नजरअंदाज करना ठीक नहीं होगा। शरीर में किसी तरह की परेशानी महसूस हो तो उसे टालने के बजाय समय रहते ध्यान दें।

शब्दजाल - 8447

यु	क	दो	अ	ल्जी	रि	या	तू	ज	इ	क			
ज	प	ल	प	ह	भा	पू	ना	ट	की	को			
अं	इ	कि	म	सं	र	ल	श	र	ला	ल			
क	कु	दा	रता	धा	त	क	फ	लो	श	या			
क	मो	श	न्न	न	क	ट	रै	ग	रि	ता			
द	र	ल	प	व	ज्रि	त	ऐ	जी	प	रु			
ती	क्खो	ल	श	इ	प	म	इ	की	ला	इ			
क	इ	डे	ने	शि	या	ना	प्प	न	श	ट			
क	स	बा	तें	व	न	ज	ट	शा	जू	न			
द	र	ल	प	व	जी	त	ऐ	ई	प	रु			
बां	ज	ता	दे	श	नी	हे	जा	एं	प	क			

शब्द बाल में उन 10 देशों के नाम हैं जहां मुस्लिम आबादी सर्वाधिक है. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

पाकिस्तान, आरत, कोमलदीप, इंडोनेशिया, ईरान, इराक, नाईजीरिया, अल्पानिया, मोरक्को, इण्डिए.

शब्दजाल - 8446 का हल



फिल्म वर्ग पहेली- 7381



ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओलए, सुनील, शिल्पा की 'कोई पी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
२. 'अं नचले नचले' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, रानि की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, टीना, पदिनी की फिल्म-३
४. संजयदत, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल ले तोड़ दे' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे गेरे मुखड़े पे' गीत वाली अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
६. शत्रिघ्न, रवीना आलमी की फिल्म-३
७. 'हाथी मेरे साथी' की गायिका-२
१४. 'तुमको किराए हैं' गीत वाली सनी, सुनील, मौनिक पेटली की फिल्म-२
१६. संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टक टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें' गीत वाली रेखाअर्जुन, गोविंदानी की फिल्म-२
१९. शत्रिघ्नसिन्हा, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आना' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'रमोला का मंदलाल' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२१. 'एक चेचर प्यार का गाए' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'जो बोले कवीना' गीत वाली अब्बास, शर्वरी मुखर्जी की फिल्म-२
२५. विश्वजीत, वहीदा समान की फिल्म-३
२६. 'आज पुराने रहों में' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज मो मशहिल' गीत वाली फिल्म-२

वायें से दायें:-

१. धर्मेंद्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
२. 'प्रमो का कूए' गीत वाली तिलोकपुरा, राजकुमार, विवेक मुशरन, मनोज की फिल्म-४
३. अक्षय, सैफ, रवीना, डोनाली की 'जहीं कहीं थी बात' गीत वाली फिल्म-३
४. 'आहे के सें टूकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रद की फिल्म-१
५. लक्की अली, गौरी कार्तिक की 'खोया है दुने के' गीत वाली फिल्म-२
१०. रनेश रेहान, मोनिका बेदी की 'ले मेरा प्यार लेले' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुमें तनुमा हो' गीत वाली अनित धवन, एश मलुज की फिल्म-१
१५. सुनीलदत्त, सोनकुमारी की 'ऐ और दूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए वो भी दी छोड़ो' गीत वाली धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
२२. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमने से अपनी तोरी' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली मनो देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२६. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मैं तेरा मरद' गीत वाली गोविंदा, मीनाक्षी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-१
२९. शत्रुघ्न, चंदबुद्ध, ऐश्वर्या की 'मी खबरों की' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनित धवन, मौनिक की फिल्म-३
३५. फरदीनखान, बरीना बरुए की 'ले दिया रे दिया' गीत वाली फिल्म-२
३६. 'मी खाली का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, विवश की फिल्म-३
३७. अमिताभ, प्रीटी, ज़ीनत की 'मैं हूए दीवाना' गीत वाली फिल्म-१

फिल्म वर्ग पहेली- 7380



शब्द पहेली - 8905



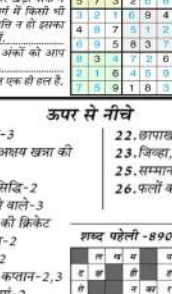
बाएँ से दाएँ

1. निशा, रात (उर्दू-2)
4. ताला (अंग्रेजी-2)
6. दुलारा, लाडला-2
7. बढ़ावा, समर्थन-2
9. निवास, घर, नीड़-3
12. कमी-3
14. पनाह, आश्रय-3
16. अंगूठे से तीसरी अंगुली, सावित्री-4
17. सजनता, सभ्यता-4
18. गिरवी रखी वस्तु-3
20. एक राशि-3
22. दबाव (अंग्रेजी-3)
24. कुल, मुनाफा-2
26. उम्मीद, आशा-2
27. मादा का विलोम-2
28. आगमन-2

ऊपर से नीचे

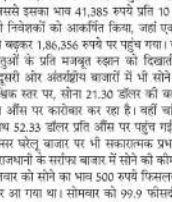
1. मदिरा, मद्य-3
2. ऐश्वर्या व अक्षय खन्ना की फिल्म-2
3. सम्मान, प्रसिद्धि-2
5. डोली उठाने वाले-3
6. वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम के कप्तान-2
8. अधिकार-2
10. सेनापति, कप्तान-2, 3
11. पति की मां-2
13. आत्मबलिदानी -5
14. कद काठी-3
15. रसद, किराणा-3
19. प्रत्येक-2
20. थैला, अस्वच्छ-3
21. मिट्टी, धूल-2
22. छापाखाना-2
23. जिव्हा, जीभ-3
25. सम्मान-2
26. फलों का राजा-2

शब्द पहेली -8904 का हल



दैनिक पंचांग

12 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति	उपरान्त समय
सूर्य	तुला में	06.36 घंटे से
चंद्र	वृश्चिक में	06.52 घंटे से
मंगल	कर्क में	10.57 घंटे से
बुध	तुला में	12.44 घंटे से
गुरु	सिंह में	14.17 घंटे से
शुक्र	कन्या में	15.47 घंटे से
शनि	मीन में	17.27 घंटे से
राहु	सिंह में	19.29 घंटे से
केतु	सिंह में	21.59 घंटे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 घंटे तक

गुरुवार 2026 वर्ष का 316 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण जाकर शरद।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास कार्तिक
पक्ष शुक्ल
तिथि तृतीया 18.10 घंटे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 14.19 घंटे को समाप्त।
योग सुकर्मा 04.37 घंटे रात को समाप्त।
करण गर 18.10 घंटे को समाप्त।
चन्द्रावास 2.2 घंटे
रवि कार्तिक पूर्णिमा 13° 38'
सूर्य दक्षिणायण
कलि अहर्गण 1872891
जूलियन दिन 2461356.5
गत कलियुग संवत् 5128
कल्पारम्भ संवत् 1972949128
सृष्टि सहारम्भ संवत् 1955885128
रोहितिवर्ष संवत् 2552
दिव्य संवत् 4948
सप्तर्षि जासाहि उत्तरायणी
तारीख 01

दिन का चौघड़िया

शुभ	06.54 से	07.22 घंटे तक
चर	07.22 से	08.51 घंटे तक
लाभ	08.51 से	10.19 घंटे तक
अमृत	10.19 से	11.47 घंटे तक
शुभ	11.47 से	01.15 घंटे तक
अमृत	01.15 से	02.43 घंटे तक
काल	02.43 से	04.11 घंटे तक
शुभ	04.11 से	05.40 घंटे तक

रात का चौघड़िया

अमृत	06.40 से	07.11 घंटे तक
चर	07.11 से	08.43 घंटे तक
लाभ	08.43 से	10.14 घंटे तक
काल	10.15 से	11.42 घंटे तक
शुभ	11.42 से	01.10 घंटे तक
अमृत	01.10 से	02.51 घंटे तक
शुभ	02.51 से	04.29 घंटे तक
अमृत	04.29 से	05.58 घंटे तक

चौघड़िया मुहूर्तमाधुर्य- शुभ्रांक श्रेष्ठ मुहूर्त, अमृत ग्रह उद्यम, चर ग्रह व्यापार, लाभ ग्रह धन, मध्यम ग्रह, अशुभ ग्रह रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की भारत देश्या दिक्पति के आधार पर है अतः अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

पडांगचा दिन और रात

[illegible]

सूडोकु नवताल- 7690

सूडोकु नवताल - 7689 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहेली का सौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते...
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

2.7 करोड़ की नल-जल योजना छह साल बाद भी अधूरी, ग्रामीणों को नहीं मिल रहा पानी

बिसोनी पंचायत ने एसडीएम को सौंपा आवेदन, ठेकेदार और पीएचई विभाग की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल



पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्रामीणों को घर-घर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई जल जीवन मिशन की नल-जल योजना सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच उलझकर रह गई है। ग्राम पंचायत बिसोनी में वर्ष 2020-21 में करीब 2.7 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत नल-जल योजना छह साल बाद भी पूरी नहीं हो सकी है। स्थिति यह है कि पानी की टंकियों का निर्माण होने के बावजूद पाइपलाइन और विद्युतीकरण का काम अधूरा है। इसके चलते ग्रामीणों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस संबंध में ग्राम पंचायत बिसोनी की सरपंच श्रीमती वर्षा विजय वारे के द्वारा 29 अक्टूबर 2026 को एसडीएम (राजस्व) लांजी एवं तहसीलदार लांजी को आवेदन सौंपकर अधूरी नल-जल योजना को शीघ्र पूर्ण कराने की मांग की गई है। पंचायत द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार योजना के तहत ठेकेदार ने पानी की टंकी का निर्माण तो कराया, लेकिन शेष दो-तीन छोटी टंकियों का निर्माण आज तक पूरा नहीं किया गया। वहीं पाइपलाइन का कार्य भी कई स्थानों पर अधूरा पड़ा है। आवेदन में बताया गया है कि दखनीटोला की पानी टंकी में विद्युतीकरण का काम तो किया गया है, लेकिन वाटर टॉस्टिंग के बाद ठेकेदार द्वारा बिजली बिल की राशि जमा नहीं की जा रही है। इसके अलावा दखनीटोला में करीब 75 प्रतिशत पाइपलाइन का कार्य अधूरा है। इसी तरह बिसोनी में पानी की टंकी का निर्माण होने के बावजूद विद्युतीकरण के साथ करीब 40 प्रतिशत पाइपलाइन का काम अधूरा पड़ा है। इससे ग्रामीणों को घरों तक नल के माध्यम से पेयजल नहीं मिल पा रहा है।

दो बार दिया आश्वासन, फिर भी नहीं हुआ काम

ग्राम पंचायत के अनुसार अप्रैल 2025 में ठेकेदार ने एक माह के भीतर नल-जल योजना से पूर्ण रूप से पानी की आपूर्ति शुरू करने का आश्वासन दिया था। इसके बाद अप्रैल 2026 में भी योजना का काम पूरा करने की बात कही गई, लेकिन आज तक स्थिति जस की तस बनी हुई है। योजना अधूरी होने के कारण ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।



हैंडपंपों में मोटर लगाकर कर रहे पानी की व्यवस्था

पेयजल संकट को देखते हुए ग्राम पंचायत ने पीएचई विभाग से अनुमति लेकर गांव के 12 हैंडपंपों में मोटर लगाकर पानी की आपूर्ति शुरू कराई है। वहीं गर्मी के दौरान अप्रैल, मई, जून और जुलाई 2026 में ग्राम पंचायत के विभिन्न वार्डों में टैंकरों के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराना पड़ा। पंचायत का कहना है कि इस समस्या को लेकर पीएचई विभाग से कई बार संपर्क किया गया और आवेदन भी दिए गए, लेकिन अब तक अधूरी योजना को पूरा करने की दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्राम पंचायत ने प्रशासन से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग और ठेकेदार की जवाबदेही तय की जाए तथा अधूरी नल-जल योजना का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को योजना के माध्यम से नियमित पेयजल उपलब्ध हो सके।

भाई दूज पर बहनों ने भाइयों के माथे पर लगाया तिलक, लंबी उम्र की कामना की

यमराज और यमुना से जुड़ी पौराणिक कथा का है विशेष महत्व, भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का पर्व परंपरागत उल्लास के साथ मनाया गया

पद्मेश न्यूज। लांजी। भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक भाई दूज का पर्व बुधवार को लांजी नगर सहित पूरे ग्रामीण अंचल में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी आरती उतारी और लंबी उम्र, सुख-समृद्धि एवं खुशहाल जीवन की कामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर उनके प्रति प्रेम और सम्मान प्रकट किया। पर्व को लेकर सुबह से ही घरों में उत्साह का माहौल रहा। बहनों ने पूजा की थाली सजाई, उसमें रोली, अक्षत, दीपक, मिठाई और नारियल रखकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। शुभ मुहूर्त में भाइयों को तिलक लगाकर आरती उतारी और मिठाई खिलाई। कई परिवारों में भाई अपनी बहनों के घर पहुंचे, तो कहीं बहनों ने भाइयों को आमंत्रित कर पारंपरिक रीति निभाई। रोजगार और नौकरी के सिलसिले में बाहर रहने वाले कई भाई भी पर्व मनाने अपने गांव और घर पहुंचे। इससे परिवारों में मिलन और खुशियों का माहौल देखने को मिला।



यमराज और यमुना से जुड़ी है प्रचलित कथा

भाई दूज मनाने के पीछे एक प्रचलित पौराणिक कथा भी जुड़ी हुई है। मान्यता के अनुसार सूर्यदेव और उनकी पत्नी संज्ञा के दो संतानें थीं, पुत्र यमराज और पुत्री यमुना। दोनों भाई-बहन में बहुत स्नेह था। यमुना हमेशा अपने भाई यमराज को अपने घर भोजन के लिए आमंत्रित करती थीं, लेकिन यमराज अपने कार्यों में व्यस्त रहने के कारण उनके निमंत्रण को स्वीकार नहीं कर पाते थे। कहा जाता है कि कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को यमराज अपनी बहन यमुना के घर पहुंचे। भाई को आया देखकर यमुना अत्यंत प्रसन्न हुईं। उन्होंने अपने भाई का आदर-सत्कार किया, माथे पर तिलक लगाया और स्वादिष्ट भोजन कराया। बहन के इस प्रेम और सत्कार से प्रसन्न होकर यमराज ने उन्हें वरदान मांगने को कहा। तब यमुना ने वरदान मांगा कि जो भाई इस दिन अपनी बहन के घर जाकर उसके हाथों तिलक करवाए और भोजन करे, उसे अकाल मृत्यु का भय न रहे तथा उसे सुख-समृद्धि प्राप्त हो। यमराज ने बहन की यह इच्छा स्वीकार कर ली। तभी से कार्तिक शुक्ल द्वितीया को भाई दूज मनाने की परंपरा प्रचलित हुई। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसी कारण इस दिन यमराज और यमुना की पूजा का भी विशेष महत्व माना जाता है।

रिश्तों में मिठास और अपनत्व का संदेश

भाई दूज केवल धार्मिक परंपरा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम, विश्वास, अपनत्व और जिम्मेदारी को मजबूत करने का अवसर भी है। बदलते समय और व्यस्त जीवनशैली के बीच यह पर्व परिवार के सदस्यों को एक-दूसरे के करीब आने का अवसर देता है। लांजी सहित ग्रामीण अंचलों में भी लोगों ने परंपराओं का निर्वहन करते हुए भाई-बहन के इस पवित्र रिश्ते की मिठास और आत्मीयता को बनाए रखा।

पुराने राम मंदिर में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया अन्नकूट महोत्सव

भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन भोग अर्पित कर कराया गया ब्राह्मण भोज, बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

पद्मेश न्यूज। लांजी। दीपावली पर्व के पश्चात नगर में गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट महोत्सव की परंपरा श्रद्धा और उत्साह के साथ निभाई गई। इस वर्ष दीपावली के दूसरे दिन अमावस्या होने के कारण जहां भगवान श्रीराम की रावण पर विजय और अयोध्या आगमन का प्रतीक है, वहीं गोवर्धन पूजा भगवान श्रीकृष्ण द्वारा इंद्रदेव के अहंकार को पराजित करने और प्रकृति के महत्व को स्थापित करने की स्मृति से जुड़ी है।



गोवर्धन पूजा को अन्नकूट पर्व के नाम से भी जाना जाता है। अन्नकूट का शाब्दिक अर्थ अन्न का समूह अथवा विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का पर्व है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण को विविध पकवानों का भोग लगाकर प्रकृति, गौवंश और अन्न के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती है। इसी मान्यता के अनुसार अन्नकूट के अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन भोग अर्पित किए जाते हैं। पुराने राम मंदिर में भी इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए विधि-विधान से पूजन, आरती और भोग लगाया गया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। धार्मिक आयोजन के माध्यम से नगरवासियों ने भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अपनी आस्था प्रकट की और सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

अन्नकूट महोत्सव का आयोजन तीसरे दिन 10 नवंबर को किया गया। नगर के पुराने राम मंदिर परिसर में पंडित लक्ष्मीनारायण वैष्णव के मार्गदर्शन में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण का विधिवत पूजन-अर्चन एवं आरती कर छप्पन भोग अर्पित किए गए। इसके बाद ब्राह्मण भोज कराया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल हुए और भगवान के दर्शन कर अन्नकूट का प्रसाद ग्रहण किया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, दीपावली

लांजी में श्रद्धा और उल्लास के साथ मना गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट महोत्सव

मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण को लगाया छप्पन भोग, अग्रवाल समाज ने अग्रसेन भवन में किया अन्नकूट व दीपावली मिलन समारोह

पद्मेश न्यूज। लांजी। दीपावली पर्व के दूसरे दिन 10 नवंबर को नगर सहित ग्रामीण अंचलों में गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों और मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने गोवर्धन पर्वत का प्रतीक बनाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और भगवान श्रीकृष्ण से परिवार की सुख-समृद्धि एवं क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मंदिरों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। भगवान श्रीकृष्ण को विभिन्न प्रकार के पकवानों, मिठाइयों और पारंपरिक व्यंजनों का भोग लगाया गया। अन्नकूट के तहत तरह-तरह के व्यंजनों से भोग सजाया गया। पूजा और महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कई स्थानों पर गौपूजन कर गायों की आरती उतारी गई तथा गौसेवा का संकल्प लिया गया। धार्मिक आयोजनों के चलते नगर का वातावरण भक्तिमय बना रहा। गोवर्धन पूजा के अवसर पर श्रद्धालुओं ने प्रकृति, कृषि और गौवंश के संरक्षण का संदेश भी दिया। मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र के अहंकार को दूर करने और ब्रजवासियों को अतिवृष्टि से बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा अंगुली पर उठाया था। तभी से गोवर्धन पूजा की परंपरा चली आ रही है। यह पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सामूहिक



सहभागिता का प्रतीक माना जाता है।

अग्रवाल समाज ने अग्रसेन भवन में मनाया अन्नकूट

इसी क्रम में नगर के अग्रवाल समाज की ओर से 10 नवंबर को अग्रसेन भवन में अन्नकूट महोत्सव एवं दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। शाम 6 बजे कार्यक्रम की शुरुआत मां लक्ष्मी और महाराजा अग्रसेन के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की गई। समाज के सदस्यों ने माल्यार्पण कर विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद सामूहिक महाआरती की गई और अन्नकूट भोज प्रारंभ हुआ। समाज के महिला, पुरुषों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक आयोजन में सहभागिता करते हुए प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान दीपावली मिलन समारोह भी आयोजित किया गया। समाज के सदस्यों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं तथा बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजन के माध्यम से सामाजिक एकजुटता, आपसी सद्भाव और पारिवारिक मेल-मिलाप का संदेश दिया गया। पूरे कार्यक्रम में उत्साह और उल्लास का माहौल रहा।

मां सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति ने श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया अन्नकूट महोत्सव

पद्मेश न्यूज। लांजी। मां सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति, गुजरी चौक लांजी के तत्वावधान में 10 नवंबर 2026 को अन्नकूट महोत्सव का भव्य आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर गुजरी चौक स्थित मां सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति परिसर में विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट पकवानों एवं व्यंजनों का भव्य भोग सजाया गया। आकर्षक ढंग से सजे अन्नकूट प्रसाद ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम में क्षेत्र के श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। धार्मिक वातावरण के बीच भगवान को विविध प्रकार के पकवानों का भोग अर्पित किया गया तथा उपस्थित श्रद्धालुओं ने अन्नकूट प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। अन्नकूट महोत्सव हिंदू धर्म की एक महत्वपूर्ण धार्मिक परंपरा है। दीपावली के बाद गोवर्धन पूजा के अवसर पर विशेष रूप से अन्नकूट का आयोजन किया जाता है। अन्नकूट का शाब्दिक अर्थ है अन्न का पर्वत। इस परंपरा में विभिन्न प्रकार के अनाज, सब्जियों, मिठाइयों एवं पकवानों को मिलाकर भगवान को भोग लगाया जाता है। यह आयोजन प्रकृति, अन्न और ईश्वर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ ही सेवा, समर्पण और सामूहिक सद्भाव का संदेश देता है। मां सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति द्वारा आयोजित इस महोत्सव के माध्यम से धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता एवं सहयोग की भावना को भी प्रोत्साहित किया गया। समिति ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं, नगरवासियों एवं क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन का दीपावली मिलन समारोह 13 नवंबर को दहेगांव में

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी के तत्वावधान में दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में 13 नवंबर, शुक्रवार को देवलगांव सेक्टर के ग्राम दहेगांव स्थित पंचायत भवन में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में एसोसिएशन से जुड़े पेंशनर साथियों एवं विभिन्न सेक्टरों के पदाधिकारियों की सहभागिता रहेगी। इस आयोजन का उद्देश्य पेंशनर साथियों के बीच आपसी मेल-मिलाप, सामाजिक सौहार्द और संगठनात्मक एकजुटता को मजबूत करना है। दीपावली की खुशियां साझा करने के साथ ही सभी साथी एक-दूसरे से आत्मीय मुलाकात कर सकेंगे। देवलगांव सेक्टर के प्रभारी सहसराम हरिनखेड़े एवं सचिव जे.एल. चौधरी ने तहसील शाखा के सभी सेक्टरों के पदाधिकारियों और पेंशनर साथियों से निर्धारित तिथि पर दहेगांव पहुंचकर समारोह में सहभागिता निभाने की अपील की है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

करंट लगने से बाघ 'टी-39' की मौत

कोर क्षेत्र में मिला नर बाघ का शव - सात संदिग्धों को किया गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। नवेगांव-नागझिरा व्याघ्र प्रकल्प के नागझिरा अभयारण्य के कोर क्षेत्र में नर बाघ 'टी-39' का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया. मंगलवार, 10 नवंबर को नागझिरा वनपरिक्षेत्र के थाडेझरी बीट अंतर्गत कक्ष क्रमांक 99 के आरक्षित वन क्षेत्र में सामूहिक गश्त के दौरान यह घटना सामने आई. प्राथमिक जांच में बाघ की मौत करंट लगने से होने की आशंका पशु चिकित्सा अधिकारियों ने जताई है. इस मामले में वन विभाग ने अब तक सात संदिग्धों को गिरफ्तार किया है.

जानकारी के अनुसार, थाडेझरी बीट के कक्ष क्रमांक 99 में सामूहिक गश्त कर रहे वन कर्मचारियों को बाघ का



शव दिखाई दिया. उन्होंने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी सूचना दी. घटना की गंभीरता को देखते हुए उपवनसंरक्षक तथा क्षेत्र संचालक पीयूषा जगताप, नागझिरा विभाग के उपसंचालक प्रीतमसिंग कोडापे, सहायक वनसंरक्षक विपिन लांडगे, गश्ती दल के महेंद्र भांगरे और वनपरिक्षेत्र अधिकारी ए.वी. लांबट घटनास्थल पर पहुंचे. मृत बाघ की पहचान 'टी-39' के रूप में हुई. राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की निर्धारित कार्यप्रणाली के अनुसार गठित समिति ने घटनास्थल और मृत बाघ का निरीक्षण किया. समिति में मानद वन्यजीव रक्षक सावन बहेकार, एनटीसीए प्रतिनिधि रुपेश निंबार्ते, वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के सदस्य इद्रिस अहमद तथा पशु चिकित्सा अधिकारी शामिल थे. समिति की उपस्थिति में पशु चिकित्सकों की टीम ने बाघ का पोस्टमार्टम किया.

पंचों की मौजूदगी में अंतिम संस्कार

आगे की जांच के लिए बाघ के विसरा के नमूने एकत्र किए गए हैं. प्राथमिक निरीक्षण में करंट लगने से बाघ की मौत होने की बात पशु चिकित्सा अधिकारियों ने बताई. मृत बाघ के सभी अंग सुरक्षित पाए गए. पोस्टमार्टम के बाद पंचों की मौजूदगी में उसका अंतिम संस्कार किया गया.

मौत के कारणों की जांच जारी

बाघ की मौत का सटीक कारण और घटना के पीछे की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए वन विभाग ने आगे की जांच शुरू कर दी है. इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए विभाग ने सात संदिग्धों को गिरफ्तार किया है.

अंतिम मतदाता सूची 30 नवंबर को होगी प्रकाशित

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार महाराष्ट्र में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत प्रारूप मतदाता सूची पर दावे और आपत्तियां दर्ज करने की समयसीमा बढ़ाकर अब 13 नवंबर कर दी गई है. इससे मतदाताओं को प्रारूप सूची में अपना नाम और अन्य विवरण जांचने तथा आवश्यक सुधार के लिए दावे-आपत्तियां दर्ज कराने का अतिरिक्त अवसर मिला है.

भारत निर्वाचन आयोग ने 14 मई को जारी पत्र के माध्यम से मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की घोषणा की थी. इसके तहत महाराष्ट्र में प्रक्रिया शुरू की गई है. प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अवधि बढ़ाने का निर्णय आयोग ने 30 अक्टूबर को जारी पत्र के माध्यम से लिया है. संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, प्रारूप मतदाता सूची पर दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अवधि 31 अगस्त से 13 नवंबर तक निर्धारित की गई है. वहीं, प्राप्त दावों और आपत्तियों की जांच, नोटिस जारी करने तथा उनके निपटारे की प्रक्रिया 31 अगस्त से 25 नवंबर तक पूरी की जाएगी. इसके बाद 30 नवंबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी. ऐसे में मतदाताओं से अपील है कि वे प्रारूप मतदाता सूची में अपना नाम, पता और अन्य विवरण ध्यानपूर्वक जांच लें, किसी प्रकार की त्रुटि या आपत्ति होने पर निर्धारित समयसीमा के भीतर संबंधित प्रक्रिया पूरी करें, ताकि अंतिम मतदाता सूची में सही जानकारी दर्ज हो सके.

पड़ोसियों ने युवक को पीटा

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। घर के सामने देर रात पटाखे फोड़ने से मना करना एक युवक को भारी पड़ गया. इस बात से नाराज होकर दो पड़ोसियों ने युवक के साथ गालीगलौज करते हुए मारपीट की. एक आरोपी ने मुक्के से भौंह पर वार किया, जबकि दूसरे ने छोटी लोहे की रॉड से सिर पर हमला कर उसे घायल कर दिया. यह घटना फुलचूर के आंबाटोली स्थित महाराष्ट्र कॉलोनी की है.

जानकारी के अनुसार, फिर्यादी मोहित विजय पटले (34) के घर के सामने उसके पड़ोसी वैभव कापसे (25) व योगेश कापसे (25) पटाखे फोड़ रहे थे. घर में छोटी बच्चियां होने और आरोपियों के घर में भी छोटा बच्चा होने का हवाला देते हुए मोहित ने उन्हें देर रात पटाखे नहीं फोड़ने की बात कही. इस पर वैभव ने गालीगलौज करते हुए मोहित से कहा कि 'तेरा बाप भी मुझे घूरता है' और मुक्के से उसकी भौंहों के बीच वार कर दिया. इससे उसे चोट आई. वहीं, दूसरे आरोपी योगेश ने तंबू गाड़ने वाली छोटी लोहे की रॉड से उसके सिर पर हमला किया, जिससे सिर में चोट लगने के साथ खून निकलने लगा. फिर्यादी की शिकायत पर ग्रामीण पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार विनोद कटरे कर रहे हैं.

चौपहिया वाहन की टक्कर से दो युवक घायल

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। सालेकसा थाने के तहत साकरीटोला-देवरी मार्ग पर स्थित गणेश शेंडे के घर के आगे चौपहिया वाहन ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी. जिसमें दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. जानकारी के अनुसार, देवरी तहसील के सावली निवासी राजेश गणेश शेंडे (25) व प्रविण मुकुंदराज चुटे (27) अपनी मोटरसाइकिल से साकरीटोला-देवरी मार्ग से जा रहे थे. इसी बीच चौपहिया वाहन के चालक ने अपना वाहन लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी. जिसमें राजेश व प्रवीण घायल हो गए, फिर्यादी सुशिला श्रीराम चुटे (52) की शिकायत पर सालेकसा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस नायक राऊत कर रहे हैं.

ज्यादा शराब पीने से युवक की मौत

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। तिरोड़ा थाने के तहत मेंढीपुर निवासी चौरंढ पांडुरंग रिनाईत (30) ज्यादा शराब पीने से ग्राम काचेवानी रेलवे गेट पर गिरा हुआ था. उसे उपजिला अस्पताल तिरोड़ा में ले जाया गया. जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. फिर्यादी संजय भोजराज रिनाईत (50) की शिकायत पर तिरोड़ा पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार बिछेरे कर रहे हैं.

94 दिनों में महिला एवं बाल विकास विभाग ने 84 हजार से अधिक शिकायतों का किया निराकरण

भोपाल। मध्यप्रदेश में नागरिकों की शिकायतों के त्वरित निराकरण की दिशा में महिला एवं बाल विकास विभाग ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विभाग ने महज 94 दिनों में सीएम हेल्पलाइन की 84 हजार 289 शिकायतों का निराकरण किया है। सितंबर 2026 की विभागीय ग्रेडिंग में 87.33 वेटेज स्कोर के साथ विभाग को 'ए' ग्रेड मिला है। साथ ही प्रदेश में विभाग की रैंकिंग सातवें से सुधरकर चौथे स्थान पर पहुंच गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने बताया कि 30 जुलाई 2026 तक विभाग में 62 हजार 918 शिकायतें लंबित थीं। इसके बाद 3 नवंबर तक 52 हजार 229 नई शिकायतें प्राप्त हुईं। इस प्रकार कुल 1 लाख 15 हजार 147 शिकायतों में से 84 हजार 289 का निराकरण किया गया। इनमें 46 हजार 36 पुरानी और 38 हजार 253 नई शिकायतें शामिल हैं। इस दौरान कुल शिकायतों में से लगभग 73 प्रतिशत का समाधान किया गया। विभाग ने एक अप्रैल से 3 नवंबर 2026 तक प्राप्त 1 लाख 18 हजार 514 शिकायतों में से 99 हजार 932 का निराकरण किया, जो लगभग 84 प्रतिशत है। विशेष निराकरण अभियान के तहत 18 सितंबर से 1 अक्टूबर तक सर्वाधिक शिकायतों का समाधान कर विभाग राज्य में 'बेस्ट परफॉर्मर' बना। सितंबर की जिलेवार ग्रेडिंग में प्रदेश के 55 जिलों में से 54 को 'ए' ग्रेड मिला। रायसेन 97.43 अंक के साथ प्रथम, राजगढ़ 95.95 के साथ दूसरे और दतिया 94.40 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

कावराबांध-नवेगांव मार्ग पर झाड़ियों का कब्जा

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। कावराबांध-नवेगांव मार्ग के दोनों ओर बड़ी संख्या में उगी झाड़ियों के कारण वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. झाड़ियों ने सड़क के किनारों को पूरी तरह घेर लिया है, जिससे मार्ग संकरा हो गया है. ऐसे में विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए इस मार्ग से सफर करना जोखिम भरा साबित हो रहा है.

सड़क के दोनों ओर फैली झाड़ियों के कारण सामने से आने वाले वाहन समय पर दिखाई नहीं देते. वहीं, मार्ग पर जगह-जगह मोड़ होने से दुर्घटनाओं की आशंका और बढ़ गई है. ऐसे में आमने-सामने से आने वाले वाहनों को टक्कर होने का खतरा बना रहता है. रात के समय और बारिश के दौरान स्थिति और भी गंभीर हो जाती है. इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण, विद्यार्थी, नौकरीपेशा लोग, किसान तथा दोपहिया और चारपहिया वाहन चालक आवागमन करते हैं. इसके बावजूद सड़क किनारे उगी झाड़ियों की कटाई और साफ-सफाई की ओर संबंधित विभाग का ध्यान नहीं है. स्थानीय नागरिकों का कहना है कि समय रहते झाड़ियों की कटाई नहीं की गई तो भविष्य में इस मार्ग पर गंभीर दुर्घटनाएं हो सकती हैं.

जनप्रतिनिधियों को ध्यान देने की जरूरत

स्थानीय नागरिकों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से कावराबांध-नवेगांव मार्ग के दोनों ओर उगी झाड़ियों की तत्काल कटाई करने, सड़क किनारों की साफ-सफाई कराने तथा क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत करने की मांग की है. साथ ही भविष्य में ऐसी समस्या उत्पन्न न हो, इसके लिए नियमित साफ-सफाई और आवश्यक सड़क सुरक्षा उपाय करने की मांग भी की जा रही है. अब देखना यह है कि संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधि इस समस्या को कितनी गंभीरता से लेते हैं.

आश्रमशालाओं की सुविधाओं पर उठे सवाल

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। शासन की ओर से करोड़ों रु. का अनुदान मिलने के बावजूद आदिवासी विकास विभाग की आश्रमशालाओं में विद्यार्थियों को वास्तव में कैसी सुविधाएं मिल रही हैं? कागजों पर दिखाई जाने वाली बेहतर व्यवस्थाओं और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों की वास्तविक स्थिति के बीच का अंतर अब चर्चा का विषय बन गया है. आश्रमशालाओं की सुरक्षा व्यवस्था और अनुदान के कथित दुरुपयोग को लेकर उठ रहे सवालों के बीच अर्जुनी मोरगांव, गोठणगांव और महागांव क्षेत्र की आदिवासी बहुल बस्तियों में संचालित आश्रमशालाओं की विशेष जांच शुरू की गई है.

आदिवासी क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित आवास, स्वास्थ्य सुविधाएं और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए सरकार की ओर से हर महीने बड़ी राशि मंजूर की जाती है. लेकिन, कई आश्रमशालाओं में चुनिंदा सुविधाएं और विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर शिकायतें सामने आ रही हैं. पेयजल टैंकियों की नियमित सफाई नहीं होना, अस्वच्छ शौचालय और रात के समय चिकित्सा सुविधाओं का अभाव प्रमुख समस्याओं में शामिल हैं. विद्यार्थियों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता और निर्धारित मेनू को लेकर भी अभिभावकों में नाराजगी है. इसके अलावा रात के समय छात्रावासों में वार्डन और कर्मचारियों की अनुपस्थिति, सुरक्षा दीवारों की खराब स्थिति तथा जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा भी अभिभावकों की चिंता बढ़ा रहा है.

अभिभावकों में नाराजगी

स्थानीय अभिभावकों और ग्रामीणों का कहना है कि ये भरोसे के साथ अपने बच्चों को आश्रमशालाओं में भेजते हैं, लेकिन वहां कई बार बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं रहतीं. केवल कागजों पर विद्यार्थियों की संख्या दिखाकर अनुदान प्राप्त करने और बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाली संस्थाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, ऐसी मांग अभिभावकों ने उठाई है.

स्वामियां मिलने पर होगी कार्रवाई

राज्य स्तर पर शुरू किए गए व्यापक ऑडिट और जांच अभियान की पृष्ठभूमि में स्थानीय स्तर पर गठित जांच दल ने भी आश्रमशालाओं का औचक निरीक्षण शुरू किया है. इस जांच में केवल दस्तावेजों की पड़ताल तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों की सुरक्षा, भोजन की वास्तविक गुणवत्ता, आवासीय व्यवस्था और सरकारी अनुदान का उचित उपयोग हो रहा है या नहीं, इसकी भौके पर जांच की जा रही है. जांच दल द्वारा आवश्यक निरीक्षण और पंचनामा किया जा रहा है. इस अभियान से नियमों का उल्लंघन करने वाली संस्थाओं और संबंधित जिम्मेदारों में हड़कंप मचा हुआ है. अब जांच में सामने आने वाली खामियों और प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं.

बोरकन्हार-पाऊलदौना-फुक्कीमेटा मार्ग बदहाली का शिकार

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। आमगांव के तहसील अंतर्गत बोरकन्हार-पाऊलदौना-फुक्कीमेटा मार्ग की बदहाल स्थिति से वाहन चालकों और राहगीरों को रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. सड़क की खराब हालत के कारण इस मार्ग से आवागमन करना जोखिम भरा हो गया है. इसके बावजूद प्रशासन की ओर से सड़क की मरम्मत के लिए अब तक कोई ठोस पहल होती दिखाई नहीं दे रही है. इससे स्थानीय नागरिकों में नाराजगी बढ़ रही है.

इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में दोपहिया, चारपहिया और अन्य वाहनों की आवाजाही होती है. सड़क की खराब स्थिति के चलते वाहन चालकों को काफी संभलकर वाहन चलाना पड़ता है. विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों के लिए यहां से गुजरना चुनौतीपूर्ण हो गया है. जरा सी लापरवाही दुर्घटना का कारण बन सकती है. ऐसे में वाहन चालकों को हर समय सतर्कता बरतनी पड़ रही है. सड़क की बदहाली का असर केवल वाहन चालकों तक सीमित नहीं है. ग्रामीणों, विद्यार्थियों, महिलाओं और बुजुर्गों को भी इस मार्ग से आवागमन करने में दिक्कतें हो रही हैं. रोजमर्रा के कामकाज और अन्य जरूरी कार्यों के लिए इस मार्ग का उपयोग करने वाले नागरिकों को अनावश्यक परेशानी झेलनी पड़ रही है. सड़क की खराब स्थिति के कारण पैदल आवागमन भी मुश्किल होता जा रहा है.

मरम्मत की मांग

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सड़क जैसी बुनियादी सुविधा की अनदेखी से ग्रामीणों को रोजाना परेशान होना पड़ रहा है. कई बार सड़क की स्थिति में सुधार की आवश्यकता महसूस होने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो रहा है. नागरिकों ने प्रशासन से मार्ग का निरीक्षण कर जल्द से जल्द मरम्मत कार्य आवागमन करने में दिक्कतें हो रही हैं. रोजमर्रा के कामकाज और अन्य जरूरी कार्यों के लिए इस मार्ग का उपयोग करने वाले नागरिकों की अनावश्यक परेशानी झेलनी पड़ रही है. सड़क की खराब स्थिति के कारण पैदल आवागमन भी मुश्किल होता जा रहा है.

काकड़ आरती की 125 साल पुरानी परंपरा बरकरार

कोजागिरी पूर्णिमा से कार्तिक पूर्णिमा तक एक माह चलता है भक्तिमय आयोजन

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। समय बदला, उत्साहपूर्वक सहभागी होते हैं. भजन मंडली, ग्रामवासी पोशाकें बदलीं और आधुनिकता ने तेजी से कदम बढ़ाए, लेकिन सौंदड़ गांव में श्रद्धा और भक्ति के सुर आज भी पहले जैसे ही गूंज रहे हैं. सुबह की पहली किरण निकलने से पहले टाल-मृदंग की गूंज, विट्ठल नाम का जयघोष और मंदिर में काकड़ आरती की भक्तिमय धुन के साथ गांव पिछले 125 वर्षों से अनूठी धार्मिक परंपरा को संजोए हुए है. कोजागिरी पूर्णिमा से कार्तिक पूर्णिमा तक लगातार एक माह चलने वाली यह काकड़ आरती गांव की आध्यात्मिक विरासत और सामाजिक एकता का प्रतीक बन गई है. प्रतिदिन तड़के अंधेरा रहते ही गांव के श्रद्धालु खान कर आरती के लिए एकत्रित होते हैं. काकड़ आरती और भजन शुरू होते ही टाल-मृदंग की ताल पर पूरा वातावरण विठ्ठल भक्ति में सराबोर हो जाता है. इस धार्मिक आयोजन में गांव के बुजुर्गों के साथ युवा भी



गायक, पुजारी, टाल वादक और ढोलक वादकों की सहभागिता से पूरे माह भक्तिमय माहौल बना रहता है. कार्तिक पूर्णिमा के दिन विशेष धार्मिक आयोजन के साथ इस परंपरा का समापन किया जाता है. इस अवसर पर समस्त एकत्रित होकर भक्तिभाव से उत्सव मनाते हैं. सौंदड़ गांव की इस 125 वर्ष पुरानी काकड़ आरती की परंपरा को आज भी चांदेवार परिवार के सदस्य सहयोग और समर्पण के साथ आगे बढ़ा रहे हैं. इसमें महादेव रामा चांदेवार, सावजी महादू चांदेवार, धीवरू चांदेवार, बंडू चांदेवार, बारकू महादू चांदेवार, रामेश्वरदास जमनादास लोहिया, कारुजी चांदेवार, परसरामजी चांदेवार, चामन चांदेवार, शामराव चांदेवार, चंद्रकांत चांदेवार, गजानन चांदेवार, सुभाष चांदेवार, प्यारे लाल चांदेवार सहित समस्त चांदेवार परिवार का योगदान महत्वपूर्ण है. आधुनिकता के दौर में भी सौंदड़ गांव के लोगों ने अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखा है. 125 वर्षों से निरंतर चली आ रही यह परंपरा आने वाली पीढ़ियों के लिए श्रद्धा, संस्कार और सामाजिक एकता की प्रेरणा बनी हुई है.

होटल जलसा के कमरे से एमडी ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

भोपाल। बागसेवनिया पुलिस ने इलाके में स्थित जलसा होटल से एमडी ड्रग्स के साथ एक युवक को दबोचा है। आरोपी होटल के कमरा नंबर 403 में रुककर ग्राहकों का इंतजार कर रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से 2.51 ग्राम एमडी ड्रग्स, मोबाइल फोन सहित करीब 80 हजार का माल जब्त किया है। ऋाम्रघ्र ब्रांच थाना टीआई अशोक मरावी के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी की पहचान अनिल राठौर पिता दशरथ सिंह राठौर (34) निवासी पंचायत भवन के पास, ग्राम बिलकिसगंज, जिला सीहोर के रूप में हुई है। वह ब्रोकर का काम करता है। ऋाम्रघ्र ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली थी, कि होटल के कमरे में एक संदिग्ध युवक एमडी ड्रग्स बेचने के लिए ग्राहक बुला रहा है।

अर्जुनी मोरगांव में 2 लाख क्विंटल मक्का उत्पादन का लक्ष्य

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। इस वर्ष क्षेत्र में बनी सूखे की स्थिति को देखते हुए किसान अब कम पानी में होने वाली वैकल्पिक फसलों की ओर रुख कर रहे हैं. इसी क्रम में अर्जुनी मोरगांव तहसील के किसानों ने रबी सीजन में मक्का की खेती को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है. पिछले वर्ष तहसील में करीब एक लाख क्विंटल मक्का उत्पादन हुआ था. इस वर्ष उत्पादन को दोगुना कर दो लाख क्विंटल तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है. दीपावली के बाद किसानों ने खेतों की मशागत कर मक्का बुआई की तैयारियां शुरू कर दी हैं.

तहसील में धान प्रमुख फसल है, लेकिन इसकी खेती के लिए अधिक पानी की आवश्यकता होती है. वहीं, धान के बाजार भाव में लगातार उतार-चढ़ाव के कारण किसान अब वैकल्पिक नकदी फसलों की तलाश कर रहे हैं. मक्का



अपेक्षाकृत कम पानी में तैयार होने वाली फसल है और बाजार में इसकी अच्छी मांग भी है. यही वजह है कि किसानों का रुझान तेजी से मक्का की खेती की ओर बढ़ रहा है. तहसील में गोठणगांव स्थित इटियाडोह और नवेगांबांध दो प्रमुख जलाशय हैं. लेकिन, शासन की जल नियोजन नीति के तहत इस वर्ष 50 प्रश. जल भंडारण आरक्षित रखे जाने से सिंचाई के लिए उपलब्ध पानी पर मर्यादा आई है. इटियाडोह जलाशय से अर्जुनी मोरगांव तहसील के लिए करीब 5 हजार 500 हेक्टेयर क्षेत्र का जल नियोजन किया गया है. वहीं, नवेगांबांध जलाशय से भी निर्धारित जल भंडारण की सीमा में सिंचाई का नियोजन किया गया है. ऐसे में नहरों के पानी पर निर्भर किसानों की तुलना में बोरवेल और पंप के माध्यम से सिंचाई की सुविधा रखने वाले किसान मक्का की खेती को अधिक प्राथमिकता दे रहे हैं. कुल मिलाकर, सूखे की परिस्थिति में कम पानी की आवश्यकता, नकदी फसल का विकल्प और इथेनॉल उद्योग में बढ़ती मांग को देखते हुए अर्जुनी मोरगांव तहसील में मक्का की खेती किसानों के लिए एक बेहतर विकल्प बनती नजर आ रही है. कृषि विभाग का समय पर मार्गदर्शन और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होने पर इस वर्ष तहसील में दो लाख क्विंटल मक्का उत्पादन का लक्ष्य हासिल होने की उम्मीद है.

इथेनॉल उद्योग से बढ़ी मक्का की मांग

मक्का के बाजार भाव भी किसानों को आकर्षित कर रहे हैं. वर्तमान में खुले बाजार और कृषि उपज मंडियों में मक्का को 2,500 से 2,800 रु. प्रति क्विंटल तक भाव मिल रहा है. इस वर्ष धान के भाव भी संतोषजनक हैं, लेकिन मक्का की औद्योगिक मांग किसानों के लिए बेहतर अवसर बनकर उभरी है. विशेषकर इथेनॉल उत्पादन में मक्का का बड़े पैमाने पर उपयोग होने से आने वाले दिनों में इसकी मांग और बाजार भाव में वृद्धि की संभावना जताई जा रही है.

कृषि विभाग की जिम्मेदारी बढ़ी

तहसील में मक्का का रकबा और उत्पादन बढ़ने की संभावना को देखते हुए कृषि विभाग की जिम्मेदारी भी बढ़ गई है. किसानों को उन्नत किस्मों का चयन, गुणवत्तापूर्ण बीज, बीजोपचार, संतुलित उर्वरक उपयोग, कीट व रोग नियंत्रण तथा फसल प्रबंधन की जानकारी समय पर मिलना जरूरी है. इसके लिए कृषि विभाग को गांव स्तर पर बैठकें आयोजित कर मक्का उत्पादक किसानों को प्रत्यक्ष खेतों में मार्गदर्शन देना चाहिए. साथ ही आवश्यक कृषि सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए. यह मांग सावरटोला के सरपंच युवराज तरोणे ने की है.

अर्जुनी मोरगांव में गोवर्धन पूजा उत्साह के साथ संपन्न

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। भारतीय संस्कृति में प्रकृति और पशु-पक्षियों की पूजा का विशेष महत्व है. इसी परंपरा के तहत दीपावली के पांच दिवसीय उत्सव में गोवर्धन पूजा श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई जाती है. इसी अवसर पर अर्जुनी मोरगांव शहर में गोवारी समाज की ओर से आदिवासी गोवारी शहीद स्मारक परिसर में गोवर्धन पूजा व गोपूजन का आयोजन किया गया.

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्रदेव के प्रकोप से वृंदावनवासियों की रक्षा करने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी अंगुली पर उठाकर सभी को आश्रय दिया था. इसके बाद से गोवर्धन पूजा की परंपरा शुरू हुई. यह पर्व प्रकृति संरक्षण, जीवों के प्रति दया और किसानों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गाय-बैलों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का संदेश देता है. इस अवसर पर गोवारी समाज की और



से पारंपरिक ढाल और दंडार के साथ दुर्गा चौक से गोवर्धन पूजा स्थल तक भव्य पदयात्रा निकाली गई. पूजा स्थल पर गाय-गोवर्धन की प्रतिकृति तैयार कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई. पारंपरिक वेशभूषा में किसान और गोपालक अपने पालतू पशुओं के साथ बड़ी संख्या में शामिल हुए, पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा. कार्यक्रम में पूर्व नगराध्यक्ष किशोर शहारे, खरेदी-बिक्री संस्था के उपसभापति विजय कापगते, पूर्व पुलिस पाटिल रेशीम पर्वते, पार्षद भैंडारकर, शालिक हातझाडे, दादा जोशी, ओमप्रकाशसिंह पवार, गोवारी समाज अध्यक्ष पांडुरंग नेवारे, गोपाल ठाकरे, मुरारी परसमोडे, लेखराम मानकर, नितेश राऊत, दिगंबर कोहरे, मुरलीधर नेवारे, आसाराम कोहरे, शंकर नेवारे व परसराम नेवारे सहित शहर के बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे.

नोस्कोवा डब्ल्यूटीए फाइनल्स में गॉफ को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची

इंडियन वेल्स। चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा ने यहां जारी डब्ल्यूटीए महिला टेनिस फाइनल्स के एक मुकाबले में अमेरिका की कोको गॉफ को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी है। नोस्कोवा ने गॉफ को सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। यह मुकाबला केवल 75 मिनट तक चला और इसमें नोस्कोवा ने अपने अच्छे खेल से सभी को प्रभावित किया। उनकी इस शानदार जीत ने न केवल उन्हें टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंचाया है, बल्कि कई महत्वपूर्ण रिकॉर्ड भी उनके नाम किए हैं।

नोस्कोवा की यह उपलब्धि कई मायनों में ऐतिहासिक है। वह 2011 में दिग्गज पेट्रा क्विटोवा के बाद अपने पहले डब्ल्यूटीए फाइनल्स में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं। इसके अलावा, डब्ल्यूटीए के आंकड़ों के अनुसार, वह 2024 में गॉफ के बाद अपने पहले दो राउंड-रॉबिन मैच जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी हैं और 2021 में एनेट कोंटावेट के बाद ऐसा करने वाली पहली नंबर 8 सीड हैं। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में कितनी तेजी से अपनी छाप छोड़ रही हैं।

मैच के बाद नोस्कोवा ने अपनी आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें पता ही नहीं था कि वह सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने कहा, मुझे तो यह भी नहीं पता था कि मैं सेमीफाइनल में हूं। मैच खत्म होने के ठीक बाद, मैं पहले से ही इस बात पर ध्यान कर रही थी कि मैं दो दिन में पेगुला के साथ कैसे खेलूंगी। इसलिए मेरे लिए ज्यादा कुछ नहीं बदला है। मैं अभी भी जीतना चाहती हूं। मैं अभी भी जो भी स्कोर, जो भी जीत मुमकिन हो, हासिल करना चाहती हूं।



कि वह सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने

मैच में लिंडा नोस्कोवा ने शानदार आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने गॉफ की सर्विस को पांच बार ब्रेक किया, जिसमें शुरुआती सेट में चार बार शामिल हैं, जिसने उन्हें जल्द ही मजबूत बढ़त बनाने में मदद की। नोस्कोवा ने नौ में से पांच ब्रेक-पॉइंट मौकों को सफलतापूर्वक भुनाया और कोको गॉफ की दूसरी सर्विस पर 75 प्रतिशत (24 में से 18) अंक जीते।

दूसरी ओर, इस हार के बाद गॉफ को सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाने के लिए अब अपने तीसरे और अंतिम राउंड-रॉबिन मैच में माटे कोस्त्युक के खिलाफ जीत हासिल करना अनिवार्य होगा। गॉफ, जो 2006 में मारिया शारापोवा के बाद डब्ल्यूटीए फाइनल्स में अपने तीसरे सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनने की महत्वाकांक्षा रखती हैं, ने कोस्त्युक के खिलाफ छह में से चार हेड-टू-हेड मुकाबले जीते हैं, जो उन्हें आत्मविश्वास प्रदान करेगा। वहीं एक अन्य मुकाबले में अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने कोस्त्युक को डेढ़ घंटे चले मुकाबले में 6-2, 7-5 से हराया।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में पहली बार शीर्ष 10 में पहुंचा कोई अफगान खिलाड़ी रहमत शाह को मिला सातवां स्थान

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की रैंकिंग में पहली बार अफगानिस्तान के किसी खिलाड़ी को शीर्ष 10 में जगह मिली है। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान रहमत शाह ने आईसीसी टेस्ट प्लेयर रैंकिंग में सातवां स्थान हासिल किया है। शारजाह में जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने शानदार प्रदर्शन के बाद रहमत को शीर्ष 10 में जगह मिली। वे किसी अफगान खिलाड़ी द्वारा हासिल की गयी अब तक की सबसे बेहतर रैंकिंग है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि के पीछे दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में बनाए गए उनके 173 रन रहे, जिसने उन्हें करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग दिलाई। इस पारी के बल पर रहमत भारत के शुभमन गिल, दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्कराम और श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस जैसे स्थापित बल्लेबाजों से आगे निकल गए हैं। 33 वर्षीय रहमत के लिए यह पारी उनके टेस्ट करियर का पांचवां और इस साल का दूसरा शतक था। यह उपलब्धि ऐसे समय में आई है जब अफगानिस्तान की टीम ने हाल ही में आईसीसी पुरुष वनडे टीम रैंकिंग में भी अपना सर्वोच्च स्थान (छठा नंबर) हासिल किया है।



रहमत के अलावा, हालिया टेस्ट रैंकिंग में कई अन्य खिलाड़ियों को भी फायदा हुआ है। जिम्बाब्वे के जेंग इरविन ने भी अफगानिस्तान के खिलाफ शारजाह टेस्ट की दूसरी पारी में दोहरा शतक जड़कर नौ स्थान की छलांग लगाई और 48वें नंबर पर पहुंच गए। बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज के संपन्न होने से भी बल्लेबाजी रैंकिंग में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिले। वेस्टइंडीज के कायेम हॉज 12 स्थान ऊपर चढ़कर 52वें नंबर पर पहुंच गए, जबकि बांग्लादेश के तौहिद हृदोय ने 60वां स्थान हासिल किया। वेस्टइंडीज के ही एक अन्य बल्लेबाज आमिर जंगू भी 62वें नंबर पर पहुंच गये हैं।

दूसरी ओर गेंदबाजों में, वेस्टइंडीज के स्पिनर जोमेल वारिकन ने बांग्लादेश के खिलाफ प्लेयर ऑफ द सीरीज प्रदर्शन के बाद करियर की सबसे ऊंची रेटिंग प्राप्त की। वह टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में 11 पायदान ऊपर चढ़कर 19वें नंबर पर आ गए और ऑलराउंडरों की सूची में चार पायदान ऊपर चढ़कर 31वें स्थान पर पहुंच गए। उनके साथी जस्टिन ग्रीव्स को भी फायदा हुआ, जो टेस्ट ऑलराउंडर्स की लिस्ट में एक स्थान आगे बढ़कर आठवें नंबर पर आ गए।

भारतीय स्पिनर अक्षर पटेल वेलिंगटन में दूसरे मैच में 2/28 विकेट लेने के बाद वनडे गेंदबाजों में 23 पायदान ऊपर चढ़कर 21वें नंबर पर आ गए। ऑकलैंड में सीरीज के पहले मैच में चार विकेट लेने के बाद बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 11 पायदान ऊपर चढ़कर 31वें नंबर पर पहुंच गए। न्यूजीलैंड सीरीज से पहले टॉप-100 से बाहर रहे युवा भारतीय तेज गेंदबाज गुरनूर ब्रार 2 मैचों में 7 विकेट लेकर 48वें नंबर पर पहुंच गये हैं।

आर्यवीर सबसे अधिक रन बनाने वाले युवा क्रिकेटरों के क्लब में शामिल

मस्कट। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्लामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग ने ओमान में जारी अंडर-19 एशिया कप 2026 में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ 168 गेंदों पर 160 रन की आक्रामक पारी खेलकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। इस यादगार पारी के साथ ही आर्यवीर ने देश के उन शीर्ष युवा बल्लेबाजों के क्लब में पहुंच गये हैं, जिन्होंने एकदिवसीय अंडर-19 क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाये हैं। आर्यवीर अपनी इस 160 रनों की पारी के साथ ही युवा एकदिवसीय क्रिकेटरों के साथ शामिल हो गये हैं। इस श्रेणी में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर अंबाती रायडू का है। रायडू ने साल 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 177 रन बनाए थे। हाल ही में 2026 अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड के खिलाफ 175 रन बनाकर बनाये थे।

हरियाणा के मैदानों जैसे लगते हैं न्यूजीलैंड के मैदान - अंशुल कंबोज

हैमिल्टन। भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज न्यूजीलैंड के अपने पहले ही दौरे में खासे सफल रहे हैं। उन्हें खेलना मेजबान बल्लेबाजों के लिए कठिन रहा है। अंशुल ने अपनी सफलता का राज बताया है। उनका कहना है कि न्यूजीलैंड के हालात हरियाणा के मैदानों से मेल खाते हैं। यहां का ठंडा मौसम वैसा ही लगता है जैसे की वह हरियाणा में सर्दियों में अपने घरेलू मैदान पर खेल रहे हों। इस क्रिकेटर ने 13 साल की उम्र से ही लाहली में क्रिकेट खेलना शुरू किया था।

ऑकलैंड के ईडन पार्क और वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व की उछाल भरी पिचों पर पहले दो एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में अंशुल का सामना कीवी बल्लेबाज कर नहीं पाये। उन्होंने पहले बदलाव के रूप में शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को अपनी सटीक लाइन और लेंथ से खूब परेशान किया। कंबोज ने पहले मैच में 22 रन देकर दो और दूसरे मैच में 25 रन देकर दो विकेट हासिल किए, जो उनकी गेंदबाजी की धार को दिखाते हैं। कंबोज ने कहा, मैंने 13 साल की उम्र में खेलना शुरू किया था। मैं हरियाणा के लिए खेलता हूं इसलिए यहां का मौसम और पिचें काफी हद तक हरियाणा जैसी ही हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भले ही हालात तेज गेंदबाजों के अनुकूल हों, सटीकता से समझौता नहीं किया जा सकता। अंशुल ने अपनी रणनीति बताते हुए कहा, यह पिच और परिस्थितियों के हिसाब से सटीक लाइन और सही लेंथ पर गेंदबाजी करने की बात है। फिलहाल यह मेरे लिए कारगर साबित हो रहा है और मैं सिर्फ इसी पर ध्यान दे रहा हूं।

अंशुल ने भारत ए की ओर से न्यूजीलैंड में एक मुकाबला खेला था, जिसने उन्हें यहां की पिचों पर गेंदबाजी के लिए सही लेंथ का अंदाजा लगाने में मदद की। अंशुल का घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए 14 मैचों में 21 विकेट हासिल किए। भले ही उस दौरान महेंद्र सिंह धोनी ने कोई मैच नहीं खेला, लेकिन उनकी मौजूदगी और टीम के पूर्व मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग की सलाह ने कंबोज को काफी कुछ सीखने का मौका दिया। कंबोज ने इस अनुभव पर कहा, यह मेरे लिए सीखने का अच्छा अनुभव रहा और मैं अब भी बहुत कुछ सीख रहा हूं। नतीजों के बारे में बहुत ज्यादा सोचने के बजाय मेरा ध्यान इस बात पर है कि मुझे क्या करना है और मैदान पर किस तरह अपना काम करना है।

भारतीय अंडर 19 टीम आज सेमीफाइनल में अफगानिस्तान से खेलेगी

नई दिल्ली । भारत की अंडर-19 क्रिकेट टीम गुरुवार को एशिया कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान से मुकाबला करेगी। यह निर्णायक मुकाबला भारतीय समयानुसार सुबह 10:30 बजे खेला जाएगा। भारतीय जूनियर टीम ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ जीत के साथ ही सेमीफाइनल में जगह बनायी है। भारतीय टीम के सेमीफाइनल तक के सफर में वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग, की अहम भूमिका रही। आर्यवीर ने ही यूएई के खिलाफ शतक लगाकर टीम को जीत दिलायी थी। इस मैच में इस उभरते बल्लेबाज ने 160 रन बनाये थे। उनकी इस यादगार पारी की बदौलत भारतीय टीम सात विकेट पर 309 रन का एक मजबूत स्कोर खड़ा करने में सफल रही।



जवाब में, यूएई की टीम 50 ओवर में 239 रन ही सिमट गई, जिससे भारत ने आसानी से सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भारतीय टीम ने अपने तीन में से तीन जीते हैं, उसे एक मैच में पाकिस्तान के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।वहीं अफगान टीम ने अपने तीनों मैच जीते हैं। ग्रुप स्टेज में सेमीफाइनल में कड़ा मुकाबला रहेगा।

यूएई के खिलाफ मैच में आर्यवीर खास तौर पर तेज गेंदबाज नूरअह अगोवी को निशाना बनाय। जिनके खिलाफ पारी के 10वें और फिर 14वें ओवर में मिडविकेट के ऊपर से शानदार शॉट लगाए। हिदायतुल्लाह खान की गेंद पर मिडविकेट की दिशा में चौका लगाकर खाता खोलने के बाद, उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर जैनुल्लाह रहमानी की गेंद पर आगे बढ़कर शॉट खेलते हुए पहला छक्का जड़ा। उन्होंने 69 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर 131 गेंदों में यादगार शतक पूरा किया। शतक पूरा करने के बाद आर्यवीर ने गेंदबाजों पर पूरी तरह से दबदबा बना लिया, उन्होंने अगले 60 रन महज 37 गेंदों में जोड़ दिए, जिसमें नूरअह्द की गेंद पर एक सीधा छक्का लगाकर 150 रन का आंकड़ा पार करना भी शामिल था। उनकी शानदार पारी का अंत नसीम खान की गेंद पर मिडविकेट में कैच आउट होने के साथ हुआ। इससे पहले आर्यवीर ने नेपाल के खिलाफ नाबाद 70 रन और पाकिस्तान के खिलाफ 22 रन बनाए थे।आर्यवीर के अलावा, वीके विनीत ने भी 69 गेंदों पर उपयोगी 67 रन का योगदान दिया, जबकि अन्यय द्रविड़ ने नौ गेंदों पर 12 रन की तेजतर्रार पारी खेली जिसमें एक छक्का भी शामिल था।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में केरल की कप्तानी करेंगे सैमसन

तिरुवनंतपुरम। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में केरल की कप्तानी करते दिखेंगे। केरल क्रिकेट एसोसिएशन ने आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 के लिए सैमसन को टीम का कप्तान बनाया है। मुश्ताक अली ट्रॉफी 24 नवंबर से होने जा रही है। टीम के चयनकर्ताओं ने 18 सदस्यीय मजबूत और संतुलित दल घोषित किया है।

सैमसन केरल की टीम में लंबे समय के बाद वापसी कर रहे हैं। उन्होंने इस साल की शुरुआत में पुडुचेरी के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी में खेला था, जो केरल के लिए उनका अंतिम मैच था। इसके बाद से वह पूरी तरह से भारतीय राष्ट्रीय टीम से ही खेलते रहे। राष्ट्रीय स्तर पर लगातार अच्छे प्रदर्शन करने के बाद अब संजू घरेलू मंच पर अपनी घरेलू टीम का नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में केरल अपना पहला मुकाबला 24 नवंबर को मध्य प्रदेश के खिलाफ खेलेगी। ये मैच मोहाली के पास तीरा स्थित पीसीए स्टेडियम में खेला जाएगा। केरल की इस टूर्नामेंट में ग्रुप सी में रखा गया है। इस ग्रुप में केरल के अलावा मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, असम, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, पुडुचेरी और त्रिपुरा जैसी मजबूत टीमें शामिल हैं, जिससे मुकाबले काफी रोमांचक होने की उम्मीद है। पिछली बार भी सैमसन ने ही केरल की कप्तानी संभाली थी। उस संस्करण में उन्होंने 6 पारियों में कुल 233 रन बनाए थे, और रोहन कुन्नुमल के बाद केरल के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे थे। इस बार वह अपनी उस व्यक्तिगत फॉर्म से टीम को जीत दिलाना चाहेंगे। केरल के इस 18 सदस्यीय दल में कई अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें लाल गेंद के कप्तान विष्णु विनोद भी हैं।

अंडर-19 एशिया कप में आज होंगे सेमीफाइनल मुकाबले

मस्कत। ओमान में जारी अंडर-19 एशिया कप के सेमीफाइनल मुकाबले गुरुवार को शुरू हो रहे हैं। इससे पहले सेमीफाइनल मुकाबले गुरुवार, 12 नवंबर को खेले जाएंगे। भारत और पाकिस्तान की अंडर-19 टीमें पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। ऐसे में इस बार भी इन दोनों के बीच, 14 नवंबर को खिताबी मुकाबला होने की संभावना है। भारत, पाकिस्तान के अलावा दो अन्य टीमें अफगानिस्तान और बांग्लादेश भी सेमीफाइनल में पहुंची हैं। इसमें ग्रुप ए में पाकिस्तान ने अपने सभी तीनों मुकाबले जीतकर नंबर एक स्थान हासिल किया है। वहीं इसी ग्रुप में भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ हार के बाद बचे हुए दोनों मैच जीतकर शानदार वापसी की और अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रहते हुए अंतिम चार में प्रवेश किया। वहीं दूसरी ओर ग्रुप बी में अफगानिस्तान की टीम अपने तीनों मैच जीतकर शीर्ष पर है। वहीं बांग्लादेश की टीम तीन में से दो मुकाबले जीतकर दूसरे स्थान पर है। इससे लंका और मलेशिया की टीमें रेस से बाहर हो गईं। गुरुवार, 12 नवंबर को पहला सेमीफाइनल मुकाबला भारत और ग्रुप बी की टीम अफगानिस्तान के बीच खेला जाएगा, जबकि दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच होगा। इन दोनों मुकाबलों में जीत दर्ज करने वाली टीमें शनिवार, 14 नवंबर को होने वाले खिताबी मुकाबले में एक-दूसरे के खिलाफ मैदान पर उतरेंगी।

पाकिस्तान के 434 रनों के जवाब में श्रीलंका ने 114 रनों पर खोये तीन विकेट

लाहौर। सऊद शकील की शानदार बल्लेबाजी के बाद शाकिब खान की कसी हुई गेंदबाजी से पाकिस्तान ने श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी पहली पारी में विकेट पर 434 रन बनाकर घोषित करने के बाद श्रीलंकाई टीम को दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट पर 114 रनों पर ही रोक दिया। श्रीलंकाई टीम अभी भी पहली पारी के आधार पर 320 रन पीछे है, जबकि उसके पास केवल सात विकेट हैं। दूसरे दिन की शुरुआत पांच विकेट पर 281 रन से आगे करते हुए, पाक की पारी को सऊद शकील ने बढ़ाया। साउद 93 रन पर आउट हुए। उन्होंने अपनी 193 गेंदों की पारी में गाजी घोरी 48 रनों के साथ ही छठे विकेट के लिए 96 रनों रन जोड़े। इसके बाद शकील ने अरफात मिन्हास 52 के साथ सातवें विकेट के लिए 44 रन बनाये जिससे टीम एक अच्छे स्कोर तक पहुंची। पाकी की पहली पारी में कुल पांच बल्लेबाजों ने अर्धशतक लगाये। दूसरी ओर श्रीलंका की ओर से असिथा फर्नांडो ने तीन विकेट लिए। वहीं बड़े स्कोर के जवाब में श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने अपने तीन विकेट गंवा दिये। पाक की ओर से इस मैच में पदार्पण करने वाले शाकिब ने मोहम्मद अब्बास के साथ लंकाई बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। दोनों ने अपने-अपने दूसरे ओवर में एक-एक विकेट लेकर श्रीलंका का स्कोर महज 12 रन पर दो विकेट कर दिया, जिससे मेजबान टीम शुरुआती दबाव में आ गई। शाकिब ने इसके बाद एक और अहम विकेट झटका, जब उन्होंने लाहिरू उदारा को 42 रन के निजी स्कोर पर पवेलियन भेजकर श्रीलंका को तीसरा झटका दिया। हालांकि, दिन का खेल समाप्त होने तक कामिंदु मेंडिस 40 और धनंजय डी सिल्वा 22 ने चौथे विकेट के लिए 49 रन बनाकर पारी को संभाला। अब तीसरे दिन पाक का लक्ष्य श्रीलंकाई पारी को जल्द से जल्द समेटकर बढ़त हासिल करना रहेगा।

आईपीएल 2027 के लिए हुआ ट्रेड, हार्दिक पंजाब किंग्स अर्शदीप मुम्बई से खेलेंगे

मुंबई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 सत्र से पहले सबसे बड़ी ट्रेड डील हुई है। इससे तहत ही हार्दिक पांड्या अब पंजाब किंग्स के लिए खेलते नजर आएंगे, जबकि अर्शदीप सिंह मुंबई इंडियंस से खेलते दिखेंगे। यह ट्रेड करार के साथ ही कई दिनों से जारी संशय समाप्त हो गया। हार्दिक, जो मुंबई इंडियंस के कप्तान रह चुके हैं, अब अपनी नई टीम के साथ जुड़ेंगे। वहीं अर्शदीप, जो लंबे समय से पंजाब का एक अहम हिस्सा थे, अब मुंबई इंडियंस की ओर से उतरेंगे। इस ट्रेड के तहत हार्दिक पांड्या को उनकी मौजूदा फीस से ज्यादा रकम मिली है। वह 18 करोड़ रुपये की फीस पर पंजाब किंग्स गये हैं जबकि पिछले सीजन यानी 2026 आईपीएल में वह 16.35 करोड़ रुपये में मुंबई इंडियंस में थे। वहीं अर्शदीप भी 18 करोड़ रुपये की मौजूदा फीस के साथ ही मुंबई इंडियंस से जुड़ गए हैं। इन दोनों खिलाड़ियों की अदला-बदली से उनकी नई फ्रेंचाइजियों को लाभ हुआ है। अर्शदीप के आने से जहां मुम्बई की गेंदबाजी मजबूत होगी। वहीं हार्दिक के आने से पंजाब को एक बेहतरीन ऑलराउंडर मिला है। आईपीएल की ओर से गया है, आईपीएल 2027 से पहले एक बड़े खिलाड़ी के ट्रेड में, मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंजाब किंग्स में चले जाएंगे, जबकि टी20 इंटरनेशनल में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले अर्शदीप पांच वार की चैंपियन टीम में शामिल होंगे।

टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम में रवींद्र और कॉनवे की वापसी

वैलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने भारतीय टीम के खिलाफ 19 नवंबर से होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम में रचिन रवींद्र और डेवोन कॉनवे, की वापसी हुई है। वहीं अनुभवी बल्लेबाज टॉम लाथम टीम की कप्तानी करेंगे। रवींद्र की टी20 सीरीज से पहले एक विज्ञापन की शूटिंग के दौरान कंधे में चोट लग गई थी, जिसके कारण वह एकदिवसीय सीरीज से बाहर रहे थे। वहीं कॉनवे एक कैच लेने के प्रयास में साथी खिलाड़ी से टकरा कर चोटिल हो गये थे। वे दोनों खिलाड़ी अब पूरी तरह से फिट होकर टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं जिससे टीम बेहतर हुई है। इन खिलाड़ियों की वापसी से टीम का मनोबल भी बढ़ना तय है। विशेषज्ञों का मानना है कि इनकी वापसी से न केवल टीम की बल्लेबाजी में गहराई आएगी बल्कि इससे टीम का मनोबल भी बढ़ेगा, जिससे वे भारतीय गेंदबाजों के सामने बेहतर चुनौती पेश कर पाएंगे। कॉनवे और रवींद्र के अलावा, टीम में अनुभवी स्पिनर मिचेल सेंटनर और विकेटकीपर-बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल को भी शामिल किया गया है, जो टीम को और अधिक स्थिरता प्रदान करेंगे। इन खिलाड़ियों की मौजूदगी से टीम को बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण दोनों में संतुलन मिलेगा।

वहीं गेंदबाजी आक्रमण की कमान काइल जेमिसन, हेनरी निकोल्स और ब्लेयर टिकनर जैसे खिलाड़ियों के कंधों पर होगी। इनके अतिरिक्त, जैकब डफी, मैट हेनरी, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, नाथन स्मिथ और विल यंग भी न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा हैं। टीम चयन में अनुभवी और युवा प्रतिभाओं का एक संतुलित मिश्रण देखने को मिल रहा है, जो विभिन्न परिस्थितियों में प्रदर्शन करने की क्षमता रखता है। कप्तान टॉम लाथम के नेतृत्व में, टीम को उम्मीद होगी कि वे अपनी घरेलू परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाकर भारतीय चुनौती का डटकर सामना करेंगे और सीरीज में अपनी स्थिति मजबूत करेंगे।

पांड्या को ट्रेड , बोल्ट को रिलीज कर सकती है मुंबई इंडियंस - चोपड़ा

मुम्बई । भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2027 सीज़न से पहले मुंबई इंडियंस को टीम में संभावित बड़े बदलाव हो सकते हैं। इसके तहत ही ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या का ट्रेड किया जा सकता है। पांड्या की कप्तानी में पिछले दो सत्रों में टीम को प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इसके साथ ही उनका निजी योगदान भी उम्मीद के अनुसार नहीं रहा। उन्होंने साथ ही पिछले सीज़न में निराशाजनक प्रदर्शन करने वाले तेज़ गेंदबाज़ ट्रेंट बोल्ट को टीम से रिलीज़ करने के मुंबई इंडियंस के निर्णय का भी समर्थन किया।

चोपड़ा ने कहा कि मुंबई इंडियंस के पास अनुभव और आक्रामक खेल का शानदार मिश्रण है, जिससे उनकी टीम काफी संतुलित दिखती है। उनके मुताबिक, अगर पिछला आईपीएल सीज़न टीम की अपेक्षाओं के अनुरूप होता, तो शायद उन्हें किसी बड़े बदलाव की ज़रूरत महसूस नहीं होती। हालांकि, उन्होंने पांड्या के संभावित ट्रेड को एक महत्वपूर्ण फ़ैसला बताया, जो खिलाड़ियों को रिटेन या रिलीज़ करने संबंधी टीम के फ़ैसलों को बड़े पैमाने पर प्रभावित कर सकता है।

चोपड़ा ने कहा, अगर पिछले सीज़न में सब कुछ योजना के मुताबिक होता, तो टीम को देखकर यही लगता कि बदलाव की क्या ज़रूरत है? उनके पास संतुलन, अनुभव और आक्रामक खिलाड़ी हैं। तो फिर बदलाव क्यों? शायद उन्हें एक-दो भारतीय स्पिनर या तेज़ गेंदबाज़ की ज़रूरत होती, जिसे वे आसानी से ढूँढ लेते। पर अभी सबसे ज़्यादा चर्चा पांड्या के ट्रेड की हो रही है। उन्होंने संकेत दिया कि हार्दिक जैसे दुर्लभ खिलाड़ी के बदले में मुंबई इंडियंस को शायद दो अन्य उपयोगी खिलाड़ी मिल सकते हैं, जिससे



टीम की गहराई और बढ़ सकती है।

पूर्व भारतीय ओपनर ने बोल्ट को रिलीज़ करने के फ़ैसले को भी पूरी तरह से जायज़ ठहराया। उन्होंने बोल्ट के पिछले सीज़न के प्रदर्शन और उनकी भारी-भरकम सैलरी का हवाला देते हुए कहा कि उन पर खर्च किए गए 12.5 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कई अन्य खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने के लिए किया जा सकता है।

वहीं चोपड़ा ने स्पष्ट किया कि पांड्या का मामला सिर्फ़ रिटेन या रिलीज़ करने तक सीमित नहीं होगा, बल्कि यह एक ट्रेड की स्थिति होगी। साथ ही उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि अगर मुंबई इंडियंस को हार्दिक के बदले में कोई उपयुक्त खिलाड़ी नहीं मिल पाता है, तो उन्हें इस स्टार ऑलराउंडर को हर हाल में टीम में बनाए रखना होगा। उन्होंने कहा, पांड्या का मामला एक ट्रेड का होगा; यह सिर्फ़ रिलीज़ या रिटेन करने का सवाल नहीं है। इसलिए, अगर उनके बदले में आपको कोई खिलाड़ी नहीं मिल पाता है, तो आपको पांड्या को रिटेन करना ही होगा। इसमें कोई शक नहीं है।

नकुल नाथ को फिर राजनीतिक केंद्र में लाने की तैयारी

- कांग्रेस में विरासत की नई पटकथा... कमलनाथ के जन्मदिन पर भोपाल में जुटेगा समर्थकों का कुनबा

- दीपावली मिलन के बहाने शक्ति प्रदर्शन, प्रदेश कांग्रेस में बदले समीकरणों के बीच अपनी ताकत का अहसास कराएगा कमलनाथ खेमा

भोपाल। कांग्रेस की राजनीति में अब विरासत और नेतृत्व की अगली पीढ़ी को लेकर नई पटकथा लिखे जाने के संकेत मिल रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के 80वें जन्मदिन के बहाने 14 नवंबर को भोपाल में होने वाला समर्थकों का जमावड़ा महज दीपावली मिलन तक सीमित नहीं माना जा रहा। इसके राजनीतिक मायने तलाशे जा रहे हैं। खासतौर पर लोकसभा चुनाव में छिंदवाड़ा की परंपरागत सीट गंवाने के बाद राजनीतिक रूप से कमजोर पड़े नकुल नाथ को दोबारा सक्रिय करने की कोशिश के तौर पर इस आयोजन को देखा जा रहा है। चार दशक से प्रदेश और राष्ट्रीय राजनीति में प्रभाव रखने वाले कमलनाथ के सामने अब अपनी राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने की चुनौती है। कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में नए समीकरण बन चुके हैं। ऐसे में कमलनाथ समर्थकों का एक मंच पर जुटना अपनी राजनीतिक मौजूदगी दर्ज कराने और समर्थकों को एकजुट रखने की कवायद माना जा रहा है।

छिंदवाड़ा लंबे समय तक कमलनाथ परिवार का मजबूत राजनीतिक गढ़ रहा है। कमलनाथ नौ बार इस सीट से सांसद चुने गए। 2019 में उन्होंने यह सीट अपने बेटे नकुल नाथ को सौंपी और नकुल सांसद बने। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने इस पारंपरिक गढ़ में सेंध लगा दी। नकुल नाथ की हार के बाद परिवार का राजनीतिक प्रभाव पहली बार



बड़े सवालों के घेरे में आया। इस हार के बाद नकुल नाथ को प्रदेश कांग्रेस की राजनीति में सक्रियता भी अपेक्षाकृत कम दिखाई दी। अब जन्मदिन के बहाने होने वाला जमावड़ा उनके लिए दोबारा राजनीतिक जमीन तैयार करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। समर्थकों की एकजुटता के जरिए यह संदेश देने की कोशिश हो सकती है कि छिंदवाड़ा की हार के बावजूद कमलनाथ का राजनीतिक आधार खत्म नहीं हुआ है।

जीतू पटवारी के नेतृत्व में बदले कांग्रेस के समीकरण

2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद प्रदेश संगठन की कमान जीतू पटवारी को सौंपी गई। इसके बाद पार्टी में नई पीढ़ी के नेतृत्व को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया तेज हुई। दूसरी ओर कमलनाथ समर्थकों को संगठन में भूमिका और राजनीतिक भविष्य को लेकर भी चर्चाएं होती रही हैं। ऐसे में 14 नवंबर का आयोजन केवल जन्मदिन और दीपावली मिलन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रदेश कांग्रेस के भीतर पुराने और नए नेतृत्व के बीच बदलते शक्ति संतुलन का संकेत भी दे सकता है। हालांकि आयोजन के जरिए किसी औपचारिक राजनीतिक निर्णय या पद की घोषणा की पुष्टि नहीं है।

नौ बार सांसद, छिंदवाड़ा से परिवार की 11 चुनावी जीत

कमलनाथ का राजनीतिक सफर छिंदवाड़ा से ही जुड़ा रहा है। 1980 में पहली बार लोकसभा पहुंचे कमलनाथ ने लगातार इस क्षेत्र में अपना प्रभाव बनाए रखा। 1996 में हवाला मामले के चलते उन्होंने खुद चुनाव लड़ने के बजाय पत्नी अलका नाथ को मैदान में उतारा। अलका नाथ चुनाव जीत गईं। बाद में कमलनाथ के आरोपमुक्त होने पर उन्होंने इस्तीफा दिया और 1997 में उपचुनाव हुआ। इसमें भाजपा के सुंदरलाल पटवा ने कमलनाथ को पराजित किया। यह उनके राजनीतिक जीवन की पहली चुनावी हार थी। हालांकि अगले वर्ष उन्होंने वापसी की और 2018 तक छिंदवाड़ा का प्रतिनिधित्व किया। 2019 में नकुल नाथ ने जीत दर्ज की। इस तरह छिंदवाड़ा से नाथ परिवार अब तक 11 बार चुनाव जीत चुका है।

कमलनाथ की गैरमौजूदगी में भी दिखेगी समर्थकों की ताकत

इस आयोजन का एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि भोपाल में होने वाले शक्ति प्रदर्शन में स्वयं कमलनाथ की मौजूदगी की संभावना कम बताई जा रही है। इसके बावजूद उनके समर्थकों के जुटने की तैयारी है। ऐसे में आयोजन की राजनीतिक अहमियत इस बात से भी तय होगी कि इसमें कितने वरिष्ठ नेता, पूर्व विधायक, संगठन पदाधिकारी और छिंदवाड़ा से जुड़े समर्थक शामिल होते हैं।

नकुल नाथ की सक्रियता कांग्रेस के लिए जरूरी

कांग्रेस के भीतर भी नकुल नाथ की राजनीतिक भूमिका को लेकर अलग-अलग राय सामने आती रही है। प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के पूर्व अध्यक्ष केके मिश्रा का कहना है कि समय परिवर्तनशील है। देश में जेन-जी की बयार चल रही है और प्रदेश में भी नया नेतृत्व सामने आ चुका है। ऐसे समय में नकुल नाथ का प्रदेश की राजनीति में सक्रिय होना पार्टी के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। उन्होंने वंशानुगत राजनीति को लेकर भी तंज किया। फिलहाल 14 नवंबर का आयोजन कमलनाथ परिवार की राजनीतिक विरासत, समर्थकों की एकजुटता और प्रदेश कांग्रेस में बदलते नेतृत्व समीकरणों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सवाल यह है कि क्या छिंदवाड़ा के गढ़ में मिली हार के बाद अब नकुल नाथ को प्रदेश की राजनीति में नई भूमिका देने की जमीन तैयार हो रही है?

मेट्रो में आज से स्मार्ट कार्ड, हर यात्रा पर 25 प्रतिशत छूट

भोपाल। भोपाल और इंदौर मेट्रो में सफर करने वाले यात्रियों को गुरुवार से स्मार्ट कार्ड की सुविधा मिलने जा रही है। नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) के जरिए यात्री अब बिना टिकट काउंटर पर कतार लगाए मेट्रो में प्रवेश और निकास कर सकेंगे। खास बात यह है कि कार्ड से यात्रा करने पर यात्रियों को किराए में 25 प्रतिशत की छूट भी मिलेगी। यह सुविधा दोनों शहरों की मेट्रो में लागू होगी।

इस कार्ड की खासियत यह है कि इसका इस्तेमाल सिर्फ भोपाल और इंदौर तक सीमित नहीं रहेगा। देश के उन सभी शहरों की मेट्रो में भी यह कार्ड काम करेगा, जहां नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड की व्यवस्था लागू है। यानी यात्रियों को अलग-अलग शहरों में मेट्रो का सफर करने के लिए बार-बार नया कार्ड लेने की जरूरत नहीं होगी।

50 रुपए में मिलेगा कार्ड, खुद करा सकेंगे रिचार्ज

भोपाल और इंदौर मेट्रो के सभी स्टेशनों पर टिकट काउंटर से एनसीएमसी कार्ड प्राप्त किया जा सकेगा। इसके लिए यात्रियों को 50 रुपए शुल्क देना होगा। यह शुल्क नॉन-रिफंडेबल रहेगा। कार्ड मिलने के बाद यात्री अपनी जरूरत के मुताबिक इसमें राशि रिचार्ज करा सकेंगे और उसी बैलेंस से यात्रा कर पाएंगे। कार्ड का इस्तेमाल एटीएम कार्ड की तरह किया जा सकेगा। मेट्रो स्टेशन के प्रवेश और निकास गेट पर कार्ड का उपयोग करने से यात्रा की प्रक्रिया आसान होगी। यात्रियों को हर बार टिकट खरीदने के लिए काउंटर पर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

20 रुपए से अधिक किराए पर मिलेगी छूट

स्मार्ट कार्ड शुरू होने के बाद भी यात्रियों को सिंगल जर्नी टिकट पर मिलने वाली 25 प्रतिशत की छूट जारी रहेगी। यह छूट उन यात्राओं पर लागू होगी, जिनका निर्धारित किराया 20 रुपए से अधिक है। भोपाल और इंदौर दोनों मेट्रो में यह सुविधा उपलब्ध रहेगी।

दूसरे शहरों में भी बनेगा सफर का साथी

एनसीएमसी कार्ड की सबसे बड़ी उपयोगिता इसकी इंटरऑपरेबिलिटी है। यानी एक ही कार्ड से देश के अलग-अलग शहरों की मेट्रो में सफर किया जा सकेगा, बशर्ते संबंधित मेट्रो नेटवर्क में एनसीएमसी की सुविधा लागू हो। इससे दूसरे शहरों में जाने वाले यात्रियों को अलग-अलग कार्ड रखने या हर बार टिकट खरीदने की परेशानी से राहत मिलेगी।

मप्र के पूर्व मुख्य सचिव एवी सिंह का निधन

- 83 की उम्र में ली अंतिम सांस; दिविजय सरकार में रहे थे सीएस

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव और पूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त आदित्य विजय (एवी) सिंह का बुधवार को निधन हो गया। वे 83 वर्ष के थे। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के कार्यकाल में प्रदेश के मुख्य सचिव की जिम्मेदारी संभाली थी। उनके कार्यकाल के दौरान ही दिसंबर 2003 में उमा भारती के नेतृत्व में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी थी।

22 अक्टूबर 1943 को जन्मे एवी सिंह 1970 बैच के मध्य प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी थे। वे अपनी प्रशासनिक दक्षता और कार्यशैली के लिए पहचाने जाते थे। उन्होंने अपने लंबे प्रशासनिक करियर में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं।

मार्च 2002 से जनवरी 2004 तक रहे मुख्य सचिव

एवी सिंह मार्च 2002 से जनवरी 2004 तक मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव रहे। इससे पहले वे ग्वालियर और भोपाल जिलों के कलेक्टर के रूप में भी सेवाएं दे चुके थे। वे केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर भी पदस्थ रहे। मुख्य सचिव पद से सेवानिवृत्त होने के बाद उन्हें राज्य निर्वाचन आयुक्त बनाया गया था। एवी सिंह के निधन से प्रशासनिक जगत, परिवार और शुभचिंतकों में शोक है।

भाजपा महिला मोर्चा में नियुक्तियों पर घमासान

- दिल्ली के नेता दे रहे दखल, संगठन तक पहुंचा मामला - मोर्चा अध्यक्ष द्वारा की गई नियुक्तियों को प्रदेश नेतृत्व ने किया स्थगित

भोपाल। मप्र भाजपा महिला मोर्चा में पदाधिकारियों की नियुक्तियों को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले महीने महिला मोर्चा अध्यक्ष अश्विनी परांजपे ने कार्यालय मंत्री, सह कार्यालय मंत्री को हटाकर नई नियुक्तियां की। इसके बाद उन्होंने उपाध्यक्ष, सोशल मीडिया एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों की भी नियुक्ति कर दी। चार पदों पर की गई इन नियुक्तियों को एक दिन के भीतर ही प्रदेश नेतृत्व ने स्थगित कर दिया था। इसके बाद महिला मोर्चा में नियुक्तियों को लेकर उपजा विवाद प्रदेश नेतृत्व तक पहुंच गया है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार महिला मोर्चा अध्यक्ष अश्विनी परांजपे ने 28 अक्टूबर को उपाध्यक्ष पद पर सारिका उपाध्याय, वर्षा दुबे को सह सोशल मीडिया प्रभारी, विधा श्रीवास्तव (अशोकनगर)को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य और श्रीमती इंदु चौधरी को भी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नियुक्त किया गया। इन नियुक्तियों को लेकर महिला मोर्चा में विवाद बढ़ा। नियुक्तियों को भाजपा के दिल्ली स्तर के नेताओं ने आपत्ति जताई। इसके बाद प्रदेश कार्यालय मंत्री श्याम महाजन ने 28 अक्टूबर को इन नियुक्तियों को स्थगित कर दिया। बताया गया कि श्रीमती सारिका उपाध्याय के पास पहले महिला मोर्चा में दूसरा पद था, उन्हें प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया। इसी तरह अशोकनगर की विधा श्रीवास्तव को महिला मोर्चा में जिम्मेदारी बदलकर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बना दिया गया। पार्टी सूत्रों ने बताया कि इन दोनों महिला नेत्रियों के लिए भाजपा के केंद्रीय नेताओं ने सिफारिश की थी। दिल्ली के नेताओं की सिफारिश से पहले एक महिला को उपाध्यक्ष बनाया गया था, बाद में दूसरे नेता की सिफारिश पर दूसरी महिला नेत्री को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य इंदु चौधरी के लिए भी केंद्रीय पदाधिकारी की ओर से सिफारिश की गई थी। फिलहाल महिला मोर्चा में नियुक्तियों का मामला प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर तिवारी तक पहुंचा है।

कार्यालय प्रभारी और सह प्रभारी को भी हटाया

महिला मोर्चा अध्यक्ष अश्विनी परांजपे ने पिछले महीने ही प्रदेश कार्यालय मंत्री श्रीमती भावना सिंह को हटाकर भावना गौर को नई कार्यालय प्रभारी बनाया था। साथ ही सह कार्यालय प्रभारी विमला तिवारी को भी हटाकर नई नियुक्ति की गई। दोनों महिला नेत्रियों को मोर्चा या पार्टी में कोई नई जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई। यह मामला भी प्रदेशाध्यक्ष और संगठन महामंत्री तक पहुंचा है।

अभावित बैकग्राउंड से हो रही नियुक्तियां!

महिला मोर्चा में नियुक्तियों का विवाद प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर तिवारी तक पहुंचा है। उनके समक्ष यह आपत्ति दर्ज कराई गई है कि महिला मोर्चा में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बैकग्राउंड से आने वाली महिला नेत्रियों को तवज्जो दी जा रही है। मोर्चा में पिछलाहर सिपाही भाजपा बनाम विद्यार्थी परिषद जैसी हो गई है। महिला मोर्चा की नई कार्यालय प्रभारी भी अभाविप बैकग्राउंड से हैं। प्रदेश नेतृत्व के समक्ष कुछ नेत्रियों ने शिकायत दर्ज कराई है कि जिन महिला नेत्रियों ने भाजपा में काम नहीं किया है, लेकिन अभाविप बैकग्राउंड से होने की वजह से उन्हें नियुक्तियां दी जा रही हैं।

रबी सीजन में उर्वरकों पर सब्सिडी मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री का आभार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रबी सीजन 2026-27 के लिए फॉस्फेट एवं पोटाश उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी दरों को मंजूरी देने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में उर्वरकों और कच्चे माल की कीमतों में हो रहे बदलाव को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस निर्णय से किसानों को डीएपी सहित फॉस्फेट एवं पोटाश श्रेणी के 28 प्रकार के उर्वरक रियायती दरों पर उपलब्ध हो सकेंगे।

संभावित रिक्तियों के आधार पर इसी माह होगी डीपीसी

दस साल की पदोन्नति रुकावट के बाद अब दूसरा चरण, वेटिंग लिस्ट वाले कर्मचारियों की बारी

भोपाल। मध्यप्रदेश में करीब एक दशक से ठप पड़ी पदोन्नति प्रक्रिया अब दूसरे चरण में पहुंच गई है। पहले दौर में लगभग 68 हजार अधिकारियों-कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ मिलने के बाद सरकार नवंबर के अंत तक सभी विभागों में विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की दूसरे दौर की बैठकें पूरी करने की तैयारी में है। इस बार उन पदों पर भी विचार किया जाएगा, जो पहले दौर की वेटिंग लिस्ट के बाद खाली रह गए थे। साथ ही दिसंबर 2027 तक संभावित रिक्तियों को भी पदोन्नति की गणना में शामिल किया जा रहा है।

सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, विभागवार डीपीसी की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। रिक्त पदों की गणना, पात्र अधिकारियों-कर्मचारियों की सूची, वरिष्ठता क्रम और सेवा अभिलेखों की जांच जैसी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। अब विभागों की बैठकें आयोजित कर पदोन्नति के मामलों पर निर्णय लेना है। इससे पहले जून-जुलाई 2026 में डीपीसी की बैठकें हुई थीं और जुलाई-अगस्त तक करीब 68 हजार कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ दिया जा चुका है। दूसरे दौर की प्रक्रिया में उन कर्मचारियों को भी अवसर मिल सकता है, जिनकी दस साल की सेवा पूरी हो चुकी है या जिन्हें अब तक सेवा अवधि में केवल एक ही पदोन्नति मिली है। हालांकि, केवल सेवा अवधि पूरी होना पदोन्नति की गारंटी नहीं होगा। संबंधित पद की रिक्ति, भर्ती नियम, पात्रता, वरिष्ठता और अन्य निर्धारित शर्तों के आधार पर ही समिति निर्णय लेगी।

वेटिंग लिस्ट के बाद खाली पदों पर नजर

इस बार डीपीसी का दायरा केवल पहले चरण में छूटे कर्मचारियों तक सीमित नहीं है। सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशों के अनुसार, वेटिंग लिस्ट के बाद खाली रह गए पदों के साथ दिसंबर 2027 तक संभावित रिक्तियों को भी ध्यान में रखा जा रहा है। इसका मकसद चयन वर्ष के लिए पदोन्नति की प्रक्रिया को व्यवस्थित करना और उपलब्ध होने वाले पदों के अनुरूप पात्र कर्मचारियों के मामलों पर समय रहते विचार करना है। मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 के नियम-6 में प्रत्येक चयन वर्ष के लिए विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित करने का प्रावधान है। नियमानुसार बैठकें सामान्य तौर पर पिछले वर्ष सितंबर से नवंबर के बीच आयोजित की जानी चाहिए। समिति अगले चयन वर्ष में 31 दिसंबर की दोपहर तक उपलब्ध होने वाली संभावित और अप्रत्याशित रिक्तियों के लिए कर्मचारियों की पात्रता पर विचार करती है। इसी व्यवस्था के तहत विभागों में दूसरे दौर की डीपीसी आयोजित की जा रही है।

वरिष्ठता और एसीआर की भी होगी पड़ताल

डीपीसी से पहले विभागों ने पदोन्नति कोटे के तहत स्वीकृत पदों, कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों और वास्तविक रिक्तियों का हिसाब तैयार किया है। भर्ती नियमों के अनुसार पदोन्नति के लिए उपलब्ध पदों का निर्धारण किया जा रहा है। इसके बाद निर्धारित सेवा अवधि, वरिष्ठता और शैक्षणिक योग्यता के आधार पर पात्र कर्मचारियों की सूची बनाई गई है। विभागों ने अंतिम वरिष्ठता सूची के आधार पर कर्मचारियों का क्रम भी जांचा है। इसके अलावा निर्धारित अवधि की गोपनीय चरित्रावली (एसीआर), उसमें दर्ज ग्रेडिंग और मूल्यांकन की स्थिति का परीक्षण किया जा रहा है। इन अभिलेखों की स्थिति पदोन्नति के निर्णय में अहम भूमिका निभाएगी।

कानूनी अड़चनें पहले ही दूर करने की कोशिश

पदोन्नति के बाद विवाद और न्यायालयीन अड़चनें सामने न आएं, इसके लिए विभागीय स्तर पर कर्मचारियों के सेवा रिकॉर्ड की अतिरिक्त जांच की जा रही है। जिन अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय जांच, आपराधिक प्रकरण, निलंबन या दंडात्मक कार्रवाई लंबित है, उनका विवरण भी तैयार किया गया है। पदोन्नति और वरिष्ठता से जुड़े न्यायालयीन मामलों की स्थिति भी देखी जा रही है, ताकि डीपीसी के सामने प्रत्येक प्रकरण का पूरा रिकॉर्ड उपलब्ध रहे।

दस साल की रुकावट के बाद दूसरा बड़ा चरण

प्रदेश में वर्ष 2016 से पदोन्नति प्रक्रिया पर रोक के चलते हजारों कर्मचारियों का सेवा जीवन प्रभावित हुआ। इस अवधि में एक लाख से अधिक कर्मचारी बिना पदोन्नति के सेवानिवृत्त हो गए। लंबे इंतजार के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर जून-जुलाई 2026 में डीपीसी की बैठकें आयोजित की गईं और पदोन्नति आदेश जारी हुए। अब दूसरे दौर की बैठकों से उन कर्मचारियों की उम्मीदें बढ़ी हैं, जिन्हें पहले चरण में पदोन्नति नहीं मिल सकी थी या जिनके लिए नए पद उपलब्ध हुए हैं।

अल्पसंख्यक नागरिकता की कुंडली टटोल रही सरकार

- गृह विभाग ने मांगा डाटा, कितने आवेदन किस किस जिलों में लंबित

भोपाल। मध्य प्रदेश में अल्पसंख्यकों की नागरिकता को लेकर सरकार पड़ताल कर रही है। अल्पसंख्यकों की नागरिकता के कितने आवेदन किस किस जिलों में लंबित हैं, इसको लेकर पूरा डाटा मध्य प्रदेश के गृह विभाग ने मांगा है। इसको लेकर जनगणना के निदेशक से गृह विभाग ने कई बिंदुओं पर जानकारी मांगी है। प्रदेश के महानगरों में नागरिकता आवेदनों को डील करने वाले अधिकारियों के स्तर पर आंकड़ा क्या है, इसके अलावा नान सीएए अल्पसंख्यक संबंधी आवेदन, जिलेवार और प्रदेश में नागरिकता मामले के आवेदनों को लेकर क्या स्थिति है, यह वारीक आंकड़े मांगे गए हैं।

गृह विभाग के वरिष्ठ अफसरों को पूरी रिपोर्ट जाएगी

गृह विभाग के वरिष्ठ अफसरों को यह पूरी रिपोर्ट जाएगी। इस जानकारी में इंटेलीजेंस ब्यूरो की रिपोर्ट भी शामिल होगी। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नागरिकता (संशोधन) नियम, 2026 को अधिसूचित किया है, जिससे पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आने वाले गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों (हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई) को नागरिकता से जुड़ी प्रक्रियाओं में बड़े पैमाने पर छूट दी गई है।

जनगणना निदेशक से कई बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी मांगी

नए संशोधन के बाद से ही प्रदेशों और जिलों में इसको लेकर सभी मापदंडों पर पड़ताल बढ़ी और नागरिकता आवेदनों को लेकर अलग अलग स्तर से दिशा निर्देश जारी हुए। गृह विभाग ने जनगणना निदेशक से इसको लेकर कई बिंदुओं पर जानकारी विस्तार से मांगी है। जिससे मौजूदा स्थिति के विषय में पूरी जानकारी का चल सके।

इंदौर में कुल लंबित मामलों की संख्या 374 है और आईबी रिपोर्ट लंबित का आंकड़ा 31 है। इसी तरह भोपाल में 55, जलबपुर में आठ, रतलाम में सात, उज्जैन में तीन, होशंगाबाद और विदिशा में दो दो व सीहोर,बालाघाट, बैतूल व मंदसौर में एक एक आवेदन लंबित है। इस तरह जिलों में लंबित नागरिकता मामलों का आंकड़ा 460 है।

नॉन सीएए अल्पसंख्यक संबंधी लंबित आवेदनों की स्थिति

इंदौर में कुल आवेदन संख्या 2896 है। प्रदान की गई नागरिकता 2399 और अस्वीकृत आवेदन 48 है। वहीं लंबित आवेदनों की संख्या 449 है। इसी तरह भोपाल में कुल आवेदन 244, प्रदान की गई स्वीकृति का आंकड़ा 184 और अस्वीकृत आवेदन की संख्या छह है।

मध्यप्रदेश में चोरी की वारदातों पर पुलिस का बड़ा एक्शन, 10 दिन में 1.13 करोड़ की संपत्ति जब्त

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस ने प्रदेश में चोरी और नकबजनी की घटनाओं पर बड़ी कार्रवाई करते हुए विगत 10 दिनों में 1 करोड़ 13 लाख 45 हजार रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में की गई कार्रवाई के दौरान पुलिस ने सोने-चांदी के आभूषण, नकदी, वाहन, मोटर पंप, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य चोरी का सामान बरामद किया है। कई शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की वारदातों का खुलासा किया गया है।

टीकमगढ़ के कुंडीला थाना पुलिस ने पाइप चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर दो वाहनों सहित करीब 58 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की। झाबुआ के पेटलावद में दंपति से मारपीट कर आभूषण और नकदी लूटने के मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार कर 18.52 लाख रुपये की संपत्ति बरामद की गई। ग्वालियर में नकबजनी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर करीब 12 लाख रुपये के आभूषण जब्त किए गए।

खरगोन पुलिस ने दो चोरी की घटनाओं का खुलासा कर आठ लाख रुपये की संपत्ति बरामद की। छतरपुर में दो अलग-अलग मामलों में करीब 5.50 लाख रुपये के आभूषण जब्त किए गए। जीआरपी भोपाल ने ट्रेन के फर्स्ट एसी कोच में चोरी करने वाले दो आरोपियों से 2.63 लाख रुपये के एप्पल इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए। वहीं, जीआरपी ग्वालियर ने सात आरोपियों को गिरफ्तार कर पांच मामलों में 1.28 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की।

इसके अलावा मुरैना, सागर, नर्मदापुरम, खंडवा और कटनी में भी पुलिस ने चोरी की घटनाओं का खुलासा कर नकदी, मोबाइल उपकरण, टैबलेट और मोटर पंप सहित लाखों रुपये का सामान बरामद किया। पुलिस ने नागरिकों से घरों और प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए सतर्क रहने तथा संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल नजदीकी थाने में देने की अपील की है।

2027 में एमपीपीएससी की दो बार होगी राज्य सेवा परीक्षा

भोपाल। मध्यप्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए वर्ष 2027 अहम साबित हो सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 2027 को युवा वर्ष घोषित किए जाने के बाद सरकार ने भर्ती प्रक्रिया तेज करने की कवायद शुरू कर दी है। इसी कड़ी में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) के माध्यम से वर्ष 2027 में दो बार राज्य सेवा परीक्षा आयोजित करने की तैयारी है। सरकार का जोर न केवल नई भर्तियां निकालने पर है, बल्कि लंबे समय से खाली पड़े पदों और भर्ती के बैकलॉग को कम करने पर भी है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी सरकारी विभागों से रिक्त पदों की जानकारी और भर्ती के मांगपत्र मांगे हैं। विभागों को ऑनलाइन माध्यम से यह जानकारी उपलब्ध करानी होगी, ताकि आगामी भर्ती परीक्षाओं के लिए पदों की संख्या और विभागवार आवश्यकता तय की जा सके।

भर्ती प्रक्रिया को गति देने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने गुरुवार को दोपहर 3 बजे मंत्रालय स्थित वल्लभ भवन में बैठक बुलाई है। बैठक की अध्यक्षता सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव करेंगे। इसमें सभी विभागों के उप सचिव अथवा संबंधित अधिकारियों को बुलाया गया है। बैठक में राज्य सेवा परीक्षा 2027 के लिए रिक्त पदों की स्थिति, विभागों की भर्ती संबंधी मांग और ऑनलाइन मांगपत्र भेजने की प्रक्रिया की समीक्षा की जाएगी। जिन विभागों ने अब तक रिक्त पदों की जानकारी और मांगपत्र नहीं भेजे हैं, उनसे इस संबंध में वस्तुस्थिति स्पष्ट करने को कहा गया है।

प्रशासनिक से लेकर राजस्व सेवाओं तक पदों पर भर्ती

एमपीपीएससी के माध्यम से राज्य सेवा परीक्षा सहित विभिन्न चयन परीक्षाओं के जरिए प्रदेश के अलग-अलग विभागों में अधिकारियों और कर्मचारियों की भर्ती की जाती है। इनमें डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी, नायब तहसीलदार, जिला आबकारी अधिकारी, वाणिज्यिक कर अधिकारी, जिला रजिस्ट्रार और सहकारिता विभाग के सहायक पंजीयक जैसे पद शामिल हैं। इसके अलावा नगरीय प्रशासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वित्त, श्रम, जनसंपर्क और वन विभाग के पदों पर भी आयोग के माध्यम से चयन किया जाता है। अलग-अलग विभागों की आवश्यकता के अनुसार तकनीकी और विशेषज्ञ पदों के लिए भी भर्ती परीक्षाएं आयोजित होती हैं।

युवाओं को मिल सकती है दो अवसरों की सौगात

वर्ष 2027 में दो बार राज्य सेवा परीक्षा आयोजित करने की तैयारी को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे भर्ती कैलेंडर में नियमितता आने और चयन प्रक्रिया के लंबे इंतजार को कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, वास्तविक अवसरों की संख्या विभागों से मिलने वाले रिक्त पदों और आयोग की भर्ती योजना पर निर्भर करेगी। सरकार की इस कवायद को अगला महत्वपूर्ण चरण विभागवार रिक्तियों का आकलन और भर्ती प्रस्तावों को अंतिम रूप देना होगा। इसके बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि वर्ष 2027 की दोनों परीक्षाओं में कितने पद शामिल किए जाएंगे। युवाओं को उम्मीद है कि युवा वर्ष केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सरकारी विभागों में खाली पद भरने के साथ भर्ती परीक्षाओं का नियमित कैलेंडर भी जमीन पर उतरेगा।

बालाघाट
गुरुवार 12 नवम्बर 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

बालाघाट एक्सप्रेस
शहर । समाज । गांव

12
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

गुजरी बाजार में फिर चोरी, शिवा चना सेंटर से ढाई लाख की नकदी पार

दुकान की खिड़की तोड़कर अंदर घुसे चोर, अलमारी का ताला तोड़कर ले गए दीपावली के कारोबार के लिए रखी रकम, व्यापारी ने रात्रि पुलिस गश्त पर उठाए सवाल





पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के दावों के बीच चोरों के हौसले लगातार बुलंद नजर आ रहे हैं। अब वार्ड क्रमांक 16 के व्यस्त व्यापारिक क्षेत्र गुजरी चौक स्थित मस्जिद रोड पर अज्ञात चोरों ने शिवा चना सेंटर को निशाना बनाते हुए करीब दो से ढाई लाख रुपए की नकदी पर हाथ साफ कर दिया। चोरों ने दुकान के मुख्य दरवाजे के ऊपर बनी खिड़की तोड़कर अंदर प्रवेश किया और अलमारी का ताला तोड़कर नकदी लेकर फरार हो गए। दुकान में हुई इस वारदात ने एक बार फिर शहर की रात्रिकालीन सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। सवाल यह है कि जब शहर के प्रमुख व्यापारिक क्षेत्र में दुकानों की सुरक्षा को लेकर पुलिस की गश्त जरूरी है, तो आखिर चोरों को वारदात अंजाम देने का मौका कैसे मिल रहा है?

शिवा चना सेंटर के संचालक शिवा सोनवाने ने बताया कि वे सोमवार रात करीब 9:30 बजे रोजाना की तरह दुकान बंद कर घर चले गए थे। मंगलवार को साप्ताहिक बाजार बंद होने के कारण दुकान नहीं खोली गई। बुधवार को जब वे नियमित समय पर दुकान पहुंचे और ताला खोलकर अंदर गए तो वहां का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। दुकान के दरवाजे के ऊपर बनी खिड़की टूटी हुई थी और अलमारी का ताला भी क्षतिग्रस्त मिला। दुकान के अंदर जांच करने पर पता चला कि अज्ञात चोर करीब दो से ढाई लाख रुपए की नकदी चोरी कर ले गए हैं। जिस रकम को व्यापारी ने त्योहार के दौरान व्यवसायिक जरूरतों के लिए संभालकर रखा था, उसे चोरों ने अपना निशाना बना लिया। शिवा सोनवाने के अनुसार दीपावली के चलते उन्होंने दुकान में बड़ी रकम रखी थी, ताकि त्योहार के दौरान कारोबार सुचारू रूप से संचालित किया जा सके।

सोमवार रात दुकान बंद होने के बाद मंगलवार को साप्ताहिक अवकाश रहा और बुधवार को दुकान खोलने पर चोरी का पता चला। यानी चोरों ने दुकान बंद रहने की स्थिति का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया। खिड़की तोड़कर अंदर घुसना और अलमारी का ताला तोड़कर नकदी ले जाना बताता है कि चोरों ने दुकान को निशाना बनाया और आराम से वारदात को अंजाम देकर निकल गए। हालांकि चोरी की घटना को लेकर विस्तृत जांच और आरोपियों की पहचान होना अभी बाकी है। घटना के बाद व्यापारी ने पुलिस की रात्रिकालीन गश्त पर गंभीर सवाल उठाए हैं। शिवा सोनवाने का कहना है कि गुजरी जैसे व्यस्त व्यापारिक क्षेत्र में रात के समय नियमित पुलिस गश्त होना बेहद जरूरी है, लेकिन उनके अनुसार हर दिन प्रभावी ढंग से गश्त नहीं होती। यदि बाजार बंद होने के बाद पुलिस की नियमित निगरानी रहे तो इस तरह की वारदातों पर अंकुश लगाने में मदद मिल सकती है। उन्होंने मांग की कि पुलिस केवल चोरी की घटना सामने आने के बाद कार्रवाई करने तक सीमित न रहे, बल्कि बाजार क्षेत्र में प्रतिदिन रात्रि गश्त सुनिश्चित करे। साथ ही उनकी दुकान से चोरी हुई रकम का पता लगाने और आरोपियों की पकड़ने के लिए तत्काल कार्रवाई की जाए। यह घटना केवल एक दुकान से नकदी चोरी होने तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर के व्यापारिक क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करती है। त्योहारों के दौरान व्यापारी अपने कारोबार के लिए नकदी रखते हैं और दुकानें बंद होने के बाद उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में यदि चोर बेखौफ होकर दुकानों को निशाना बना रहे हैं तो पुलिस की गश्त और निगरानी व्यवस्था की समीक्षा जरूरी है। व्यापारियों को सुरक्षा का भरोसा केवल आश्वासन से नहीं, बल्कि नियमित पुलिस मौजूदगी और चोरी की घटनाओं में त्वरित कार्रवाई से मिलेगा।

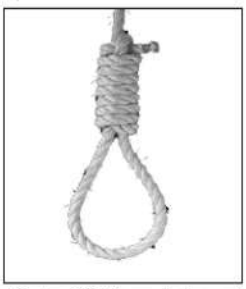
जल्द से जल्द चोरी पर संज्ञान लेंगें - अजय गुर्जर

मामले को लेकर कोतवाली थाना प्रभारी अजय गुर्जर ने दूरभाष पर पद्मेश न्यूज को बताया कि शिवा चना सेंटर में चोरी की जानकारी उनके संज्ञान में आई है और वे जल्द से जल्द मामले पर संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करेंगे। अब देखने वाली बात यह होगी कि पुलिस इस वारदात को कितनी गंभीरता से लेती है, चोरों तक कब पहुंचती है और व्यापारी की चोरी गई रकम को बरामदगी के लिए क्या कदम उठाती है। फिलहाल गुजरी चौक की इस घटना ने व्यापारियों की चिंता बढ़ा दी है और पुलिस की रात्रिकालीन गश्त को लेकर जवाबदेही का सवाल फिर सामने ला खड़ा किया है।

2 दिन पूर्व बंजर नदी में पानी लेने गई महिला का फाँसी पर लटका मिला शव

4 बच्चों के सर से उठा मां का साया, जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम चिचरंगपुर भीमा में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। दो दिन पहले बंजर नदी में पानी लेने गई 36 वर्षीय महिला का शव नदी किनारे एक किसान के खेत में कोसम के पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका मिला बताया जा रहा



है कि महिला दो दिनों से लापता थी। परिजन उसकी लगातार तलाश कर रहे थे। महिला का शव मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। उधर पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। प्रथम दृष्टिया महिला के आत्महत्या किए जाने की बात कही जा रही है लेकिन यह हत्या है या आत्महत्या मामले की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है फिलहाल मौत किन परिस्थितियों में हुई इसके कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है।

बंजर नदी में पानी भरने गई थी छोटी बाई

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम चिचरंगपुर निवासी रमेश परते मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। परिवार में पत्नी छोटी बाई परते (36), चार बच्चों की मां थी। बताया गया कि 8 नवंबर की शाम करीब 4 बजे छोटी बाई गंजी लेकर बंजर नदी में पानी भरने गई थी। काफी समय बीतने के बाद भी जब वह घर नहीं लौटी तो पति को चिंता हुई। रमेश ने पहले नदी और आसपास के क्षेत्र में उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली थी।

अपहरण की जताई गई थी आशंका

उधर पत्नी का कोई सुराग नहीं मिलने पर रमेश परते ने गांव के लोगों से पूछताछ की और रिश्तेदारी के गांव मोवाला, टेकाड़ी, कलेगांव, सरेखा एवं कुमादेही सहित अन्य स्थानों पर भी तलाश की। 9 नवंबर तक लगातार खोजबीन के बावजूद छोटी बाई का पता नहीं चलने पर पति ने अपहरण की आशंका जताते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

खेत में कोसम के पेड़ पर लटका मिला शव

बताया गया कि 10 नवंबर की सुबह करीब 11 बजे महिला की तलाश के दौरान बंजर नदी किनारे मनीराम के खेत में लगे कोसम के पेड़ पर छोटी बाई का शव साड़ी के फंदे से लटका दिखाई दिया। इसकी सूचना मिलते ही मलाजखंड पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

चार बच्चों के सर से उठा मां का साया

मजदूरी कर परिवार चलाने वाले रमेश परते के परिवार पर इस घटना से दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। चार बच्चों की मां छोटी बाई की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। हालांकि महिला ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, इसके पीछे क्या वजह रही, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। मलाजखंड पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नारकोटिक अभियान के तहत बालाघाट रेलवे स्टेशन पर पुलिस की सघन चेकिंग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पुलिस मुख्यालय भोपाल से प्राप्त निर्देशों के पालन में रेलवे पुलिस द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से 27 अक्टूबर से 10 नवंबर 2026 तक 15 दिवसीय विशेष नारकोटिक अभियान चलाया गया। इसी अभियान के तहत बालाघाट रेलवे स्टेशन पर जीआरपी पुलिस द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाकर स्टेशन परिसर सहित आने-जाने वाली ट्रेनों की जांच की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर सुंदर सिंह कनेश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्र एवं उप पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता सुलया के दिशा-निर्देशन में चौकी प्रभारी बालाघाट डीएस काकोडिया ने अपने स्टाफ के साथ रेलवे स्टेशन पर विशेष जांच अभियान संचालित किया। इस दौरान



पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित कर स्टेशन के विभिन्न हिस्सों में सघनता से चेकिंग की गई। पुलिस टीम ने रेलवे स्टेशन की बुकिंग खिड़की, मुसाफिरखाना, प्लेटफार्म एरिया सहित स्टेशन पर आने-जाने वाली ट्रेनों की जांच की। यात्रियों एवं संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। अभियान का उद्देश्य रेलवे के माध्यम से मादक पदार्थों के परिवहन और तस्करी पर प्रभावी रोक लगाना तथा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा। पुलिस अधिकारियों के निर्देशानुसार अभियान के दौरान रेलवे स्टेशन परिसर में सतत निगरानी रखते हुए अलग-अलग स्थानों पर जांच की गई।





स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट